हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

www.ksnewsupdates.com धनबाद, सोमवार 11 अगस्त, 2025, वर्ष: 34 अंक : 137, मूल्य: 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

संक्षिप्त खबरें

चाईबासा में नक्सलियों के ठिकाने से आईईडी बरामद

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।चाईबासा जिले में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों को सर्च अभियान में बड़ी सफलता मिली है। रविवार को सुरक्षाबलों ने जराईकेला थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र से पांच किलो का एक आईईडी बरामद किया है। बरामद लैंड माइंस को सुरक्षाबलों ने उसी स्थान पर नष्ट कर दिया।उल्लेखनीय है कि कोल्हान और सारंडा के जंगल में भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने अन्य दस्ता सदस्यों के साथ घुम रहा है।इस सूचना पर जिला पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान अभियान चला रहे हैं।

इंडिया गठबंधन का विरोध मार्च सोमवार को

रांची(ईएमएस)। बिहार में विशिष्ट गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने,मशीन द्वारा पठनीय मतदाता सूची उपलब्ध कराने तथा झारखंड में चल रही विशिष्ट गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को तत्काल बंद करने जैसी मांगों को लेकर इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न नागरिक संगठन सोमवार को विरोध मार्च निकालेंगे। यह विरोध मार्च बिरसा चौक से राज्य निर्वाचन आयोग तक निकाला जाएगा।यह जानकारी भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े ग्यारह बजे बिरसा चौक, रांची से मार्च निकाला जाएगा, जो राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय तक जाएगा। विरोध मार्च में झामुमो, कांग्रेस, राजद, भाकपा-माले, भाकपा, माकपा एवं जनाधिकार मंच के कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे।इस दौरान जहां राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे, वहीं संयुक्त संगठनों द्वारा सौंपे जाने वाले ज्ञापन में चुनाव आयोग से विगत चुनावों एवं वर्तमान गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के आरोपों का जवाब देने के लिए दबाव बनाया जाएगा।

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत नाजुक:अब भी लाइफ सपोर्ट पर

रांची(ईएमएस)।झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की हालत में सुधार नहीं है। उनकी स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। उनको लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। यह जानकारी रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के एक नेता ने दी। उन्होंने बताया कि रविवार की शाम को डॉक्टरों की एक टीम की ओर से मंत्री रामदास सोरेन का एपनिया टेस्ट किए जाने की संभावना है।एपनिया जांच ब्रेन डेथ (बीडी) का निर्धारण करने के लिए एक अनिवार्य परीक्षण है। इस जांच से पता चलता है कि मस्तिष्क तंत्र काम कर रहा है या नहीं।झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने कहा कि रामदास सोरेन की हालत में कोई बदलाव नहीं आया है। उनकी हालत अब भी नाजुक है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है।झामुमो प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने बताया कि डॉक्टरों की एक टीम की ओर से रामदास सोरेन का एपनिया टेस्ट किए जाने की संभावना है। वरिष्ठ विशेषज्ञों की एक मल्टी डिस्पिनरी टीम उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। यह टीम रामदास सोरेन को गहन चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रही है।बता दें कि 62 वर्षीय झामुमो नेता रामदास सोरेन को 2 अगस्त को ब्रेन हेमरेज हो गया था। वह अपने आवास के बाथरूम में गिर गए थे। इसके बाद उनको जमशेदपुर से दिल्ली के अस्पताल में एयरलिफ्ट किया गया था। इसके बाद से उनका दिल्ली में ही इलाज चल रहा है। हालांकि हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में आग लगने से मची अफरा तफरी,दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।जमशेदपुर के जुगसलाई थाना अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित गौरव इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग लगने की वजह से पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जहां टाटा स्टील और अग्निशमन विभाग की चार वाहनों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।सुबह के वक्त गौरव इलेक्ट्रॉनिक के प्रोपराइटर अंकित राज दुकान खोलने के लिए आए। जैसे ही उन्होंने दुकान खोला, तो पाया की दुकान के अंदर पिछले हिस्से में आग लग गई है। आनन फानन में उन्होंने स्थानीय थाने और अग्निशमन विभाग को घटना के संबंध में सूचना दी। जहां अग्निशमन विभाग और टाटा स्टील की चार गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इधर इस घटना से पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। दुकान से सटे अन्य दुकानों को स्थानीय लोगों की मदद से खाली करवाया गया, ताकि आग की लपटें अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ना ले ले। इस घटना में दुकान में रखे सारे सामान जलकर खाक हो गए।इस पूरे घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।घटना के संबंध में जानकारी देते हुए दुकान के प्रोपराइटर संजय कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। जिसमें उनके दुकान का सारा सामान जलकर खाक हो गया है।

यमुना खतरे के निशान के करीब

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में तेज बारिश के कारण 300 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं। जैतपुर इलाके में मोहन बाबा मंदिर के पास एक 100 फुट लंबी दीवार गिरी, मलबे से 8 लोगों दब गए थे। इलाज के दौरान 7 की मौत हुई। रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205 मी. से नीचे है। मध्य प्रदेश में भोपाल समेत आधे से ज्यादा राज्य में 24 साल में पहली बार है कि अगस्त महीने के पहले 9 दिन बिना बारिश के बीते। यहां 1 मिमी भी बारिश नहीं हुई। 14 अगस्त से मौसम बदलने के आसार हैं, क्योंकि 13 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जो एक बड़े मानसूनी सिस्टम में बदल सकता है।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में भारत

कुछ अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर लगेगा 50 प्रतिशत तक टैरिफ

मुंबई(ईएमएस)। अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में कहा था कि अमेरिका के कदम को नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर छिपाया गया है, जबकि असल में ये डब्ल्यूटीओ के नियमों के उलट सेफगार्ड ड्यूटी हैं। अमेरिका ने इस मामले में बातचीत से मना कर दिया। इसके बाद भारत ने अब डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत पलटवार की कानूनी तैयारी कर ली है। ट्रम्प ने भारत के साथ बातचीत बहाल करने की संभावना को खत्म कर दिया।

प्रधानमंत्री ने तीन नई वंदे भारत, मेट्रो समेत कई विकास परियोजनाओं का किया शुभारम्भ व शिलान्यास

बेंगलुरु (ईएमएस)। प्रधानमंत्री ने तीन नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर का शुभारम्भ भारत, येलो लाईन मेट्रो समेत कई विकास परियोजनाओं का शुभारम्म व शिलान्यास किया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु से बेलगावी के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को स्वंय हरी झंडी रवाना किया।जबकि श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अमृतसर और अजनी (नागपुर) से पुणे के लिए जाने वाली वंदे भारत सेवाओं की शुरुआत डिजिटल माध्यम से की। इस खास मौके पर मोदी के साथ कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत मुख्यमंत्री सिद्धरमैया,केंद्रीय रेल मंत्रीअश्विनी वैष्णव सहित अन्य लोग गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित थे। आपको को बता दें प्रधानमंत्री मोदी जब अपने काफिले के साथ केसी आर रेलवे स्टेशन की ओर बढ़े,तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने ''मोदी, मोदी'' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया।मोदी ने भी अपनी कार के अंदर ने उनका हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

इन तीन वंदे भारत सेवाओं के बारे में ई डी आई पी दिलीप कुमार रेलवे ने कहा कि यह नई वंदे भारत ट्रेनें लोगों के बीच कनेक्टिविटी को और भी ज्यादा मजबूत करेंगी और यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी।गौरतलब रहे कि बेंगलुरु से बेलगावी तक चलने वाली यह वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक में संचालित होने वाली 11वी वंदे भारत ट्रेन है। उनके मुताबिक इसके शुरू होने के बाद 611 किलोमीटर की दूरी मात्र 8.5 घंटे में तय की जा सकेगी। यह इन दोनों शहरों के बीच सबसे तेज गति की ट्रेन है,जिससे मौजूदा ट्रेन सेवाओं की तुलना में केएसआर(क्रांतिवीर संगोल्लि रायाण्ण) बेंगलुरु से बेलगावी तक लगभग एक घंटे 20 मिनट और बेलगावी-केएसआर बेंगलुरु तक एक घंटे 40 मिनट की बचत होगी।

उन्होंने कहा कि यह ट्रेन भारत के 'सिलिकॉन सिटी' बेंगलुरु को प्रमुख मेडीकल और इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट के केंद्र बेलगावी से जोड़ती है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।यह मार्ग कर्नाटक के समृद्ध गन्ना क्षेत्र और धारवाड़, हुबली,हावेरी,दावणगेरे एवं तुमकुरु जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है।धारवाड़ अपने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध है,वहीं हुबली एक बेहतर इंडस्ट्रीयल क्षेत्र है,जबकि हावेरी एक उभरता हुआ कृषि केंद्र है और दावणगेरे कपड़ा एवं कृषि के लिए प्रसिद्ध है तथा तुमकुरु एक बढ़ता हुआ औद्योगिक एवं शैक्षिक केंद्र है।

नरेंद्र मोदी बेंगलुरु मेट्रो रेल की बहुप्रतीक्षित 'येलो लाइन' का भी उद्घाटन किया।इससे बेंगलुरु के आईटी केंद्र को जोड़ने वाले कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। पीएम ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो में मुख्यमंत्री,उपमुख्यमंत्री समेत तमाम नेताओं के साथ सवारी भी की और यात्रा के दौरान छात्रों से बातचीत की।अधिकारियों ने बताया कि लगभग 7,160 करोड़ रुपये की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो की द्वितीय चरण की परियोजना के तहत आरवी रोड से बोम्मासंद्रा तक 19 किलो मीटर से अधिक लंबे मार्ग में 16 स्टेशन हैं।'येलो लाइन' के शुरू होने से बेंगलुरु में मेट्रो रेल का परिचालन नेटवर्क 96 किलोमीटर से अधिक हो जाएगा,जो क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि होगी। आप को बता दें स्वंय मोदी नेअपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 9 अगस्त दिन शनिवार को लिखा था, ,10 अगस्त को बेंगलुरु के लोगों के बीच आने का इंतज़ार रहेगा। प्रधानमंत्री शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

जीएसटी घोटाला : मास्टर माइंड ने शेल कंपनियां बनाकर 8-20 हजार में दूसरों को भी बेची

रांची : 750 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले के मास्टर माइंड के रूप में चिह्नित शिव कुमार देवड़ा ने सिर्फ अपने लिए ही शेल कंपनियां नहीं बनायी. उसने शेल कंपनियां बनाकर दूसरे लोगों को भी बेचा. इसके बाद इन कंपनियों को खरीदने वालों को भी जीएसटी घोटाले में शामिल कर लिया. देवड़ा ने शेल कंपनियों के निदेशकों से जीएसटी के अधिकारियों के खिलाफ शिकायती पत्र लिखवाये.

ईडी की जांच में पाया गया कि शिव कुमार देवड़ा ने 25 फर्जी शेल कंपनियां बनाकर दूसरे लोगों को बेची. इन शेल कंपनियों को खरीदने वालों से उसने 8000 रुपये से लेकर 20 हजार रुपये तक वसूले. देवड़ा ने शेल कंपनियों को दूसरों से बेचा, उसमें एक्रम फाइनेंशियल एडवाइजर प्राइवेट लिमिटेड, चेलबी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इम्पटम विनियम प्राइवेट लिमिटेड, वेंडिरी वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं. इसके बाद इन कंपनियों को भी जीएसटी घोटाले में शामिल किया. जांच के दौरान इस बात की भी जानकारी मिली के देवड़ा घोटाले से जुड़े सबूतों को भी मिटाने की कोशिश करता रहता था. इसी के तहत व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय सीमा पर बंद किया जाता रहा, ताकि किसी तरह की जांच से बचा जा सके. सरकारी अधिकारी रिटर्न नहीं दाखिल करने की वजह से या तो जीएसटी का रजिस्ट्रेशन स्थगित कर दें या रद्द कर दें. जांच में इस बात की भी जानकारी मिली कि गड़बड़ी की जांच करने वाले अधिकारियों के खिलाफ शिवकुमार देवड़ा ने शिकायती पत्र लिखवाये. घोटाले से जुड़ी कंपनियों के निदेशकों द्वारा देवड़ा के निर्देश पर शिकायती पत्रों में गंभीर आरोप लगाये जाते थे. इससे परेशान होकर अधिकारी जांच से दूर भागते थे. शिवकुमार देवड़ा ने अमित गुप्ता को भी कुछ कंपनियां बेची थी. इसके बाद अमित गुप्ता ने भी फर्जी जीएसटी बिल बनाने का काम शुरू कर दिया.

दो बार वोट डालने वाले दावे के दस्तावेज पेश करें, मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी से मांगे सबूत

बंगलूरू : कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से उन दस्तावेजों और सबूतों की मांग की है, जिनके आधार पर उन्होंने दावा किया था कि एक महिला ने दो बार वोट डाला। यह मामला राजनीतिक और चुनावी नियमों के लिहाज से गंभीर माना जा रहा है। चुनाव आयोग का कहना है कि ऐसे आरोपों की पुष्टि के लिए ठोस प्रमाण जरूरी हैं।

राज्य के शीर्ष निर्वाचन अधिकारी ने गांधी को बताया कि ये दस्तावेज उनके कार्यालय को विस्तृत जांच करने में मदद करेंगे। गांधी ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये दस्तावेज दिखाए थे। आयोग ने कहा कि आपने यह भी बताया था कि मतदान अधिकारी द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, श्रीमती शकुन रानी ने दो बार मतदान किया था। जांच करने पर, श्रीमती शकुन रानी ने कहा है कि उन्होंने केवल एक बार मतदान किया है, दो बार नहीं, जैसा कि आपने आरोप लगाया है।

पत्र में कहा गया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि कांग्रेस नेता द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुति में दिखाया गया सही का निशान वाला दस्तावेज मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था। नोटिस में कहा गया कि आपसे अनुरोध है कि आप वे प्रासंगिक दस्तावेज उपलब्ध कराएं जिनके आधार पर आपने यह निष्कर्ष निकाला है कि श्रीमती शकुन रानी या किसी और ने दो बार मतदान किया है, ताकि इस कार्यालय द्वारा विस्तृत जांच की जा सके।

बीजेपी ऑफिस के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, तीन की मौत

रांची : हरमू रोड पर स्थित बीजेपी कार्यालय के सामने एक तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि अन्य घायल हो गए. मृतकों में एक महिला,एक युवती और एक बच्चा शामिल है. यह घटना रविवार की शाम करीब छह बजे की बताई जा रही है.

इस घटना में गंभीर रूप से घायल युवक का नाम एक नवाजिश अली है. उसकी उम्र 27 साल है. नवाजिश लोहरदगा का निवासी है और रांची अपने एक रिश्तेदार के घर घूमने आया था. नवाजिश के पैर और सिर में गंभीर चोट है. कंधा और चेहरे पर भी चोट लगी है. नवाजिश को रांची के हिनू स्थित सृष्टि हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. हड्डी रोग विशेषज्ञ सुधाकर देव की देखरेख में नवाजिश का इलाज जारी है और कल उसका ऑपरेशन किया जाना है.राँची रेस्तरां गाइड

कार ने बाइक को रौंदा, दो ने मौके पर दम तोड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को बुरी तरह रौंद डाला, जिससे उस पर सवार दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. जबकि एक की इलाज के दौरान मौत हो गई. दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग गुस्सा गए और कार चालक को पकड़कर पीटा. घटना की सूचना मिलने के बाद अरगोड़ा थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की.

लोगों को समझाने का प्रयास कर रही पुलिस

इस हादसे के कारण हरमू रोड पर भारी जाम लग गया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया. पुलिस फिलहाल लोगों को शांत कराने और सड़क से जाम हटाने का प्रयास कर रही है.

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए साझा उम्मीदवार उतारेगा इंडिया गठबंधन

साथी दलों से संपर्क करने में जुटे खरगे

नई दिल्ली(ईएमएस)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन का साझा उम्मीदवार उतारने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का नाम तलाशने और आम सहमति बनाने के लिए गठबंधन के सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया का मानना है कि वे चुनाव में अपने दमदार प्रदर्शन के जरिये सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव नौ सितंबर को होना है। चुनाव को लेकर सत्ताधारी एनडीए गठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया ने भी उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है। संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श के लिए इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के बीच बातचीत चल रही है। जबकि खरगे आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टियों के बीच आम सहमति है कि इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करेगा। विपक्षी खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही इंडिया गठबंधन को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए।

भारत की समुद्र में बढ़ेगी ताकत, 26 अगस्त को नौसेना में शामिल होंगे युद्धपोत उदयगिरि और हिमगिरि

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना के बेड़े में 26 अगस्त को एक साथ दो बेहद आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट्स (रडार को चकमा देने वाले युद्धपोत) उदयगिरि (एफ35) और हिमगिरि (एफ34) शामिल होंगे। यह पहली बार होगा। जब देश के दो बड़े शिपयार्ड में बने इस तरह के युद्धपोत एक साथ नौसेना में शामिल किए जाएंगे।

बता दें कि उदयगिरि को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया गया है, जबकि हिमगिरि को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने तैयार किया है। खास बात यह है कि उदयगिरि नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो का 100वां डिजाइन किया गया जहाज है। करीब 6700 टन वजनी ये जहाज शिवालिक क्लास से बड़े और ज्यादा उन्नत हैं।

इनका डिजाइन ऐसा है कि ये रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इनमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन दोनों लगे हैं, आधुनिक मिसाइलें, तोप और पनडुब्बी रोधी हथियार भी हैं। दोनों भारतीय नौसेना के नेक्स्ट-जनरेशन स्टील्थ वॉरशिप हैं, जो प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए गए हैं। इन युद्धपोत के निर्माण में 200 से ज्यादा भारतीय कंपनियों ने हिस्सा लिया, जिससे 4,000 से ज्यादा लोगों को सीधी और 10,000 से ज्यादा को अप्रत्यक्ष नौकरियां मिलीं।

'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' का जलावतरण जहाज डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नौसेना इसके बाद अन्य स्वदेशी पोतों जैसे विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि, पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर, एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्नाला और डाइविंग सपोर्ट वेसल आईएनएस निस्तार का जलावतरण 2025 में करेगी।

हिंद महासागर में मजबूत होगी भारत की पकड़

नौसेना के मुताबिक यह युद्धपोत भारत की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की ताकत दिखाने का मौका है, इन जहाजों के शामिल होने से हिंद महासागर में भारत की पकड़ और मजबूत होगी। इन दोनों युद्धपोत के आने से भारत न सिर्फ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की निगरानी कर सकेगा, बल्कि मलक्का जलडमरूमध्य तक चीनी जहाजों की हर हलचल पर नजर रख पाएगा। यह हिंद महासागर में चीन और पाकिस्तान को सीधा संदेश भी है। चीन हाल के वर्षों में हिंद महासागर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है, खासकर श्रीलंका, मालदीव और अफ्रीकी तटों पर बंदरगाहों के जरिये। वहीं पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट पर चीन की नौसैनिक गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं।

एक बार ईंधन भरने के बाद 10 हजार किमी से ज्यादा जा सकता है

ये पोत हेलिकॉप्टर ऑपरेशन के लिए सी किंग हेलिकॉप्टर ले जा सकते हैं, जो पनडुब्बी और सतही जहाजों को खोजने-मारने में सक्षम हैं।

इन पोत पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल से लैस होंगे। जो समुद्र और जमीन दोनों लक्ष्यों पर 290+ किमी की दूरी से हमला करने में सक्षम हैं।

अंतिम चरण में आने वाली मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराने की क्षमता, सोनार सिस्टम से लैस हैं, गहरे पानी में पनडुब्बी का पता लगाने में सक्षम।

संक्षिप्त खबरें

एचईसी की यूनियनों की प्रबंधन से वार्ता सोमवार को

रांची(ईएमएस)। एचईसी की सभी आठ यूनियन और प्रबंधन के बीच सोमवार को वार्ता होगी। इसमें एचईसी के उत्थान और कर्मचारियों के हित में प्रबंधन जो निर्णय लेगा, उसका समर्थन किया जाएगा। इस मुद्दे पर रविवार को सभी यूनियनों की बैठक हुई। बैठक में विकास तिवारी, प्रकाश कुमार, विमल महली, हरेंद्र प्रसाद, शनि सिंह, एसजे मुखर्जी, गिरिश चौहान, आरके शाही, संजय सिन्हा, रामलाल, महेंद्र कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

चलती ट्रेन में यात्री का मोबाइल छीनकर भाग रहे दो उचक्के गिरफ्तार

रांची(ईएमएस)।टांगरबसली स्टेशन में चलती ट्रेन से मोबाइल छीनकर भाग रहे दो उचक्कों को ग्रामीणों ने पकड़कर पीटने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। घटना रविवार की सुबह लगभग 10 बजे की है। पकड़े गए उचक्के हुसैन मलिक और शेख गुलशाद बेड़ो थाना क्षेत्र के चचकोपी के निवासी बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि रांची के निवासी रवि साहू रविवार को रांची-लोहरदगा ट्रेन से अपनी ससुराल अकासी जा रहे थे। इसी दौरान टांगरबसली स्टेशन में ट्रेन रुकी तो वे उतरकर कुछ सामान लेने लगे। थोड़ी देर बाद बाद जैसे ही ट्रेन खुलने लगी तो वे ट्रेन में चढ़ गए।इसी बीच किसी का फोन आने पर जैसे ही वे अपना मोबाइल निकाले, ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े दो युवकों ने झपट्टा मार कर उनका मोबाइल छीन लिया और उसे लेकर भागने लगे। इसके बाद रवि ने हिम्मत दिखाते हुए चलती ट्रेन से छलांग लगा दी और हल्ला करते हुए दोनों उचक्कों को दौड़ाने लगे। रवि के शोर मचाने पर भाग रहे दोनों उचक्कों को धर दबोचा और पिटाई कर मांडर पुलिस को सौंप दिया। मांडर पुलिस ने दोनों उचक्कों को जीआरपी थाने को सौंप दिया।

पेमेंट भुगतान नहीं होने पर मुंशियों ने ट्रांसपोर्टिंग कार्य रोका

रांची(ईएमएस)। सीसीएल की झारखंड उत्खनन परियोजना में निजी ट्रांसपोर्टर केएमजीए इंटरनेशन में काम कर रहे पांच मुशियों ने पेमेंट भुगतान नहीं होने पर कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य को रोक दिया है। इस संबंध में ट्रांसपोर्टर के यहां काम कर रहे बालेश्वर महतो, जेपी सिंह, रोहनलाल महतो, ध्रुव सिंह और सुमन सिंह ने बताया कि दो माह से हमलोग कंपनी में काम कर रहे हैं। कंपनी को प्रत्येक दिन 600 टन और महिने का 18 हजार एमटी कोयला झारखंड उत्खनन परियोजना से केदला वाशरी ट्रांसपोर्टिंग करना है। कंपनी हम लोगों को लिखित रुप से काम करने आदेश दिया है। लेकिन दो माह बीतने के बाद भी हम लोगों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।इसलिए कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य को रोक दिया गया है। वहीं इस संबंध में कंपनी के प्रोपराइटर शेखर कुमार यादव ने कहा कि 24 घंटा में तीन शिफ्ट काम होता है। तीन शिफ्ट में तीन लोग का ही जरुरत है। यहां पर पांच लोग काम कर रहे हैं। पांचो 12-12 हजार रुपए पेमेंट भुगतान करने को कह रहे हैं जो संभव नहीं है। मैं महिने का 35 हजार देने को तैयार हूं। इनको जितने लोगों में बांटना है बांट सकते हैं।

सोमवार को लगने वाला जनता दरबार स्थगित,नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी

रांची(ईएमएस)। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा सोमवार को आयोजित किए जाने वाला जनता दरबार स्थगित कर दिया गया है।जनता दरबार समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित होना था, जो स्थगित कर दिया गया है।जनता दरबार की अगली तिथि की जानकारी जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र साझा की जाएगी।रांची वासी अपनी शिकायत या सुझाव जिला प्रशासन के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर "अबुआ साथी" 9430328080 पर भेज सकते हैं।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

रांची : रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा आज कांग्रेस भवन,रांची में झारखंड के महान नेता, पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कार्यक्रम रांची जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

सर्वप्रथम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं ने एक साथ मिलकर सामूहिक रूप से प्रार्थना कर श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा में इतिहासकार डॉ. इलियास मजीद ने गुरुजी की जीवनी पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने शिबू सोरेन जी के व्यक्तित्व, उनके संघर्षों और झारखंड राज्य के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने उन्हें एक दूरदर्शी नेता, गरीबों और आदिवासियों के मसीहा और झारखंड के सच्चे जननायक के रूप में याद किया।इस श्रद्धांजलि समारोह में मुख्य रूप से शहजादा अनवर, जिला पर्यवेक्षक, राजीव रंजन प्रसाद, अध्यक्ष गौ सेवा आयोग, ज्योति सिंह मथारू , उपाध्यक्ष राज्य अल्पसंख्यक आयोग, राजीव रंजन राजू, चंद्र रश्मि पिंगुआ, रमेश पांडे, शहीद अहमद, माधव कच्छप विनोद सिंह, अमरजीत सरदार, संतोष कुमार, शैलेन्द्र सिंह, सहाबीर लोहरा, नंद किशोर चंदेल, विजय टोप्पो, संजर खान, अख्तर अंसारी, हैदर अंसारी, रिज़वान अंसारी, अब्दुस सलाम, संजय सरैया, ख़रगेश चंद महतो एवं ग्रामीण कमिटी के अन्य नेता एबं कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में इलेक्ट्रॉनिक पर्दे पर राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग का वोट चोरी का खुलासा से संबंधित वीडियो प्रसारित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने कहा कि शिबू सोरेन जी का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास के लिए उनके देखे गए सपने को पूरा करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 50वां जन्मदिन, इस बार नहीं मनाया बर्थडे

रांची(ईएमएस)।झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का रविवार को 50वां जन्मदिन था। इस बार सीएम अपना जन्मदिन नहीं मनाया क्योंकि उनके पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन 4 अगस्त को हुआ था, और इन दिनों उनका श्राद्ध कर्म चल रहा है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गहरे शोक में हैं। हेमंत सोरेन का जीवन संघर्ष, राजनीतिक उतार-चढ़ाव और उपलब्धियों की मिसाल रहा है। उनका जन्म 10 अगस्त 1975 को रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में हुआ था। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हेमंत इंजीनियर बनने का सपना देखते थे। उन्होंने रांची के प्रतिष्ठित बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में प्रवेश भी लिया, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों और बदलती राजनीतिक परिस्थितियों ने उनका रास्ता बदल दिया। उन्होंने पढ़ाई छोड़कर संगठन को मजबूत करने का बीड़ा उठाया और बड़े भाई दुर्गा सोरेन के साथ सक्रिय राजनीति में उतर आए। 2005 में उन्होंने दुमका से अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और संगठनात्मक मजबूती के साथ कार्य करते रहे। 2009 में दुमका सीट से जीत दर्ज की और 2010 में राज्य के उपमुख्यमंत्री बने। 13 जुलाई 2013 को उन्होंने पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह सरकार झामुमो, कांग्रेस और राजद के समर्थन से बनी थी और उनका कार्यकाल 23 दिसंबर 2014 तक चला। 2014 में वे दुमका और बरहेट दोनों सीटों से चुनाव लड़े दुमका में हार मिले, लेकिन बरहेट से विजयी हुए।

इसके बाद वे विपक्ष के नेता के रूप में पांच वर्षों तक सक्रिय राजनीति में डटे रहे। 2009 में बड़े भाई दुर्गा सोरेन के निधन और पिता शिबू सोरेन की बढ़ती उम्र के साथ हेमंत सोरेन पर झामुमो की पूरी जिम्मेदारी आ गई। उन्होंने इसे पूरी निष्ठा और दृढ़ता से निभाया। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य में कई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं और झारखंड की जनता के मुद्दों पर मुखर होकर काम किया। आज जब वे 50 वर्ष के हो गए हैं, उनका जन्मदिन ऐसे समय आया है जब वे अपने पिता के निधन के शोक में हैं।

एक पुत्र के रूप में वे अपने पिता की राजनीतिक और सामाजिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और राज्य की सेवा में निरंतर लगे हुए हैं।

बाल विवाह रोकने को लेकर जागरूकता अभियान चलाया

रामगढ़(ईएमएस)।गिद्दी थाना परिसर में रविवार को बाल विवाह रोकने को लेकर जागरुकता अभियान चलाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग की ओर से यह जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें गिद्दी थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के डाडी प्रखंड के पैरालीगल वॉलंटियर रामचन्द्र राम, शशी कुमार, कपिल राम ने इस संबंध में जानकारी दिया। थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि बाल विवाह आधुनिक समाज के लिए एक अभिशाप है। इसलिए इसकी रोकथाम के लिए समाज में व्यापक जन-जागरूकता की आवश्यकता है। इसमें सबों की सहभागिता की आवश्यकता है। इस अवसर पर गिद्दी थाना के एएसआई चंदन सिंह, मुकेश कुमार, पुलिस जवान, चौकीदार शामिल हुए।

देशप्रिय क्लब में वर्षा मंगल कार्यक्रम आयोजित

रांची(ईएमएस)। देशप्रिय क्लब एंड लाईब्रेरी में रविवार को वर्षा मंगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऋतुरानी वर्षा पर केंद्रित यह कार्यक्रम उद्बोधन गीत के साथ शुरू हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत-नृत्य) का निर्देशन सुदेश चौधरी ने किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ कमल बोस ने वर्षा पर केंद्रित स्वरचित कविता का पाठ किया। सचिव प्रणव चौधरी ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। अल्पना बोस, अंजली चौधरी, डॉ रीता सेनगुप्त, बुलबुल सरकार, सुपर्णा चटर्जी, शिवानी, शकुंतला मुखर्जी, झरना चक्रवर्ती ने वर्षा पर केंद्रित काव्य पाठ किया। देवाशीष, अशोक विश्वास, सुदेश चौधरी, नंदा घोष, पारोमिता मुखर्जी, नीता भट्टाचार्य, अभिजीत व अन्य कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किया।

लातेहार में सड़क दुर्घटना में मां-बेटी की मौत, दो भाई गंभीर

लातेहार(ईएमएस)। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमझरिया घाटी में रविवार को एक हृदय विदारक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार सड़क पर बने गड्ढे के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कार में सवार मां और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना रक्षाबंधन के बाद परिवार के घर लौटते समय हुई.मृतकों की पहचान आशा देवी (60) और उनकी बेटी शिखा कुमारी (23) के रूप में हुई है। जबकि घायल बेटों के नाम आशीष कुमार और प्रेम कुमार हैं। यह परिवार बोकारो सेक्टर 8 का निवासी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पूरा परिवार रक्षाबंधन मनाने के

लिए अपने एक रिश्तेदार के घर पलामू गया था और रविवार को वापस अपने घर बोकारो लौट रहा था।चंदवा थाना क्षेत्र के अमझरिया घाटी के पास नेशनल हाईवे 39 पर उनकी कार अचानक सड़क पर बने एक गहरे गड्ढे के कारण अनियंत्रित हो गई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी का पिछला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। दुर्घटना के बाद सभी लोग गाड़ी में ही फंस गए।हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और खुद भी बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने गाड़ी का दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुँचाया। हालांकि, चिकित्सकों ने जाँच के बाद मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दोनों भाइयों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है। पुलिस इंस्पेक्टर रणधीर कुमार ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लें महिला समूह : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)।मांडर प्रखंड में आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की तृतीय वार्षिक आमसभा रविवार को आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि पशुपालन और सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की उपस्थित हुईं। उन्होंने तीन सखी मंडल के सदस्यों को मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के लाभुकों को मंत्री ने ट्रैक्टर बांटा। इससे पहले सभा में पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और भविष्य में होनेवाली कार्य योजना के बारे में चर्चा की गई। सभा में वित्तीय वर्ष की कार्य योजना और आगामी वर्ष के लक्ष्यों पर विमर्श किया गया और समिति के सदस्यों ने अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए।कार्यक्रम को मंत्री ने कहा कि आप सभी समूह बहनों के लिए मैं हमेशा तत्पर हूं और हमारे विभाग से संबंधित सभी योजना जैसे बकरी पालन, मुर्गी पालन, बत्तख पालन, गाय पालन, सूकर पालन, मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना, सौर ऊर्जा संचालित मोटर पंप आदि के बारे में आप लोग प्रखंड स्तर पर अधिक से अधिक आवेदन जमा कीजिए और इसका लाभ उठाएं।

दिशोम गुरु और रमजान कुरैशी को दी श्रद्धांजलि

रांची(ईएमएस)। जनवादी लेखक संघ (जलेस), रांची की रविवार को हुई ऑनलाइन बैठक में दिशोम गुरु शिबू सोरेन व रमजान कुरैशी को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता डॉ किरण और संचालन सचिव एम जेड खान ने किया।

वक्ताओं ने कहा कि दिशोम गुरु ने अपने संघर्ष से आदिवासी अस्मिता और संस्कृति को विशिष्ट पहचान दिलाई, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। जलेस के सक्रिय सदस्य रमजान कुरैशी के आकस्मिक निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। बताया गया कि जलेस का ऑल इंडिया कन्वेंशन 19-21 सितम्बर को बांदा में होगा, इसमें रांची से 10 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

बैठक में सदस्यता नवीकरण, मासिक साहित्यिक गोष्ठी, नए लेखकों को मंच प्रदान करने और सदस्यता अभियान तेज करने पर सहमति बनी।उपस्थित सदस्यों में डॉ अशरफ अली, फिरदौस जहां, यास्मीन लाल, सुकेशी कर्मकार, अविनाश, रीता सोरेंग, सैयद उजैर अहमद, डॉ नजमा नाहिद, रवि कुमार सहित कई लोग शामिल थे।

बंगाली युवा मंच का मेडिकल कैंप हुआ संपन्न

रांचीःबंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा देशप्रिय क्लब एंड लाइब्रेरी परिसर में मेडिकल कैंप का आयोजन भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल के द्वारा लगाया गया , कार्यक्रम की शुरू में ढिशुम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन के फोटो पर माल्यार्पण कर मंच के सभी सदस्यों के साथ शिविर में आए सभी लोगों ने उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया, शिविर में करीब 70 लोगों ने ब्लड शुगर, हाई ब्लड प्रेशर , बॉडी चेक अप , इ सी जी का जांच कराया , डॉक्टर शंकर नाथ द्वारा शिविर में आए लोगों को मेडिकल सलाह दी गई । मेडिकल टीम में आए हुए डॉक्टर शंकर नाथ का स्वागत मंच के संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य ने किया, शिविर में मंच के अध्यक्ष सिद्धार्थ घोष

के साथ मंच के सभी सदस्य उपस्थित रहे और देशप्रिय क्लब के अध्यक्ष डॉ कमल बोस क्लब के सचिव प्रणब चौधरी की विशेष उपस्थिति रही।

जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी को लेकर यादव महासभा ने की बैठक

लातेहार(ईएमएस)।जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी को लेकर गारू प्रखंड के बारेसांढ़ स्थित यादव मोड़ में यादव महासभा की ओर से सामाजिक बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता गारू यादव महासभा अध्यक्ष रामदास यादव ने की तथा संचालन पर्यवेक्षक वृन्द बिहारी यादव ने किया। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया और महोत्सव को भव्य एवं सफल बनाने हेतु विस्तृत रूपरेखा तैयार की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का मूल आधार है, इसलिए बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए सभी को प्रयासरत रहना चाहिए। साथ ही, समाज में फैली कुरीतियों, विशेषकर दहेज प्रथा, को समाप्त करने के लिए जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया।उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि दहेज जैसी बुराई के खिलाफ संगठित अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जन्माष्टमी महोत्सव में भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं धार्मिक प्रवचन का आयोजन होगा। बैठक में तुलसीदास यादव, सुरेश यादव, धनेश्वर यादव, सुरेन्द्र यादव, शिवनारायण यादव, अखिलेश यादव, दिलेश्वर यादव, पारस यादव, कमलेश यादव, गणेश यादव, नन्दलाल यादव, संजय यादव, रंजन यादव, अशोक यादव, कौशल यादव, विमल यादव, रामदयाल यादव, अरुण यादव सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

रांची के हिंदपीढ़ी में युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

रांची(ईएमएस)।राजधानी रांची शहर के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में स्थित भट्टी चौक के पास साहिल उर्फ कुरकुरे की हत्या गोली मारकर कर दी गई। यह घटना रविवार दोपहर की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक साहिल कुछ महीने पहले ही जेल से बाहर आया था। साहिल की मां ने पुलिस को बताया है कि अरमान नाम के एक युवक ने उसकी हत्या गोली मारकर कर दी है।उस पर पूर्व पार्षद असलम के भाई आसिफ पर गोली मारने का भी आरोप है। साहिल की मां का कहना है कि जेल से बाहर आने के बाद से आसिफ लगातार साहिल को धमकी दे रहा था।हत्या की वारदात के बाद हिंदपीढ़ी इलाके में तनाव का माहौल है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय और हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं। पुलिस ने साहिल के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है।जानकारी के मुताबिक, साहिल आर्म्स एक्ट के तहत जेल गया था और कुछ महीने पहले ही जेल से बाहर निकला था।जेल में रहने के दौरान साहिल और असलम के बीच किसी बात

को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें साहिल ने असलम और उसके भाई आसिफ के साथ मारपीट भी की थी। इसी विवाद के बाद से आसिफ, जो हाल ही में जेल से बाहर आया था, साहिल को लगातार धमकी दे रहा था। रविवार दोपहर को अरमान नाम के एक युवक ने साहिल को भट्टी चौक पर बुलाया और गोली मारकर फरार हो गया।

जामताड़ा में स्थापित की जायेगी गुरूजी की आदमकद प्रतिमा,स्टैच्यू ऑफ स्ट्रगल' नाम दिया जाएगा

जामताड़ा (ईएमएस)। दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की यादों को चिरस्थायी बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जामताड़ा के चिरुडीह में उनकी एक आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसे 'स्टैच्यू ऑफ स्ट्रगल' नाम दिया जाएगा। इस बात की जानकारी रविवार को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पत्रकारों से बातचीत में दी।

चान्हो में सड़क हादसाः दो युवक गंभीर रूप से घायल

रांची(ईएमएस)।रांची जिले के चान्हो थाना क्षेत्र के एनएच 39 ओपा के समीप रविवार की शाम पांच बजे हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से चान्हो की ओर जा रहे थे, तभी उक्त स्थान पर अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गए।घायलों की पहचान सोंस बाजोटोली निवासी आनंद लोहरा और संदीप लोहरा के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों युवकों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चान्हो भेजा गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया है। हादसे एक आम समस्या है। हाल ही में चान्हो के चटवल मोड़ पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई थी। इस घटना ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

दुमका में हाइड्रोसील से ग्रसित मरीजों की संख्या 1356 : सिविल सर्जन

दुमकाः फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम के तहत एम डी ए-आई डी ए कार्यक्रम का शुभ उदघाटन उपायुक्त के निर्देशानुसार दुमका जिला के सिविल सर्जन डॉ कमलेश्वर प्रसाद के द्वारा रसिकपुर में जनसमुदाय के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। जहां मंच पर मंचाधीन उपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मंटू टेकरीवाल, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ मो जावेद उपस्थित थे। सिविल सर्जन के द्वारा फाइलेरिया बीमारी ओर इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।फाइलेरिया यानी हाथीपांव एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है यह दुनिया में विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है यह बीमारी मादा संक्रमित क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलती है इसके परजीवी बिना किसी लक्षण के भी आपके शरीर में लंबे समय तक रह सकते हैं और संक्रमित व्यक्ति स्वस्थ दिखते हुए भी इस रोग को दूसरे लोगों तक फैला सकते हैं इस बीमारी का इलाज तो नहीं लेकिन बचाव संभव है साल में एक बार एमडीए-आईडीए अभियान के दौरान फाइलेरिया से बचाव की दवा खाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है हमारे जिले में 10 से 25 अगस्त 2025 तक एमडीए-आईडीए अभियान चलाया जाएगा। सिविल सर्जन के द्वारा दुमका जिलावासियों से अनुरोध किया गया कि अभियान के दौरान फाइलेरिया से बचाव की दवा खाएं एवं अपने परिवार के सभी लोगों को दवा खिलाना सुनिश्चित करें याद रहे कि यह दवा 2 वर्ष से छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार लोगों को छोड़कर बाकी सभी को यह दवा खानी है स्वास्थ्य कार्यकर्ता के द्वारा 10 अगस्त को बूथ पर एवं 11 अगस्त से 25 अगस्त तक घर-घर जाकर यह दवा खिलाएगी। आप सभी उनके सामने ही यह दवा जरूर खाएं ।दुमका जिला में कुल लक्षित आबादी 16,83715 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए कुल 2833 दवा प्रशासकों का टीम बनाया गया है जो 2900 जगहों पर 10 अगस्त को बूथ लगाकर लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कराएंगे एवं शेष छूटे हुए लोगों को 11 अगस्त से 25 अगस्त के बीच स्वास्थ्य कर्मी द्वारा घर घर जाकर यह दवा का सेवन अपने सामने कराएंगे।जिसके लिए 373 सुपरवाइजर इस फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम का सुपरविजन करेंगे एवं उनके माध्यम से प्रत्येक दिन शाम में रिपोर्ट कलेक्ट कर प्रखंड/जिला भेजा जाएगा। यह कार्यक्रम दुमका जिला के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर कुल 2706 गांव में दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है।जिला में कुल अभी तक फाइलेरिया यानी लिंफोडीमा के मरीज 5378 एवं हाइड्रोसील से ग्रसित मरीजों की संख्या 1356 है, जिसमें से 893 हाइड्रोसील से ग्रसित मरीजों का सर्जरी कराकर ठीक किया जा चुका है। ये सारी जानकारी सिविल सर्जन के द्वारा दिया गया। साथ ही जिला से जिला भीबीडी कंसल्टेंट, मलेरिया इंस्पेक्टर, पिरामल फाउंडेशन से संजय, मनोज, इंद्रदेव एवं अर्बन से सुदामा, जिला मलेरिया कार्यलय से ऋषि, प्रदीप, सुमित, संजय, संजीव, दुबे आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को झामुमो कार्यकर्ताओं ने नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

दुमकाःमसलिया प्रखंड के खुटोजोरी पंचायत स्थित मुर्गीमोड़ चौक में रविवार को झारखंड आंदोलन के प्रणेता,पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर कार्यक्रताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है.इस शोकसभा का आयोजन झामुमो ज़िला उपाध्यक्ष सह केंद्रीय समिति सदस्य मो क़ादिर रज़ा के नेतृत्व में हुआ. दिशोम गुरु शीबू सोरेन के दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई.इस अवसर पर पश्चिमी मसलिया के झारखंड मुक्ति मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमः आंखों से श्रद्धांजलि दी.मो कादिर रज़ा ने कहा दिशोम गुरु की स्मृतियां, उनके सिद्धांत और उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग, हम सबके लिए सदा प्रेरणास्रोत रहेंगे.मौके पर पूर्व मुखिया शफ़ात अली अंसारी, पूर्व मुखिया गिदानी मुर्मू, वर्तमान मुखिया सुनीता मुर्मू, ऐनुल अंसारी, रबींद्र नाथ सोरेन,अब्दुल मतीन, जमशेद अंसारी, चिराग़ अंसारी, आरिफ़ अंसारी, साहब अंसारी, हैदर अली, नईम अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, मसरुद्दीन अंसारी, मुबारक अंसारी, जनाल अंसारी, नरेश मुर्मू, फुरकान अंसारी, आज़म अंसारी, सिराज अंसारी, राजेश मंडल, नूर आलम, हाकिम अंसारी, शिवधन सोरेन, लुकमान अंसारी, अनवर अंसारी एवं अन्य सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

आदिवासी समाज आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित

दुमकाःकॉन्वेशन सेंटर स्थित कृषक छात्रवास में रविवार को आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सहकारी समिति द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए बाबूराम हांसदा प्रदेश अध्यक्ष राजद अजजा प्रकोष्ठ झारखंड ने कहा कि आदिवासी समाज आज भी मूलभूत सुविधाएं से दूर है एवं आर्थिक स्थिति सुधार के लिए झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याण योजना को लाभ लेने हेतु सहयोग करने के लिए कहा गया ताकि आर्थिक मजबूती ही समाज में खुशियां लाती हैं, मौके पर समिति केन्द्रीय कोषाध्यक्ष सरोजिनी हांसदा, दुमका जिला निर्देशक नीलम टुडू, पाकुड़ जिला निर्देशक फ्रांसिस हांसदा, हराधन मुर्मू, दुमका जिला अध्यक्ष लेमधेज मुर्मू, अनुपलाल मुर्मू, राकेश मरांडी, सुरेन्द्र किस्कू, कोमल टुडू, उतिथ मुर्मू, सिफानियाल टुडू, मटरू टुडू, निलमुनि मुर्मू,पनमुनी मुर्मू, बिना मुर्मू, रोजमेरी मुर्मू आदि मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर हुई बैठक

दुमकाःअंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) के अवसर पर रोटी बैंक दुमका के संस्थापक जतिन कुमार के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा को सफल बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।बैठक में तिरंगा यात्रा के रूट, 9 सुबह समय-सारणी और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बनाया जाएगा, जिससे युवाओं में देशभक्ति और एकता का संदेश पहुंचे।इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि 12 अगस्त की तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं के जोश, ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक होगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न टीमें बनाई गई हैं, जो व्यवस्था, सुरक्षा और प्रचार-प्रसार का कार्य संभालेंगी।रोटी बैंक दुमका अध्यक्ष डॉक्टर श्वेता स्वराज ने सभी युवाओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देशभक्ति के इस महापर्व को सफल बनाएं। इस बैठक में डॉ मनोज घोष, रमन वर्मा,राधेश्याम वर्मा,सोनी,नवीन चंद्र ठाकुर,अमित झा,जय बम बम,सौरभ खा ,अभिषेक रंजन,गोविंदा,सुमन झा,विकास ठाकुर,विकास कुमार मंडल,आकाश कुमारआदि मौजूद थे।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के सदस्यों के द्वारा शिक्षक भवन में दिशोम गुरू को दी गई श्रद्धांजलि

दुमकाःझारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के नायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय काउंसलर डॉ श्याम किशोर सिंह गांधी की अगुवाई में शिक्षक संघ भवन दुमका में रविवार को दिन के 12 बजे में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दिवंगत शिबू सोरेन को संताल समाज के पुनर्जागरण का अग्रदूत, महाजनी शोषण से मुक्ति दिलाने वाला तथा झारखंड राज्य निर्माण का नायक बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके निधन से सम्पूर्ण राज्य मर्माहत है। शिबू सोरेन का निधन मात्र एक व्यक्ति का निधन नहीं है बल्कि आंदोलन एवं संघर्ष के एक युग का समापन है। आदिवासी समाज के लिए उनके योगदान को युगों तक याद रखा जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से राष्ट्रीय काउंसलर डॉ रसिक बास्की, टुनटुन कुमार,सुशांति टुडू धर्मेंद्र प्रसाद सिंह अन्य शिक्षक मौजूद थे।

नहीं हुई कार्रवाई तो डीआरएम और रेलमंत्री से मिलेंगे आंदोलनकारी ,45 वां सप्ताह भी धरना जारी

दुमका : झारखंड की उपराजधानी दुमका के रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड हटाने को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों का विरोध स्टेशन परिसर के बाहर 45 वां सप्ताह भी जारी रहा। आंदोलनकारियों का नेतृत्व कर रहे रवि शंकर मंडल ने रविवार को कहा कि जब तक दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को नहीं हटाया जाएगा चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। श्री मंडल ने कहा कि इस संबंध में प्रमंडलीय आयुक्त से भी यहां से कोयला साइडिंग हटाने की मांग की गई है लेकिन अभी तक कोई भी सुनवाई अभी तक धरातल पर नहीं दिखाई दे रही है। श्री मंडल ने कहा कि अगर जल्द ही सुनवाई नहीं हुई तो एक प्रतिनिधिमंडल डीआरएम और भारत सरकार के रेल मंत्री से मिलकर यहां की समस्याओं को उनके समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि कोयला डंपिंग यार्ड से होने वाले प्रदुषण से लोग बिमार हो रहे हैं। वही हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि रेलवे प्रशासन के दवाब और गरीब गुरबों पर मामला दर्ज कर स्टेशन परिसर पर शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों को मजबूर किया गया लेकिन हम सभी झुकने वाले नहीं हैं जब तक कोयला रैक नहीं हटाया जाएगा आंदोलन जारी रहेगा। यहां बताते चलें कि कोयला साइडिंग से स्थानीय लोगों के अलावा सफर कर रहे यात्रियों को भी जाने अंजाने प्रदुषण का शिकार होना पड़ रहा है। अभी तो बरसात का मौसम है गर्मी के दिनों में स्थिति और भी भयानक हो सकती है। मौके पर श्री मंडल के साथ संजय मंडल,हेमंत श्रीवास्तव, बिमल मरांडी, विष्णु यादव, अभय गुप्ता,मिक्कू यादव ,मनोज कुमार ,एन एन कुमार,रिंकू यादव,आदि उपस्थित थे।

हरित कचरा जलाने वाले प्रधान मंडपम मैरिज गार्डन के विरूद्ध निगम अमले ने की कार्यवाही

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम द्वारा शहर में साफ-सफाई व्यवस्था को उच्च स्तरीय बनाये रखने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है साथ ही स्वच्छता के मानकों का पालन न करने व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने व कचरा जलाने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन,जुर्माने की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अमले ने नर्मदापुरम मार्ग स्थित प्रधान मंडपम मैरिज गार्डन के कर्मचारियों द्वारा हरित कचरा जलाते पाए जाने पर निगम के जोन क्र. 13 के अमले ने संबंधित मैरिज गार्डन के संचालक से 20 हजार रुपये की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में निगम के जोन क्र. 13 के अमले द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जा रहा था। इस दौरान वार्ड क्र. 54 के अंतर्गत नर्मदापुरम रोड स्थित प्रधान मंडपम मैरिज गार्डन के कर्मचारियों द्वारा ग्रीन वेस्ट में आग लगाना पाया गया। निगम अमले ने तत्काल कार्यवाही करते हुए हरित कचरे की आग बुझवाई और मैरिज गार्डन के संचालकों से 20 हजार रुपये की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की।निगम अमले ने इस दौरान समझाइश भी दी कि कचरा सड़कों, नालियों, फुटपाथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर न फेंके और कचरे को न जलाए।

साध्वीवार्या अमिझरा श्रीजी म.सा. को अंतिम विदाई : डोल यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

इंदौर (ईएमएस)। मातृ हृदया अमित गुना श्रीजी म.सा. की सुशिष्या, सरल स्वभावी और मधुर कंठ की धनी साध्वीवार्या अमिझरा श्रीजी म.सा. को रविवार को अंतिम विदाई दी गई। उनकी अंतिम डोल यात्रा अमित आराधना भवन, हाई लिंक सिटी से शुरू होकर पंचकुइया पहुँची, जहाँ दाह संस्कार संपन्न हुआ।इस भावुक क्षण में हजारों की संख्या में मौजूद भक्तों ने जय जय नंदा, जय जय भद्दा के जयकारों के साथ अश्रुपूर्ण नेत्रों से अपनी पूज्य गुरुवर्या को अंतिम विदाई दी। डोल यात्रा से पहले आचार्य भगवंत विश्वरत्न सूरीश्वर, मृदुरत्न सूरीश्वर, पीयूषभद्र सूरीश्वर और अन्य श्रमण-श्रमणी भगवंतों ने उन्हें अंतिम मांगलिक सुनाया।धरणीधर पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट एवं श्रीसंघ हाईलिंक सिटी द्वारा साध्वीवार्या के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए आज सुबह 9:15 बजे अमित आराधना भवन, हाई लिंक सिटी में एक गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया है। इस सभा में उनके जीवन और सद्गुणों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

1 से 15 सितंबर तक स्थानीय ज्वलंत समस्याओं पर प्रखंड कार्यालयों पर होगा प्रदर्शन : सीपीएम

दुमकाःसंताल परगना क्षेत्र में कार्पोरेट घरानों की नजर यहां की खनिज संपदा पर है। यहां कंपनियों को कोयला खनन के लिए कोल ब्लाक आवंटित किए गए हैं. ये कोल कंपनियाँ यहां के आदिवासियों और अन्य गरीबों की जमीन की रक्षा के लिए बने संताल परगना काश्तकारी कानून की धज्जियाँ उड़ाते हुए स्थानीय दलालों के माध्यम से रैयतों के जमीन की लूट जारी रखे हुए हैं. अमरा पाड़ा के पचुआडा नार्थ कोल ब्लाक के समीप बसे गांवों में इनका इतना आतंक है कि आम आदिवासी रैयत कंपनी के खिलाफ मुंह तक नहीं खोलते हैं. दुसरी ओर सार्वजनिक क्षेत्र के उधम कोल इंडिया की कंपनी ईसीएल ने भी कोयला खनन का काम कुख्यात आउटसोर्सिंग कंपनियों के हवाले कर दिया है जिन्हें न तो कामगारों के हितों की परवाह है और न ही रैयतों के अधिकारों की. यह बात आज सीपीएम की दुमका जिला कमिटी की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कही. उन्होंने बताया कि मोदी सरकार द्वारा कोयला उधोग का निजीकरण किए जाने की दिशा में कदम उठाते हुए कार्पोरेट घरानों को कोल ब्लाकों की नीलामी की जा रही है जिससे एक बड़ी समस्या यहां कोयला कंपनियों द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कोयले का उत्खनन करने के बाद उसके परिवहन से आ रही है. आमरा पाड़ा के ओपेन कास्ट कोयला खानों से कोयला निकाल कर निजी कंपनियों द्वारा बड़े - बड़े बड़े डंपर /हाइवा वाहनों से कोयला दुमका और पाकुड़ के डम्पिंग यार्ड तक संडक मार्ग से भेजा जाता है. कोयला के परिवहन में सैकड़ों वाहन कोयले की धुल उड़ाते हुए राजमार्ग से गुजरते हैं जिसके चलते भारी प्रदूषण हो रहा है और कभी हरा भरा दिखने वाला यह इलाका कोयले के काले डस्ट से रोड के किनारे बसे गांवों को अपने आगोश में ले लिया है. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कोयले को ढंक कर ले जाने और रास्ते में पानी का छिड़काव करने का दिशानिर्देश केवल कागजों तक सीमित रह गया है. इस प्रदूषण के कारण यहां का पर्यावरण संतुलन भी नष्ट होता जा रहा है.कोयला परिवहन से उड़ने वाली काले गर्द के उड़ने से वातावरण में कोयले के महीन कणों की मौजूदगी से लोगों को श्वांस की बीमारी हो रही है. इसके अलावा अनियंत्रित बड़े वाहनों के परिचालन से रोज दुघर्टनाएं भी होती हैं. कोयला की ढुलाई से अगल बगल के इलाके की खेती भी चौपट हो रही है.इस ज्वलंत मुद्दे पर आज सीपीएम की दुमका जिला कमिटी की बैठक मे गहन चर्चा कर इस मुद्दे पर प्रचार अभियान संगठित किए जाने के लिए एक कार्ययोजना बनायी गयी. बैठक को जिला सचिव सुभाष हेम्ब्रम, सीपीएम के सचिवमंडल सदस्य सुरजीत सिन्हा और एहतेशाम अहमद ने भी संबोधित किया. बैठक की अध्यक्षता अखिलेश झा ने की. बैठक में जिला कमिटी सदस्य देवी सिंह पहाड़िया, देवेन्द्र देहरी, सनातन देहरी, दिनेश्वर देहरी, रानी सोरेन, आशा झा, जयलाल राय, मंसुर अंसारी समेत रामगढ़, जामा, गोपीकांदर, शिकारीपाडा और काठीकुंड लोकल कमिटी के सचिव भी शामिल थे.

ग्वालियर को हर क्षेत्र में शिखर पर पहुंचाने वाले दूरदृष्टा शासक थे माधौ महाराजः करकरे

ग्वालियर (ईएमएस) । आधुनिक ग्वालियर के शिल्पकार माधौराव सिंधिया ने मात्र 10 वर्ष की आयु में एक संपन्नशाली रियासत की राजगद्दी संभाली। उनके राज्यकाल 1886-1925 में ग्वालियर के पुरातन काल का अंत होकर नवयुग का प्रादुर्भाव हुआ। 1894 में शासन सूत्र हाथों में लेने के बाद भी इन्होंने ग्वालियर राज्य का कल्पनातीत औद्योगिक विकास किया। यह बात इतिहास संशोधक एवं लेखक नीलेश ईश्वर चंद्र करकरे ने रविवार को कै. माधौराव सिंधिया प्रथम की पुण्य स्मृति में शताब्दी वर्ष पर आयोजित व्याख्यान को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम चेंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में माधौ महाराज फाउंडेशन की ओर से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर थे। अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. राजकुमार आचार्य ने की। इसके अलावा मराठा हितकारिणी सभा के पूर्व अध्यक्ष संग्राम कदम एवं कार्यक्रम संयोजक आशीष प्रताप सिंह राठौड़ मंचासीन रहे। आरंभ में अतिथियों ने कै. माधौराव सिंधिया की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद प्रस्तावना रखते हुए संग्राम कदम बताया कि माधौ महाराज की कुशल प्रशासनिक क्षमता एवं विकास कार्यों से आज तक ग्वालियर लाभान्वित हो रहा है। तत्कालीन समय में ही स्मार्ट सिटी की परिकल्पना करके उन्होंने अपनी दूरदर्शिता जाहिर की। कार्यक्रम संयोजक आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य माधौ महाराज प्रथम की दूरदर्शिता एवं उनके आधुनिक विचारों को लेकर ग्वालियरवासियों को ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देना है। मुख्य वक्ता श्री करकरे ने कहा कि वह एक ओर बीसवीं शताब्दी में औद्योगिक दृष्टि से ग्वालियर राज्य को संपन्न बनाने वाले थे। वहीं दूसरी ओर ग्वालियर को प्रत्येक क्षेत्र में शिखर पर पहुंचाने वाले दूरदृष्टा शासक थे। मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने माधौ महाराज के काल में ग्वालियर राज्य में हुए सुधारवादी कार्यों से सदन को अवगत करवाया। वहीं अध्यक्षता कर रहे जेयू के कुलगुरू प्रो. राजकुमार आचार्य ने कहा कि रियासत परंपरा में ग्वालियर घराना श्रेष्ठ रहा है। आज समाज में सामाजिक समरसता के भाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम अपने इतिहास को जानें और पूर्वजों के कार्यों को पहचानें। अंत में कार्यक्रम संयोजक आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने फाउंडेशन के सदस्यों के साथ मंचासीन अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। संचालन रोटरी क्लब के पूर्व गवर्नर नितिन मांगलिक ने तथा आभार चेंबर अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस मौके पर यशवंत इंदापुरकर, विजय दीक्षित, डॉ. एसपी बत्रा अध्यक्ष मध्य भारत प्रांत आरोग्य भारती, अध्यक्ष जीवाजी क्लब राजू सेठ, संजीव निगोतिया, महेंद्र खत्री, नेतराम गोडिया, रवि कुशवाहा, बलराम बघेल, विमलेश शर्मा, ज्योति नोरके, सुनील पटेरिया, अतर सिंह जाटव, धर्मवीर शुक्ला मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने धराली आपदा में क्षतिग्रस्त निजी और सार्वजनिक संपत्ति के आकलन तैयार करने को सात दिन की टाइमलाइन दी

धराली आपदा में ध्वस्त हुए कल्प केदार देवता के मंदिर का पुनः निर्माण किया जाएगाः सीएम

देहरादून (ईएमएस)। मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारी सहित संबंधित विभागों के सचिवों को धराली आपदाग्रस्त क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हुए निजी और सार्वजनिक संपत्ति के आकलन को 7 दिन की टाइमलाइन में तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में आठ संबंधित विभागों द्वारा प्रारंभिक रिपोर्ट दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को यह आकलन तैयार होते ही भारत सरकार को भेजने की निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने धराली सहित राज्य के सभी आपदाग्रस्त क्षेत्रों हेतु सरकार की ओर से दी जा रही तात्कालिक सहायता वितरण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया कि यह सहायता राशि तात्कालिक रूप से प्रभावितों को प्रदान की जा रही है, इस संबंध में किसी भी प्रकार की नकारात्मकता ना फैलाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली आपदा में ध्वस्त हुए कल्प केदार देवता के मंदिर का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली के लोग हमारे अपने लोग हैं, उनका बेहतरीन विस्थापन किया जाएगा, इस सम्बन्ध में कोई कमी नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राहत-बचाव कार्यों में लगी सरकारी मशीनरी का उत्साहवर्धन करने की अपील की, उन्होंने इसमें जन सहयोग की भी अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में सभी को भ्रामक एवं नकारात्मक प्रचार से बचना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को आपदा कंट्रोल रूम, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून में आपदाग्रस्त क्षेत्रों में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली- हर्षिल आपदाग्रस्त क्षेत्र में हर्षिल तक सड़क मार्ग को युद्धस्तर पर कार्य करते हुए मंगलवार तक सुचारु करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग सहित संबंधित एजेंसियो ने जानकारी दी है कि आज शाम लिमचीगाड़ ब्रिज संचालित होते ही, हर्षिल तक की रोड कनेक्टिविटी 2 दिन के भीतर आरंभ कर दी जाएगी। सड़क के जल्द से जल्द निर्माण हेतु सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को धराली आपदा में 108 बेघर हुए परिवारों से निरंतर सम्पर्क एवं संवाद बनाते हुए तात्कालिक रूप से उनके रहने, भोजन दवाइयों एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बेहतरीन व्यवस्थाए करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि धराली आपदा ग्रस्त क्षेत्र के चैनेलाइजेशन के लिए सोमवार की सुबह ही आईआईटी रुड़की, सीएसआरआई एवं अन्य विशेषज्ञ एजेंसीयों के जियोलॉजिस्ट की एक टीम तत्काल रवाना की जाए। आज की बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से ग्राम प्रधान सहित धराली के आपदा प्रभावितों से बात की। धराली ग्राम प्रधान तथा अन्य ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के स्वयं तीन दिन तक धराली में उनके साथ बने रहने, उनका हौसला बनाए रखने, आपदा आकलन हेतु तत्काल त्रिस्तरीय समिति बनाने, मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तुरंत आरंभ करने एवं प्रशासन द्वारा प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। धराली व पौड़ी आपदा के राहत एवं बचाव कार्यों में निरंतर लगे सभी सरकारी अधिकारियों एवं कार्मिकों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान भी अपने घरों से दूर रहते हुए धराली एवं अन्य आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में निरंतर पूरे मनोयोग से कार्य करते हुए सभी अधिकारियों एवं कार्मिक, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, विभिन्न एजेंसियों एवं सेना के जवानों ने जो हिम्मत दिखाई है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी पौड़ी से भी आपदा रावत बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

ट्रैफिक संभाल रहे पुलिसकर्मियों को बांधी राखी, उपहार में दिया हेलमेट

इन्दौर (ईएमएस) यातायात प्रबंधन मित्र के बतौर मदद करने वाली संगीता तिवारी ने पलासिया चौराहे पर ट्रैफिक संभाल रहे पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें हेलमेट गिफ्ट किया। एसीपी मुवेल ने बताया कि संगीता तिवारी अपने बेटे के साथ लंबे समय से यातायात जागरूकता में सेवा दे रही है। आज रक्षाबंधन के अवसर पर उन्होंने ट्रैफिक संभाल रहे पुलिसकर्मियों को राखी बांधी पुलिसकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित यात्रा के संदेश के साथ गिफ्ट स्वरूप हेलमेट भेंट किया। इस दौरान एसआइ नाथूराम दोहरे, एएसआइ रामस्वरूप सिंह, प्रधान आरक्षक मुकेश लश्करी, आरक्षक सुमंत सिंह कछावा, यातायात मित्र अरुण घोलप, सतीश शर्मा आदि मौजूद रहे।

जगमगा उठे शहर के 70 श्वेताम्बर जैन मंदिर

इंदौर (ईएमएस)। नवरत्न परिवार, जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ एवं जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ के तत्वावधान में शहर के 70 श्वेताम्बर जिनालयों में रविवार को एक साथ सफाई एवं शुद्धिकरण अभियान बड़े उत्साह के साथ चलाया गया।शहर के पश्चिम क्षेत्र स्थित कालानी नगर, पीपली बाजार, रतनबाग, महावीर बाग, पूर्वी क्षेत्र में तिलक नगर एवं वल्लभ नगर सहित अन्य जिनालयों में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने सपरिवार पहुंचकर अपने आराधना स्थलों को शास्त्रोक्त सामग्री से साफकर चकाचक बनाया। सत्रह से पचपन वर्ष आयु के समाजबंधु इस अभियान में शामिल हुए। युवा, महिलाएं और युवतियां भी पीछे नहीं रहीं। देश के 2 हजार मंदिरों में यह अभियान एक साथ, एक ही दिन एक ही समय पर रविवार को चलाया गया।नवरत्न परिवार के प्रमुख संयोजक ललित सी. जैन, सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन एवं अभियान प्रभारी प्रीतेश ओस्तवाल, मनीष सुराना, मालवा महासंघ के दिलसुखराज कटारिया, दीपक सुराना, शैलेन्द्र नाहर ने बताया कि मालव भूषण नवरत्न सागर सूरीश्वर म.सा. की प्रेरणा एवं विश्वरत्न सागर सूरीश्वर म.सा. के मार्गदर्शन में 14 वर्ष पूर्व यह अभियान सारे देश के जिनालयों में शुरू किया गया था।

जन-जन को जोड़ें हर घर तिरंगा अभियान से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवाओं की बढ़ाएं सहभागिता

नर्मदापुरम (ईएमएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी अनमोल है। आजादी सिर्फ़ एक अधिकार मात्र नहीं है, यह हमें देश के विकास में हर संभव योगदान देने का कर्तव्यबोध भी कराती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, शुचिता और मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स (स्वदेशी वस्तुएं) अपनाने की जागरूकता को भी हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के दौरान प्रभावी गतिविधियां की जाएं। इसे ऑपरेशन सिंदूर के सैन्य पराक्रम से जोड़कर युवाओं की सहभागिता बढ़ाएं। अधिक से अधिक तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मानव श्रृंखलाएं, साइकल रैली, बाइक रैली, रंगोली प्रतियोगिता और देशभक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर अभियान में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। आमजन को आसानी से राष्ट्रध्वज उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा के संदर्भ में जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों से परामर्श लेकर जिले के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक मंडलों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, पेंशनर्स, सेवानिवृत्त सैनिकों और समाजसेवियों को भी आवश्यक रूप से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को निवास स्थित समत्व भवन में "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्चुअली जुड़े प्रदेश के सभी कमिश्नर्स, कलेक्टर्स, आईजी और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समुचित समन्वय कर इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय होकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति, स्वच्छता और स्वदेशी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। हर घर तिरंगा अभियान में झण्डे के निर्माण और झण्डे के इतिहास से संबंधित कहानियों एवं प्रसंगों का प्रचार-प्रसार किया जाए। इस विषय पर बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकती हैं, इससे बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का भी पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री संदीप यादव, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश और प्रदेश के विकास में सबकी सहभागिता और सबका योगदान जरूरी है। प्रदेश के हर नागरिक को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का संचालन सुचारू और नियोजित तरीके से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ें। तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर आमजन हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि अभियान के शेष दिनों में सभी कलेक्टर्स प्रिंट, सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया आदि जनसंचार माध्यमों में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। रोजाना की गतिविधियों को मीडिया को दें, जिससे जनसामान्य इस अभियान से जुड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के लिए झण्डों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाए। इसमें स्वसहायता समूहों की मदद भी लें। जिला पर्यटन विकास परिषद के माध्यम से तिरंगा यात्रा एवं अन्य आकर्षक आयोजनों के जरिए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और देश की सांस्कृतिक विरासतों के बारे में जनसामान्य को बताएं। जिलों में मौजूद धार्मिक और लोकमान्यता वाले स्थलों पर भी हर घर तिरंगा से जुड़ी गतिविधियां की जाएं। साथ ही जिले के स्थानीय रणबांकुरों, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रा सेनानियों तथा स्वतंत्रता के बाद देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर सैनिकों का पुण्य स्मरण भी तिरंगा अभियान के दौरान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के जवानों और विभिन्न अभियानों में शहीद हुए जवानों के परिजन को 13 से 15 अगस्त तक होने वाले हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। इसमें व्यापारिक और व्यावसयिक संगठनों का सहयोग लें। हर घर तिरंगा अभियान के अनुभवों का दस्तावेजीकरण भी कर लें।

कांग्रेस का दावा, दो क्षेत्रों से मतदाता हैं बिहार के उपमुख्यमंत्री सिन्हा

पटना(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने का आरोप लगा है। इसको लेकर चुनाव आयोग ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं, अब बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भी ऐसे मामले में फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पर दोहरे मतदाता होने का सनसनीखेज आरोप लगाया।दरअसल, चुनावी नियमों के अनुसार, एक व्यक्ति का नाम केवल एक मतदाता सूची में हो सकता है। दो जगह मतदाता होना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 17 और 18 का उल्लंघन है। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि सिन्हा का नाम दो जगह कैसे दर्ज हुआ? क्या उन्होंने दोनों जगह मतदान किया? चुनाव आयोग की ओर से ऐसी चूक

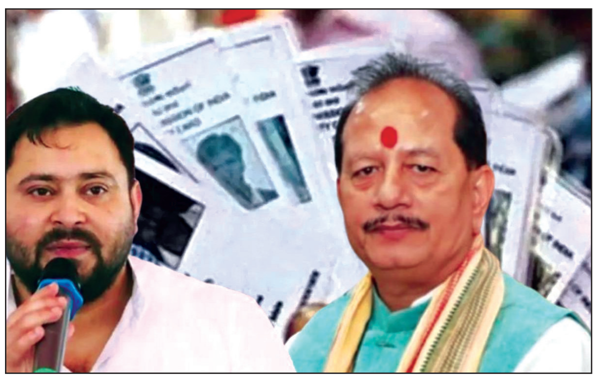

कैसे हुई? बता दें कि सिन्हा पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर नियमों की अनदेखी की और आयोग ने इसे नजरअंदाज किया। ये भी दावा किया जा रहा है कि सिन्हा लखीसराय और बांकीपुर में पंजीकृत हैं और दोनों जगह सर फॉर्म भरा, कांग्रेस ने इसे भाजपा-चुनाव आयोग की साजिश बताते हुए एफआईआर और इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस का दावा है कि सिन्हा लखीसराय और पटना के बांकीपुर में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। कांग्रेस का कहना है कि सिन्हा ने दोनों जगह सर फॉर्म भरा और उनका नाम दोनों जगह मतदाता सूची के ड्राफ्ट में शामिल है। बिहार कांग्रेस का दावा है कि मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से इपिक नंबर दर्ज है। कांग्रेस का आरोप है कि डिप्टी सिन्हा ने लखीसराय और बांकीपुर विधानसभा से फॉर्म भरा है जिसके बाद दोनों जगह ड्राफ्ट में उनका नाम भी आ गया है। विजय सिन्हा का नाम दो अलग-अलग विधानसभा के मतदाता सूची में दर्ज होने के दावों के साथ बिहार में सियासी पारा एक बार फिर गर्म हो गया है। कांग्रेस नेताओं ने इसे 'चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर खतरा' बताते हुए आयोग से कार्रवाई की मांग की है।कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है किनिर्वाचन आयोग ने सिन्हा के दोहरे पंजीकरण को न केवल अनदेखा किया, बल्कि उनके फॉर्म को भी स्वीकार किया। हाल ही में आयोग ने बिहार में 65 लाख मतदाताओं को सूची से हटाया जिनमें डुप्लिकेट नाम शामिल थे। फिर सिन्हा का मामला कैसे छूट गया? कांग्रेस ने पूछा, क्या नियम सिर्फ आम लोगों के लिए हैं, और भाजपा नेताओं को छूट दी जा रही है?यह मामला बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। कांग्रेस ने सिन्हा के खिलाफ एफआइआर और उनके इस्तीफे की मांग की है। पार्टी का कहना है कि यह दोहरा पंजीकरण न केवल व्यक्तिगत फ्रॉड है, बल्कि पूरे देश में भाजपा की ओर से मतदाता सूची में हेरफेर का हिस्सा है। कांग्रेस ने दावा किया कि कुछ जगहों पर एक पत्ते पर 80 वोट और एक व्यक्ति द्वारा चार बार मतदान जैसे मामले सामने आए हैं। हालांकि, विजय सिन्हा ने अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। जानकारों का मानना है कि यह मामला चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। अगर विजय सिन्हा का नाम वाकई दो जगह दर्ज है तो यह तकनीकी खामी या जानबूझकर की गई गड़बड़ी हो सकती है। आयोग से इसकी जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग हो रही है।

बेटियों के सशक्तिकरण के नायक हैं नीतीश कुमार : जदयू

पटना, (ईएमएस)। जद (यू) प्रदेश प्रवक्ता डॉ0 भारती मेहता, प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा, डॉ0 अनुप्रिया एवं मीडिया पैनलिस्ट पूजा पैट्रिक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेटियों के सशक्तिकरण का नायक बताया और कहा कि उनके शासनकाल के दौरान आज बेटियां सामाजिक,आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सफलता के नए झंडे गाड़ रही हैं। मीडिया में जारी एक बयान में पार्टी प्रवक्ताओं ने लालू प्रसाद यादव एवं राबड़ी देवी शासनकाल के दौरान हुए महिलाओं से भेदभाव एवं उनके खिलाफ अत्याचारों को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान महिलाओं के कल्याण को लेकर किए गए कामों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बेटियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने महिलाओं के अधिकारों को न केवल संवैधानिक मजबूती दी, बल्कि जमीन पर उसे उतारकर करोड़ों बेटियों और बहनों के जीवन में बदलाव लाया।साल 2006 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, जिससे राजनीति में उनकी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित हुई। 2007 में नगर निकायों में भी 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर महिला प्रतिनिधित्व को नई ऊँचाई दी गई। प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति में 50 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान ने शिक्षा क्षेत्र में महिला सहभागिता को बढ़ाया।महिला शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना (2006-07), मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना (2007), मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा एवं कन्या विवाह योजना (2007-08) और मुख्यमंत्री बालिका इंटरमीडिएट एवं स्नातक प्रोत्साहन योजना (2018) लागू की गईं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जैसी पहलों ने शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया। रोजगार और कौशल विकास की दिशा में 2008 में अल्पसंख्यक समुदाय की बालिकाओं के लिए 'हुनर एवं औजार योजना', 2007 में 'जीविका परियोजना', 2012 में 'आदर्श दंपत्ति योजना', 2018-19 में सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनाएं और 2021 में 'मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना' शुरू की गईं।महिला सुरक्षा और सम्मान के लिए 2006 में पहली बार महिला बटालियन का गठन, 2007 में महिला हेल्पलाइन की शुरुआत, 2013 में पुलिस में 35 प्रतिशत आरक्षण, मातृत्व अवकाश को 180 दिन और शिशु देखभाल अवकाश को 730 दिन तक बढ़ाना जैसे कदम उठाए गए।समाज सुधार की दिशा में 2016 में पूर्ण शराबबंदी लागू कर महिलाओं के जीवन में राहत पहुंचाई गई। 2017 से बाल विवाह और दहेज प्रथा उन्मूलन अभियान शुरू हुआ। 2017-18 में अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना लागू कर सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया गया।शिक्षा में आर्थिक सहायता के लिए 2016 में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की गई, जिससे उच्च शिक्षा के सपने पूरे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना अंतर्गत इंटर पास अविवाहित कन्याओं को 25,000 रूपये और स्नातक पास को 50,000 रूपये की सहायता दी जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बीजेपी के कहने पर सब कुछ नहीं चलेगा, बिहार आइए और देखिए

तेजस्वी ने चुनाव आयोग को किया इन्वाइट, उपमुख्यमंत्री पर लगाए आरोप

पटना,(ईएमएस)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनौती देते हुए कहा कि दिल्ली में बैठकर बीजेपी के कहने पर सब कुछ नहीं चलेगा। पोस्ट ऑफिस बनकर नहीं चलेगा। आप बिहार आइए, मैं आपको आमंत्रित करता हूं। हमारे विधानसभा क्षेत्रों में चलिए और बाढ़ से तबाह हालात को देखिए।इस दौरान उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को "फर्जी" बताते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर भी गंभीर आरोप लगाए। तेजस्वी ने दावा किया कि विजय सिन्हा का नाम मतदाता सूची में दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज है और दोनों जगह उनकी उम्र भी अलग-अलग दर्शाई गई है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री का ईपीआईसी नंबर आईएएफ 3939337 लखीसराय विधानसभा (168) में और दूसरा ईपीआईसी नंबर एएफएस 0853341 बांकीपुर विधानसभा (182), पटना में दर्ज है। तेजस्वी के मुताबिक यह गड़बड़ी अगस्त में जारी मतदाता सूची में साफ दिखाई देती है।तेजस्वी ने सवाल उठाया कि क्या यह फर्जीवाड़ा चुनाव आयोग की ओर से हुआ है या विजय सिन्हा की ओर से? दो जगह वोट डालना और बिना बीएलओ के हस्ताक्षर के नाम जुड़ना गंभीर अपराध है। उन्होंने मांग की कि अगर यह गलती उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने की है तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए और अगर चुनाव आयोग दोषी है तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और एसआईआर प्रक्रिया को रद्द करे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री के दो जगह मतदाता सूची में नाम, सिन्हा दें इस्तीफा

पटना,(ईएमएस)। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने रविवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री सिन्हा के नाम दो जगह मतदाता सूची में हैं। पहला बांकीपुर और दूसरा लखीसराय विधानसभा में है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने एफिडेविट दिए होंगे। उनका यह डिटेल हलफनामे में दर्ज होगी। वह जिस संवैधानिक पद पर बैठे हैं, उन्हें उससे इस्तीफा दे देना चाहिए।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजेश राम ने कहा कि अगर विजय सिन्हा यह कह रहे हैं कि उन्होंने सुधार करने के लिए दिया है, लेकिन नहीं हुआ तो इसका मतलब यह है कि विजय विपक्ष की श्रेणी में आते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग उनकी भी नहीं सुन रहा है। अगर उनका नाम दो जगह हलफनामे में है तो यह एक आपराध है।उनहोंने आरोप लगाया किया यह पूरा कारनामा बीजेपी के लोग मिलकर कर रहे हैं। सवाल चुनाव आयोग से पूछा जाता है और जवाब बीजेपी देती है। बीजेपी चुनाव आयोग को कब्जे में रखे है। इसलिए विजय सिन्हा अब जवाब दे रहे हैं कि सुधार के लिए मतदाता पत्र दिया था। जो लोग बिहार के लोगों को फर्जी वोटर बता रहे हैं। वह उन्हीं के वोटों पर जीतकर आए हैं तो उन्हें यह सवाल नहीं पूछना चाहिए। सरकार में बैठे लोग मिलकर षड्यंत्र कर रहे हैं।बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमने तो महाराष्ट्र का बताया था, लेकिन वर्तमान में उपमुख्यमंत्री का दो जगह नाम है। यहां वोट चोरी नहीं होती तो आज केंद्र में सरकार नहीं बनती।

राहुल गांधी की वोट बचाओ अधिकार यात्रा कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा है

केंद्रीय मंत्री ने कहा, वे चाहते हैं हम घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार दें

बेगूसराय,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव वोट बचाओ अधिकार यात्रा निकालने वाले हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को इस यात्रा को कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा बताया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई पर सवाल उठाने को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी सेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है।सदन में पीएम मोदी के जवाब नहीं देने पर कांग्रेस द्वारा कायर बताए जाने को लेकर गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है। सेना के जनरल और सभी बड़े लोग बता चुके हैं, लेकिन उन्हें सेना और पीएम पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को डूबकर मर जाना चाहिए। अगर उनकी यही आदत रही तो वे देश के अंदर ही देशविरोधी कहलाएंगे।राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर सवाल उठाने पर गिरीराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का ज्ञान नहीं है। वे पागल की तरह बात करते हैं। वे क्या कहना चाहते हैं कि हमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट का अधिकार देना चाहिए, जो अवैध हैं, उन्हें वोट का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर उनमें ताकत है तो चुनाव आयोग को वह सूची क्यों नहीं दे रहे, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जो जिंदा थे, उन्हें मृत दिखाया गया और जो सही वोटर्स थे, उन्हें सूची से निकाल दिया गया? वे सोचते हैं कि झूठ बोलते रहेंगे, तो वह सच हो जाएगा, लेकिन झूठ हमेशा झूठ ही रहेगा। मतदाता सूची से सही लोगों को नहीं, बल्कि जिनका दो बार नाम था, सिर्फ उन्हीं का नाम हटाया गया है।

देसी कट्टा लेकर थाने पहुंचा सनकी युवक, पुलिस को चकमा देकर फरार

राजधानी पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक सनकी युवक ने पुलिस को चौकन्ना दिया, जब वह खुलेआम देसी कट्टा लेकर थाने में दाखिल हो गया। पुलिस की सतर्क निगाह ने उसकी चाल पहचान ली, लेकिन तलाशी लेने की कोशिश के दौरान युवक ने अचानक हाथ झटककर भागने में सफलता पा ली। यह घटना न सिर्फ थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों को हैरान कर गई, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर गई। घटना के मुताबिक, दरोगा ललन कुमार यादव ने युवक की खुली कमीज देखकर संदेह जताया और तलाशी लेने का प्रयास किया। तभी युवक ने झटका देकर खुद को छुड़ाया और थाने से भाग निकला। पुलिस ने चेकपोस्ट मोड़ तक उसका पीछा किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। भागते-भागते उसने देसी कट्टा सड़क पर फेंक दिया और उसके हाथ से दो मोबाइल भी गिर गए, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया।

पटना में तेज रफ्तार हाइवा ने छात्र को बुरी तरह कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

पटना : बिहार के पटना जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहटा-मुख्य फोरलेन पर तेज रफ्तार एक हाइवा ने एक बाइक सवार छात्र को कुचल दिया, जिससे बाइक सवार छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, छात्र की बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है. हाइवा का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई, जिसके कारण काफी देर तक यातायात पूरी तरह से बाधित रहा। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी रही। बताया जाता है कि नौबतपुर के छोटी टंगरैला गांव का रहने वाला छात्र सत्यम कुमार 19 वर्षीय इंटरमीडिएट पढ़ाई पास

कर आने की पढ़ाई की तैयारी में जुटा था। रविवार को वो अपनी बाइक से कोचिंग सेंटर पर पढ़ाई करने के लिए जा रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार में रहे एक फतुहा के दनियावां से बिहटा की ओर जा रहा हाइवा ने बाइक सवार छात्र को रौंद दिया। इस दुर्घटना में बाइक सवार छात्र गाड़ी के पिछले चक्के के बीच में आ गया और बुरी तरह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाइवा का ड्राइवर गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इससे घटना को लेकर काफी संख्या में आसपास के गांव के लोग मौके पर जुट गए। लोगों की भीड़ सड़क पर होने के कारण जाम की स्थिति काफी देर तक बनी रही। इस घटना को लेकर ग्रामीण काफी आक्रोश नजर आया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइवा के चक्का के बीच में फंसे छात्र के शव और उसके बाइक को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। उसके बाद मृतक केशव को बरामद कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में नौबतपुर थाना अध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि दुर्घटना में छात्र की मौत हो गई है। जिसके शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

1 करोड़ 12 लाख लाभार्थियों को सामाजिक पेंशन राशि हस्तांतरण, आर्थिक संबल और आत्मविश्वास को नया आयाम : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा महिलाओं को जुलाई माह की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से हस्तांतरित किए जाने पर, बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री नीतीश कुमार के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस योजना के तहत 1 करोड़ 12 लाख से अधिक लाभार्थियों को 1247 करोड़ 34 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। यह केवल आर्थिक राहत ही नहीं, बल्कि लाभार्थियों के जीवन में सम्मान और आत्मविश्वास का संचार करने वाला कदम है।

मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण कार्य से मचेगा सियासी बवाल

पटना,(ईएमएस)। बिहार और पश्चिम बंगाल के बाद अब असम में भी वोटर लिस्ट के विशेष सघन पुनरीक्षण की तैयारी शुरू हो गई है। असम के मुख्य चुनाव अधिकारी अनुराग गोयल ने सभी जिला चुनाव अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि चुनाव आयोग की तरफ से अगले 15-20 दिनों में शेड्यूल जारी करने से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। असम में पिछली बार सघन पुनरीक्षण 2005 में हुआ था। वहीं बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल ने भी राज्य में एसआईआर की तैयारी शुरू होने की पुष्टि की है। ध्यान देने वाली बता यह है कि बिहार में पहले ही इस प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। ऐसे में असम की संवेदनशील जनसांख्यिकी और राजनीतिक माहौल को देखते हुए, यहां भी सर शुरू होते ही बवाल तय माना जा रहा है।इस आदेश में साफ कहा गया है कि सभी चुनाव पंजीकरण अधिकारी, सहायक ईआरओ और बूथ लेवल अधिकारी तुरंत तैनात

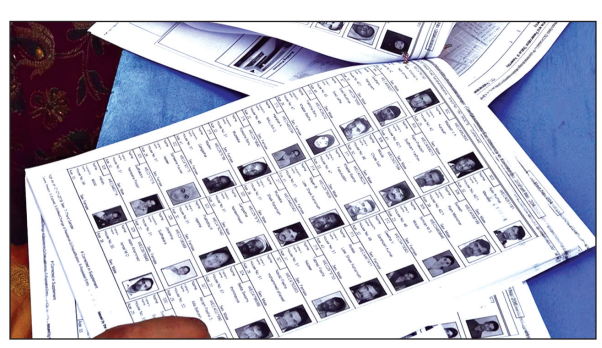

हों। नए बने मतदान केंद्रों के लिए अतिरिक्त बीएलओ की पहचान भी अभी से कर ली जाए, ताकि आयोग की मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो सके।असम में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होंगे। यहां 2023 में ही 126 विधानसभा क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया गया था। राज्य के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सर बेहद ज़रूरी है ताकि वोटर लिस्ट से 'अवैध नाम' हटाए जा सकें। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया बयान का हवाला देते हुए कहा कि वोट चोरी और आधार-लिंक्ड वोटर आईडी की बहस से यह मांग और सही साबित होती है।सरमा ने आरोप लगाया कि 'असम में बांग्लादेश मूल के मियां मुस्लिमों के नाम बरपेटा, गुवाहाटी ही नहीं, बल्कि केरल और दिल्ली तक की वोटर लिस्ट में हैं। असम में मुस्लिम आबादी का अनुपात करीब 35प्रतिशत है, और राजनीतिक तौर पर यह मुद्दा हमेशा विवाद का कारण रहा है। इस बार सर के दौरान किसी भी चुनावी कर्मचारी या डेटा एंट्री ऑपरेटर को अन्य काम में लगाने पर रोक होगी, खासकर बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल जिलों में, जहां सितंबर में अलग से स्वायत्त परिषद चुनाव की संभावना है।

लालू को अपशब्द कहने से बिहार का भला नहीं होगा: तेजस्वी यादव

जब तक बिहार में बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी, तब तक विकास संभव नहीं

पटना (ईएमएस)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा है कि लालू यादव और खुद तेजस्वी को अपशब्द कह देने से बिहार की कोई प्रगति नहीं होगी। दिल्ली से पटना लौटने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार के मुद्दों पर बात होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत आलोचना पर। तेजस्वी ने कहा, जब तक बिहार में बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और पलायन जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी, तब तक कोई विकास संभव नहीं है। तेजस्वी ने यह भी कहा कि बिहार में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर कोई चर्चा नहीं हो रही है और विपक्ष के विरोधी केवल नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिनभर लालू यादव और तेजस्वी को अपशब्द कहने से बिहार का भला नहीं होगा। जनता अब ऐसी राजनीति को समझ चुकी है और ऐसे नेताओं को मौका नहीं देगी। लोजपा के नेता चिराग पासवान के कार्यक्रम को लेकर तेजस्वी ने कहा कि नेताओं का जनता के बीच जाना जरूरी है। उन्होंने कहा, अगर चिराग पासवान या भाजपा के नेता जनता के बीच जा रहे हैं, तो यह अच्छी बात है। नेताओं को जनता के बीच रहना चाहिए। पूर्व विधायक अनंत सिंह की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात पर तेजस्वी ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वे नाकाम नेता हैं जो केवल हिंसा की भाषा समझते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग केवल एके-47 की भाषा समझते हैं। ये बिहार की जनता भी समझती है। ऐसे नेताओं के बारे में पार्टी के प्रवक्ता जवाब देंगे और ये लोग उनकी पार्टी के लायक नहीं हैं। उन्होंने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए, न कि व्यक्तिगत हमलों पर।

भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर की वोट चोरी : राजेश राम

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भाजपा के वोट चोरी के सबसे बड़े नमूने, दो जगह निकला वोटर लिस्ट में नामः राजेश राम

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की वोट चोरी स्कीम का देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तथ्यों के साथ पर्दाफाश कर दिया है। इससे घबड़ाई भाजपा, चुनाव आयोग की प्रवक्ता बनकर मैदान में उतर गई है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा पर हमलावर होते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि अब तो यह स्पष्ट है कि दो-दो जगह नाम वाले डिप्टी सीएम भाजपा के वोट चोरी स्कीम के छिपे हुए नगीने हैं। क्योंकि जिस बात को कांग्रेस पार्टी बार बार कह रही है कि देश में भाजपा अप्रत्याशित तौर पर जबरन नए वोटर बना रही है और हमारे वोटर्स का नाम काट रही है वो अब स्पष्ट हो चुका है। बिहार राजनीतिक रूप से सक्रिय दल है और हमारे नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के सीटों के आकलन से तथ्यों को उजागर कर दिया है जिसमें स्पष्ट होता है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी की साजिश रची और चुनावी लाभ भाजपा को दी है।प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में मीडिया के समक्ष देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भाजपा और चुनाव आयोग की वोट चोरी की वीडियो प्रेजेंटेशन प्रदर्शित की गई। साथ ही इस वीडियो प्रेजेंटेशन को 11 अगस्त को सूबे के सभी जिला कांग्रेस कमिटी में प्रचारित करने की जानकारी भी उन्होंने साझा की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बिहार में भी मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर भाजपा और चुनाव आयोग की वोट चोरी स्कीम का पर्दाफाश हमने कर दिया है। इसी से घबड़ाई भाजपा लगातार चुनाव आयोग की प्रवक्ता बनकर इंडिया गठबंधन पर हमलावर है जबकि उसकी हकीकत हमने परत दर परत खोलकर रख दी और लगातार इस मुद्दे को लेकर जनता का समर्थन लिया। अब भाजपा बिहार में वोट चोरी स्कीम के तहत सरकार बनाने की गुपचुप योजना चला रही थी जिसको हमने उजागर कर दिया है और अब मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर मतदाताओं को परेशान करने की नीति की खिलाफत आम जनता भी करेगी क्योंकि बाढ़ से प्रभावित राज्य में कागजात की मांग करना चुनाव से पूर्व गलत है और नाम काटने के साथ भाजपा समर्थकों का दो दो जगह नाम रखना गलत है। संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेता मोतीलाल शर्मा, प्रेमचंद्र मिश्रा, राजेश राठौड़, जमाल अहमद भल्लू, कपिलदेव प्रसाद यादव, सौरभ सिन्हा, राजीव मेहता आदि मौजूद थे।

बिहार में बड़ा हादसा, भेड़ों की झुंड को ट्रेन ने रौंदा, सैकड़ों की मौत

पटना(ईएमएस)। भोजपुर जिले में बड़ा हादसा हो गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पटना रेल खंड के सिकरिया- बनाही स्टेशन के समीप दो ट्रेनों ने भेड़ की झुंड को रौंद डाला है। घटना के बाद रेलवे ट्रैक के समीप का एक वीडियो भी सामने आया है। कई भेड़ें वहां मृत नजर आ रही हैं। रेलवे ट्रैक पर खून के छींटे नजर आ रहे हैं। एक ग्रामीण ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दो गांवों के बीच रेलवे लाइन है। यह हादसा बेहद दुखद है। यह बहुत बड़ी क्षति है। 18-20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। 400 भेड़ों की मौत हो गई है। जंगल-झाड़ और टीला जैसी जगहों पर इस तरह के भेड़ पालक रहते हैं। हमलोग कोशिश कर रहे हैं कि भेड़ पालक को मुआवजा मिल सके। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 400 भेड़ों की मौत हो गई है। कहा जा रहा है कि भेड़ों पर सियार और कुत्तों ने हमला किया था। इसके बाद हड़बड़ाहट में वो रेलवे ट्रैक पार करने लगीं। इस दौरान अप और डाउन ट्रैक पर ट्रेन आ गई। इस दौरान हादसे में सैकड़ों भेड़ों की मौत हो गई है। ग्रामीण ने बताया कि आरपीएफ की टीम ने मौके पर आकर घटना की जानकारी ली है। उन्होंने घटना की जांच-पड़ताल भी की है। घटना के संबंध में गांव वालों ने सर्किल अफसर और स्थानीय विधायक राहुल तिवारी को भी जानकारी दी है। गांव वालों का कहना है कि सभी लोग मदद के लिए तैयार हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भेड़ पालकों का यह मुख्य रोजगार है और वो इसी से अपनी आजीविका चलाते हैं। इनके पास खेत भी नहीं है। इनके पूर्वज भी भेड़ पालते थे और यह लोग भी भेड़ ही पालते हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद कुछ देर के लिए इस लाइन पर ट्रेनों का परिचालन भी बाधित हुआ है। बाद में भेड़ों के शवों को हटाकर परिचालन शुरू कराया गया है।

संक्षिप्त खबरें

दुमका में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान शुरू,सोलह लाख से अधिक लोगों को फाइलेरिया उन्मूलन दवा देने का है लक्ष्य

दुमका(ईएमएस)।दुमका जिले में फाइलेरिया विलोपन कार्यक्रम के तहत विशेष अभियान रविवार से शुरू हुआ। यह 25 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा दी जाएगी। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बूथ पर जाकर लोगों को दवा खिलाई गई। सोमवार से 25 अगस्त तक घर-घर जाकर लोगों को दवा खिलाई जाएगी। दुमका जिले में कुल 16 लाख 83 हजार 715 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए कल 2833 दवा प्रशासक की टीम बनाई गई है, जो 2900 जगह पर लोगों को दवा खिला रहे हैं। इस काम में 373 सुपरवाइजर लगाए गए हैं।दुमका के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र को मिलाकर 2706 गांव में दवा खिलाने का लक्ष्य है। सिविल सर्जन डॉक्टर कामेश्वर प्रसाद ने बताया कि जिले में फाइलेरिया के 5378 प्रभावित चिह्नित किए गए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह की याद में प्रेस क्लब में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

रांची(ईएमएस)।झारखंड में पत्रकारिता के गुरु, वरिष्ठ पत्रकार और रांची प्रेस क्लब के संस्थापक सदस्य हरिनारायण सिंह की याद में रविवार को रांची प्रेस क्लब सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें रांची प्रेस क्लब के सदस्यों, पत्रकारों के साथ-साथ गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभा में शामिल सभी लोगों ने स्वर्गीय हरिनारायण सिंह को अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित की। सभा में पहुंचे सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की कामना की। मौके पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र लाल सोरेन ने रांची प्रेस क्लब के सभागार का नाम स्वर्गीय हरिनारायण सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने हरिनारायण सिंह के साथ जुड़ी अपनी यादों को मीडिया से साझा किया।

रिम्स निदेशक डॉ. राज कुमार को ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन द्वारा कॉमनवेल्थ मेडिकल एसोसिएशन से सम्मानित किए जाने पर किया गया सम्मानित

रांची(ईएमएस)।रिम्स निदेशक डॉ. राज कुमार को ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन द्वारा कॉमनवेल्थ मेडिकल एसोसिएशन से सम्मानित किए जाने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासभा ने रांची के पुराने विधानसभा सभागार में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया।महासभा के सदस्यों और उपस्थित गणमान्य लोगों ने उन्हें शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. राज कुमार ने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने करीब दस हजार खोपड़ियों का अध्ययन और शोध किया लेकिन कई बार ऐसा होता है कि मेहनत और उपलब्धियों के बावजूद किसी को नकारा कहकर पद से हटा दिया जाता है।उन्होंने इसे अपने जीवन का एक दर्दनाक अनुभव बताया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि यह सम्मान न केवल डॉ. राज कुमार की व्यक्तिगत उपलब्धियों का प्रतीक है.. बल्कि झारखंड और देश के लिए भी गर्व का विषय है।

भाजपा ने गिरिडीह में निकाली तिरंगा यात्रा

गिरिडीह(ईएमएस)। भाजपा ने रविवार को शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपाई झंडा मैदान में जमा हुए। यहां से जिलाध्यक्ष महादेव दुबे के नेतृत्व में भाजपा नेता और कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर निकले। कुछ लोग पैदल तो कुछ लोग बाइक पर तिरंगा लेकर चल रहे थे। वही 75 मीटर का तिरंगा लेकर भाजपाई चल रहे थे। इस दौरान भाजपाई भारत माता के जयकारे लगा रहे थे। तिरंगा यात्रा आंबेडकर चौक, टावर चौक, कालीबाड़ी होते हुए बड़ा चौक पर समाप्त हुई। यहां सभा का आयोजन हुआ। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की।मौके पर भाजपा नेता सुरेश साव, जिप अध्यक्ष मुनिया देवी, दिनेश यादव, विनय कुमार सिंह, संदीप डांगयच, अमर सिन्हा, सुभाष सिन्हा, नवीन सिन्हा, श्याम प्रसाद, रंजन सिन्हा, कामेश्वर पासवान, ऊषा कुमारी, संगीता सेठ, शालिनी बैशाखियार सहित कई भाजपाई थे।

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति कोऑर्डिनेशन कमिटी ने की बैठक

रांचीः अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति कोऑर्डिनेशन कमिटी के बैठक सह प्रेसवार्ता का आयोजन मान्या पैलेस मोराबादी रांची में किया गया बैठक के अध्यक्षता राजू राम एवं संचालन संतोष कुमार रजक ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपेंद्र कुमार रजक, कमलेश राम, गोविंदा वाल्मीकि, संतोष कुमार रबी, मुकेश नायक,दिलीप भुईयां, अर्चना मिर्धा, आदि उपस्थित थे बैठक में पूर्व में हुई कार्यक्रम के समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया गया बैठक को संबोधित करते हुए संतोष रजक, उपेंद्र कुमार रजक, , राजू राम,कमलेश राम, गोविंदा वाल्मीकि ने कहा कि अखिल भारतीय अनुसूचित जाति समन्वय समिति 15 अगस्त के बाद प्रमंडल अस्तर पर निम्न मांगों को लेकर समन्वय समिति अनुसूचित जाति आयोग, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, सफाई कर्मचारी आयोग का गठन, जेपीएससी, महिला आयोग आदि बोर्ड निगमों में अनुसूचित जाति समाज को संविधान के अनुरूप प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सामान्य कार्य के लिए समान वेतन नई विधान सभा एवं हाईकोर्ट में बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर के आदम कद प्रतिमा स्थापित आदि मांगों को लेकर महाधारणा का आयोजन किया जाएगा जिसमें पहले चरण में बोकारो , जमशेदपुर, पलामू,, लातेहार, चतरा, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, दुमका चाईबासा में दिया जाएगा जिसमें में अनुसूचित जाति समाज के सभी विधायक आदि जनप्रतिनिधि को बुलाया जाएगा मानसून सत्र में विधान सभा घेराव या दलित महा जुटान रैली रांची में किया जाएगा

बैठक में उपस्थित थे वंशलोच राम, अशोक रजक, जगदीश दास, राजू रजक,दिलीप भुईयां, टूना रजक, जीवन राम,शिवजी राम, बिहारी राम, अर्चना मिर्धा, बजरंग रजक, संतोष रबी, गोविंदा वाल्मीकि, छोटू पासवान, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

वार्ड पार्षद अर्जुन राम के निधन पर जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

रांची। वार्ड के वर्तमान पार्षद अर्जुन राम जी का निधन क्षेत्र के लिए गहरा आघात है। वे केवल एक पार्षद ही नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति समर्पित एक सच्चे जननेता और मानवीय मूल्यों के धनी व्यक्ति थे। उनका जाना न सिर्फ़ जनप्रतिनिधियों के लिए, बल्कि पूरे वार्ड की जनता के लिए भी अत्यंत पीड़ादायक है। अर्जुन राम जी तन, मन और धन से सदैव जनता की सेवा में समर्पित रहे। आज उनके आवास पर वर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय सहित विभिन्न वार्डों के पार्षद पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद हरमू मुक्तिधाम में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। श्रद्धांजलि देने वालों में वर्तमान पार्षद अरुण झा, ओम प्रकाश विनोद सिंह, रोशनी खलको, झरी लिंडा, अशोक यादव ,निरंजन कुमार ,मनीष सिंह ,सुनील साहू ,समेत अनेक पार्षद, आम नागरिक और समर्थक शामिल हुए। सभी ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

दुर्गा वाहिनी की बहनों के द्वारा सभी जिला में मनाया गया रक्षा बंधन

रांचीः विश्व हिंदू परिषद् की महिला विभाग मातृ शक्ति तथा दुर्गा वाहिनी की बहनों के द्वारा झारखण्ड प्रांत की सभी जिला में मनाया गया रक्षा बंधन का कार्यक्रम। इस मौके पर विहिप के प्रांत कार्यालय में रक्षा बंधन के अवसर पर कहां कि यह त्यौहार आज का नहीं है रामायण महाभारत के समय से मनाया जा रहा है भगवान श्री कृष्ण ने जब शिशुपाल पर सुदर्शन चक्र चलाया था जब उनकी उंगली कट गई थी तथा द्रौपती ने अपनी साड़ी को फार कर श्री कृष्ण के उंगली में बांधी थी तब भगवान ने द्रोपती को कहां था की उनकी रक्षा करेंगे। एक मौके पर प्रांत के अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, धर्माचार्य संपर्क दो छेत्र के प्रमुख बीरेंद्र विमल संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत मातृ शक्ति प्रमुख दीपा रानी कुंज, प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार,प्रांत प्रचार प्रसार प्रकाश रंजन, दुर्गा वाहिनी की बहने उपस्थित रही।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने जामताड़ा में राज्य स्तरीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का किया शुभारंभ

जामताड़ा(ईएमएस)।राज्य स्तरीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का जामताड़ा में शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी, अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम रांची में होना था,लेकिन जामताड़ा में किया जा रहा है।इसका उद्देश्य यह है कि कार्यक्रम जिसके लिए चलाए जा रहा है उसके तक पहुंचे।रांची मुख्यालय से यह कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार नहीं हो पाता।जामताड़ा इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।सोमवार को सभी जिले में शुरू होगी।जिससे इसका व्यापक प्रचार प्रसार होगा। उन्होंने कहा की मेरी मंशा है कि कैसे हम फाइलेरिया से निजात पाए। उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य है हेल्दी झारखंड स्वास्थ्य झारखंड बनाना।हमारा यह मानना है कि 2029 तक हम पूरे झारखंड को फाइलेरिया मुक्त कर लेंगे। उपलब्धि गिनाते हुए कहा कि हम राज्य में 250 हाईटेक नई एंबुलेंस देने जा रहे हैं जिसे जिले के सिविल सर्जन चलवाएंगे। 108 एम्बुलेंस वाले को चलना है तो चलाएं अन्यथा नहीं चलाएं। आंदोलन करने से कुछ नहीं होगा समस्या है तो वह लोग हमसे मिले। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धि गिनाई। जामताड़ा में 500 बेड का अस्पताल बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम को अभियान निदेशक सहित अन्य अधिकारियों ने भी संबोधित किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने फाईलेरिया रोधी दवा खाई और दूसरे को भी खाने के लिए प्रेरित किया।

एडवोकेट सैयद अनवर हुसैन एंड सैयद यावर हुसैन की याद में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची : रांची के अंजुमन पलाजा के अंजुमन मुसाफिर खाना मेन रोड में निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया. कैंप मे राज हॉस्पिटल, एएसजी आई हॉस्पिटल, तिरूपति डेंटल हॉस्पिटल, अनवर डेंटल क्लिनिक, स्किन केयर की टीम मौजूद रही इस कैंप का नाम हुसैन इंसानियत है. यह शिविर एडवोकेट सैयद अनवर हुसैन, उनकी पत्नी बीबी रजिया बेगम, सैयद खुर्शीद अनवर, एडवोकेट सैयद यावर हुसैन, पूर्व न्यायाधीश सैयद मंसूर अनवर और सैयद तनवीर अनवर की स्मृति में आयोजित किया गया. कैंप से समाज के गरीब तबके का मेडिकल फर्स्ट ऐड ट्रीटमेंट फ्री में हुआ साथ ही साथ ज़रूरतमंद लोगो को दवा भी दिया गया. कैंप के अयोजक सैयद फ़राज़ अब्बास ने कहा जरूरतमंद लोगों ने यहां का इलाज कराया और उन्हें मुफ्त दवा भी दी गई.

शिविर में आए मरीजों ने कहा कि जो मरीज चिकित्सालय में अपना इलाज करवाने के लिए असमर्थ है, ऐसे लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर मानव सेवा का कार्य कर रहे है। शिविर आयोजक सैयद फ़राज़ अब्बास ने बताया कि शिविर में फिजिशियन, त्वचा रोग, पेट संबंधित रोग , मौसमी बीमारियों, तथा आंख, कान, गला, मुख संबंधित विभिन्न बीमारियों का इलाज किया गया। डा अदीबा ने कहा कि बारिश के मौसम पर बीमारियों का प्रकोप थोड़ा बढ़ जाता है। इसीलिए स्वास्थ्य के प्रति खास ध्यान देने की आवश्यकता है। अपने आसपास जल जमाव न होने दे। डेंगू मच्छर का मलेरिया के प्रकोप से बचें और कोई भी दवा डॉक्टर के सलाह से ही लें. इस मौके पर डॉ सना इरम,डाक्टर नंदनी भोंसले,डॉक्टर सत्येंद्र, डॉ अदीबा, डॉ शादाब अनवर,डॉक्टर रियाज, सैयद इस्लाम अब्बास सैयद इंतखाब अब्बास, सुरूर अनवर ताबिश, लहू बोलेगा के संयोजक नदीम खान, मुख़्तार अहमद समेत कई लोग मौजूद थे.

पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन का श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम रखा गया

रांचीः केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में मिसीर गोंदा सरना स्थल डेम पार्क कार्यालय रांची में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन का श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम रखा गया । कार्यक्रम का अध्यक्षता केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने किया। सभी प्रतिनिधि ने शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं दो मिनट मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी । केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना सिर्फ एक नेता का नही बल्कि आदिवासी अस्तित्व, पहचान और संघर्षशीलता की एक महान आवाज का मौन हो जाना है.

राहुल गांधी पर उखड़े निशिकांत, बोलेः देश की अखंडता से लेना-देना नहीं, बांग्लादेशी के जरिए चाहते हैं चुनाव

रांची(ईएमएस)।बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस देश को बांग्लादेश बनाना चाहते हैं। निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने के उनके तरीके से साफ है कि उन्हें यह समझना चाहिए कि भारत के चुनाव बांग्लादेशी मतदाताओं के जरिए नहीं होते। दुबे ने आगे कहा कि राहुल गांधी को शायद यह नहीं पता कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते समय निर्वाचन आयुक्त पीएमओ में बैठा करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उन विदेशी ताकतों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो पीएम मोदी जैसे मजबूत नेतृत्व को नहीं चाहते।वहीं, वायु सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के बयान पर निशिकांत दुबे ने कहा कि सेना कभी राजनीति नहीं करती। उन्होंने कहा कि वायु सेना प्रमुख ने जो बातें कही हैं, वे अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। हमने पाकिस्तान के छह हवाई जहाज मार गिराए। राहुल गांधी ने ट्रंप के हवाले से बातें कही थीं, लेकिन आज पीएम मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि किसानों और छोटे उद्योगों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। रूस से तेल खरीद पर भी कोई समझौता नहीं किया जाएगा।बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने वायुसेना प्रमुख के बयान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की ताकत को कमजोर करने वाली घटिया बातें करते हैं। दुबे ने कहा कि राहुल गांधी को देश की अखंडता और एकता से कोई लेना-देना नहीं।निशिकांत दुबे ने आगे कहा कि यही कारण है कि राहुल गांधी निर्वाचन आयोग, सेना, ट्रंप और ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाते रहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसानों और छोटे उद्योगों के हितों के लिए ट्रंप के साथ कोई समझौता नहीं करेगा और रूस से तेल खरीद जारी रखेगा। दुबे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाया है, और इस बार की तिरंगा यात्रा विपक्ष के लिए करारा जवाब होगी।

राजनगर में भीषण सड़क हादसा तीन युवकों की मौके पर मौत परिजनों ने किया सड़क जाम

सरायकेला(ईएमएस)।राजनगर थाना क्षेत्र के लकड़ा कोचा मोड़ के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों युवक चाईबासा से टाटा की ओर जा रहे थे। रास्ते में लकड़ा कोचा मोड़ के नजदीक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में उनकी बाइक पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही राजनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में एक की पहचान लखन कुमार के रूप में हुई है, जो आधार कार्ड के अनुसार बारीडीह बागुनहातु आदर्श नगर (जमशेदपुर) का निवासी था। बाकी दो मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। इधर, स्थानीय लोगों ने सड़क जामकर विरोध करना शुरू कर दिया।

विश्व आदिवासी दिवस में कोई नाच गान नही हुआ दिशुम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में केवल इसे संकल्प दिवस के रूप में मनाया गयाः बबलू मुंडा

रांचीः केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा की अगुवाई में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के समाधी स्थल पर 151मिट्टी का दीपक जलाकर एवं भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर झारखंड के सभी वीर शहीदों को याद कर उन्हें नमन किया।

बरवे चाँद नगर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर किया वृक्षारोपण

आम पेड़ का दिशोम गुरु शिबू सोरेन रखा जिसका पहला फल गुरूजी के वंशज खायेंगेःजहुरअंसारी

ओरमांझी(मोहसीन):ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के बरवे चाँद नगर में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सह वरिष्ठ समाजसेवी जहुर अंसारी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित कर दिशोम गुरु पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के नाम पर फलदार आम का वृक्षारोपण कर गुरु जी को श्रद्धांजलि दिया गया,मौके पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जहुर अंसारी ने बताया कि जिस तरह शिबू सोरेन लोगों के समस्याओं पर हमेशा छत्रछाया बने रहते थे उसी तरह यह यह पेड़ लोगों को गर्मी सहित अन्य मौसमों में हमेशा छाया देता रहेगा एवं गुरु के मिठास बोली की तरह इस पेड़ राहगीरों को मिठास फल खिलाएगी।वहीं जहुर अंसारी ने बताया की आम पेड़ का नाम दिशोम गुरु शिबू सोरेन होगा,पेड़ का पहला आम गुरूजी के वंशज भेजा जायेगा,वहीं जहुर अंसारी ने बताया की मेरा कामना हैं की हर साल इस पेड़ का वर्षगांठ बना कर जननायक शिबू सोरेन को याद किया जाएगा।इस अवसर पर समाज सेवी अख्तर अंसारी, नागेश्वर महतो मुमताज आलम हारून रशीद अबुतालिब अंसारी,गुलजार अंसारी,वसीम अख्तर,आदिल अंसारी, आजाद अंसारी,वाहिद अंसारी, वसीम अंसारी,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बकरी को लेकर दो महिलाओं में हुई जमकर मारपीट

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)। गालूडीह थाना क्षेत्र के भालुखकुडिया में लक्ष्मी प्रिया महतो की बकरी संतोषी गोराई के घर में घुस कर सब्जी की खेती को चर गई और कुछ पेड़ खा गए उसको लेकर दोनों महिलाओं में जमकर मारपीट हुई। इसके बाद मामला गालूडीह थाना आया जिसमें संतोषी गोराई के पति अरूण गोराई ने समझौता कर घायल लक्ष्मी प्रिया का खर्च देने की बात स्वीकार की। इसके बाद इलाज में लग रहे खर्च को देखते हुए अरूण गोराई ने पैसे देने से इंकार कर दिया। रविवार को लक्ष्मी प्रिया महतो ने गालूडीह थाना में लिखित मामला दर्ज किया जिसमें उन्होंने लिखा कि अरुण गोराई, संतोषी गोराई सहित उसकी दोनों बेटियों ने मिलकर पीटा उसके साथ ही साथ मेरी बहन और आठ महीने के बच्चे को भी मारा।

महाकालेश्वर धाम गगारी पहाड़ उलातु में श्रावणी मेला समापन पर उमड़ा जनसैलाब

मंदिर परिसर में चारदीवारी का भी उद्घाटन

ओरमांझी(मोहसीन):श्रावण मास के पावन अवसर महाकालेश्वर धाम गगारी पहाड़,उलातु ओरमाझी में पिछले एक महिने से चला आ रहा श्रावणी मेला का समापन पर भव्य मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन भाजपा के राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहु पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहु के मद से निर्मित मंदिर परिसर के बगल में चारदीवारी का भी विधिवत उद्घाटन किया गया, मेला के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भव्य महा भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। साथ ही नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जो मेला का मुख्य आकर्षक बना रहा जिसके गानो और नृत्यों पर लोग झुमते रहे.वहीं मौके पर मुख्य अतिथि सांसद आदित्य प्रसाद साहु ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा "जहां देवी-देवताओं का आशीर्वाद, साफ नियत और सकारात्मक सोच होगी, वहां प्रगति को कोई ताकत नहीं रोक सकती।" वहीं पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने आयोजन की सराहना करते हुए महाकालेश्वर धाम के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला और आयोजकों को धन्यवाद दिया। मेला के सफल संचालन में अमरनाथ चौधरी (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा), मानकी राजेंद्र शाही, दिलीप मेहता, अमित राज, ललिता मेहता, सत्यदेव मुंडा, सोनाराम मुंडा, अजीत मेहता, सत्यनारायण तिवारी, अलख नाथ महतो, अरुण मंडल, शशि मेहता, अरविंद कुमार उर्फ बबलू, सत्यम राज कुशवाहा, अजय मुंडा, छेदी महतो, राजू मुंडा, खलेश्वर महतो, महेंद्र मुंडा, सुरेश मेहता, संतोष कुशवाहा, राजकिशोर साहु, शशि भूषण कुमार, दिनेश महतो सहित समिति के सभी पदाधिकारी सदस्यों का योगदान रहा रहा। कार्यक्रम में कलाकार अंजलि देवी, अमित मुंडा और प्रभात कुमार की ऑर्केस्ट्रा टीम ने एक से बढ़कर एक गीत-संगीत प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

धूमधाम से मनाया गया सावन मिलन समारोह

रांचीः डीएवी शिक्षा दीप विद्यालय कमड़े मे प्राचार्य ए.के. राय के निर्देशन मे फैंसी ड्रेस, राखी,मेहदीं एवं सावन मिलन समारोह का आयोजन हुआ।इस महोत्सव मे सभी बच्चे एवं अविभावकगण बढ़ चढ़ कर भाग लिए।कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक राखियां बनाई,मेहंदी के खूबसूरत कलाकृतियां दिखाई एवं सावन पर आधारित, फैंसी ड्रेस,पेंटिंग,नृत्य गान,अंतराक्षरी,वाद विवाद एवं प्रश्नोत्तरी हुई जिसमे सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक ज्ञानवर्धक जानकारियां दी।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

देश में समस्याओं की भरमार और कांग्रेस की डिनर डिप्लोमेसी

यह सच है कि हमारा प्यारा हिंदुस्तान आज समुद्र के गर्त में छुपे रहस्यों को जानने और चांद में क्या चल रहा है इसकी जानकारी वहीं पहुंचकर हासिल करने में सक्षम हो चुका है। यह हमारे वैज्ञानिक जगत की सफलता का चरम पक्ष है। इस गौरवमयी उपलब्धियों से हमें और आगे जाना है, क्योंकि आसमान नापना अभी भी दुनियां के कथिततौर पर चौधरी बनने वाले देशों के वश की भी बात नहीं। हॉं, भारत इसे पूरा करके जरुर दिखा सकता है। इसकी सीधी और सच्ची वजह यह है कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। जो हमें सिखाती है कि पृथ्वी को परिवार मानकर विश्व का कल्याण करना सबसे महत्वपूर्ण है। पर यह सब तभी संभव होगा जबकि हम वैश्विक चुनौतियों से पहले अपने देश में मौजूद अजगर के समान बढ़ रहीं समस्याओं से निजाद पा लें। वर्तमान में देश कई जटिल समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती देश में मौजूद आर्थिक असमानता है। देश का संपन्न वर्ग लगातार और धनवान होता चला जा रहा है, जबकि अधिकांश लोग गरीबी रेखा के ईद-गिर्द ही बने हुए किसी तरह से अपना जीवनयापन करते नजर आ रहे हैं। अमीर और गरीब के बीच की यह चौड़ी खाई यदि और बढ़ती है तो देश की सुख-शांति को भी यह खा सकती है। इसलिए इसका समाधान समय रहते करना ही होगा। इससे हटकर पढ़े-लिखे वर्ग में बेरोजगारी का जो प्रतिशत बढ़ रहा है वह भी गंभीर बात है। वहीं देश का प्रत्येक तबका बढ़ती महंगाई से परेशान नजर आ रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य की कमजोर व्यवस्था अपने आप में समस्या बनी हुई है। भ्रष्टाचार चरम पर है, रिश्वतखोरी बदस्तूर जारी है, अपराध का रेशो लगातार बढ़ रहा, जिसे आंकड़ों की बाजीगरी से घटाने की कोशिश भी की जा रही है। आतंकियों की घुसपैठ और आमजन के साथ ही हमारे जवानों का शहीद होना कोई छोटी-मोटी समस्या का हिस्सा नहीं है। इन सब में जलवायु संकट, कृषि संकट और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति देशवासियों का घटता भरोसा किसी ज्वलंत समस्या से कम नहीं है। इन सब के लिए किसे दोषी ठहराया जाए, क्योंकि मुल्क के असली मालिकों ने यदि सत्ता चलाने के लिए स्थिर सरकारें दीं हैं तो सिर्फ इसलिए कि देश का कल्याण हो, न कि मनमर्जी से उन्हीं पर शासन करने के लिए बहाने-बहाने से कोड़े बरसाए जाएं। मौजूदा सरकार जिस विकास की बात कर रही है वह चंद लोगों के लिए है, जबकि देश की आमजनता उससे अछूती ही है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी बन जाती है कि वो महज चुनावी जीत तक सीमित न रहें, बल्कि इन समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस नीतियां और कार्ययोजनाएं बनाएं। मगर अफसोस कि भारतीय राजनीति की दिखावटी एकजुटता भी असली मुद्दों से दूर नजर आ रही है। इनके पास ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले मुद्दे जो हैं, जिनके दम पर ये अपना हित साधने में लगे रहते हैं।

थोड़ी देर के लिए इन सब से हटकर विचार करें कि अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान क्या किया, भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ गया। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा वह वाकई विचारणीय है। दरअसल उनका कहना है कि आज दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे क्योंकि वे आर्थिक तौर पर मजबूत हैं और उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी है। ऐसे में उन्होंने निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने का सजेशन दे दिया है। इस पर तो वो खुद भी अमल कर सकते हैं, क्योंकि वर्तमान सरकार का वो हिस्सा हैं। सरकार में रहते हुए नीतियां बनाना और उन्हें अमल में लाना आसान होता है, जबकि विपक्ष में रहते हुए सरकार के काम-काज की खामियां गिनाना आसान होता है, लेकिन उन्हें दूर करने के लिए रास्ता सुझाते हुए उसे मनवा लेना बहुत कठिन काम होता है। यह सच है कि हम आत्मनिर्भर बनकर दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विश्वगुरु का सच्चा तमगा हासिल कर सकते हैं, पर यह तभी संभव होगा जबकि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होगी। इसी बीच खबर है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 11 अगस्त को इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर पार्टी देने जा रहे हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने भी विपक्षी नेताओं को डिनर पर बुलाया था, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किए जाने के साथ ही वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने की शपथ भी ली गई थी। यदि यह डिनर डिप्लोमेसी इतनी ही कारगर साबित हो रही है तो इसे वाकई आगे भी जारी रखा जाना चाहिए, वर्ना यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी देश में एक तबका ऐसा मौजूद है जिसे दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। इस सिस्टम को सुधारने के साथ ही उसकी चिंता करने की भी आवश्यकता है।

एक राजनीतिक सच्चाई : राहुल के शुक्रगुजार मोदी जी....!

ओमप्रकाश मेहता

पुराने फिल्मी गानों के शौकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी इन दिनों एक ही पुराना फिल्मी गीत गुनगुनाते नजर आ रहे है और वह है- ''बहुत शुक्रिया... बड़ी मेहरबानी.... मेरी जिन्दगी में हुजूर आप आए.. चरण चूम लूं या आँखें बिछा दूँ, करूँ क्या ये मेरी समझ में न आए.. बहुत शुक्रिया....'' यहां यह याद रहे पत्नी परित्यक्ता ब्रम्हचारी मोदी जी यह रोमांटिक गीत किसी मोहरता के लिए नही बल्कि कांग्रेसी नेता राहुल गांधी जी के लिए गुनगना रहे है, क्योंकि जाहिरतौर पर नही लेकिन मन ही मन वे यह मानते है कि प्रधानमंत्री पद की इतनी लम्बी पारी के लिए उनके अपने सत्कर्म नही बल्कि लड़कपन के दौर से गुजर रहे प्रतिपक्ष कांग्रेस नेतृत्व का सबसे अहम् योगदान है और यही आज की सच्चाई भी है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और उनकी बेटी इंदिरा जी के बाद मोदी जी लम्बी पारी खेलने वाले प्रधानमंत्री है, जवाहर लाल जी सत्रह साल तो इंदिरा जी अठारह साल प्रधानमंत्री पद पर रहे और अब मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के ग्यारह साल पूरे होने जा रहे है और अभी चार साल तो और उनका मार्ग प्रशस्त है, अर्थात् वे प्रधानमंत्री पद के पन्द्रह साल तो पूरे करेगें ही, जबकि कांग्रेस के तीसरे प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की पारी ग्यारह साल में ही पूरी हो गई थी। इस प्रकार मोदी जी लम्बी पारी वाले तीसरे प्रधानमंत्री है, मोदी जी की इस महान उपलब्धि के पीछे उनके जनहितैषी व राष्ट्र समर्पित कार्य तो है ही किंतु इसके साथ ही संसदीय राजनीति में उनका कोई प्रबल विरोधी नही होना भी उनकी इस उपलब्धि का एक बड़ा कारण है, क्योंकि अब अटल-आडवानी और सुषमा स्वराज जैसे नेता प्रतिपक्ष संसद में नही रहे, कमजोर प्रतिपक्ष का यदि किसी ने पूरा राजनीतिक लाभ उठाया है तो वे सौभाग्यशाली मोदी जी ही है और यदि यही मौजूदा राजनीतिक सिलसिला चलता रहा तो प्रधानमंत्री पद पर कीर्तिमान स्थापित करने से मोदी जी को कोई नही रोक सकता, इसीलिए मोदी जी प्रसिद्ध पूराने गीत की पंक्तियां इन दिनों गुनगनाते नजर आ रहे है.... और अब तो वे सार्वजनिक रूप से कहने भी लगे कि- ''प्रतिपक्ष अपने ही पैरो पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर हो गया है'', यह सही इसलिए भी है क्योंकि आज भारतीय राजनीति में मुख्य मुकाबला सुदीर्घ अनुभवी राजनेता और लड़कपन सम्पन्न राजनीतिक बच्चे के बीच है, जिसका लाभ सुदीर्घ अनुभवी को मिल रहा है। ....और यही आज की इस राजनीति की सच्चाई भी है, इसीलिए राजनीतिक पंडित और भविष्यवक्ता मोदी जी के भावी प्रधानमंत्रितव काल को सुदीर्घ बता रहे है, किंतु इस बारे में राजनीतिक पंडितों की यह भी सोच है कि किसी भी प्रजातांत्रिक देश के सुदीर्घ जीवन के लिए मजबूत व अनुभवी प्रतिपक्ष का होना भी जरूरी है, जो आज भारत में नही है और जहां तक नेता प्रतिपक्ष का सवाल है, उन पर सर्वोच्च न्यायालय की फटकार तक कोई असर नही कर रही है, वे अपनी बचकानी अनुभव हीन हरकतों से बाज नही आ रहे है और यही मुख्य वजह है कि मोदी जी के प्रधानमंत्रित्व काल को सुदीर्घ माना जा रहा है, अब इसे भारत के लिए सौभाग्य कहा जाए या दुर्भाग्य? यह राजनीतिक पंडितों व भविष्य वक्ताओं पर निर्भर है, यहां तो एकमात्र सच्चाई यही है कि लड़कपन से परिपूर्ण प्रतिपक्ष मोदी जी के लिए सुदीर्घ आशीर्वाद ही है, जो उनके राजनीतिक जीवन के लिए 'संजीवनी' बना हुआ है।

लाड़ली बहना के चेहरों पर मोहन भैया ने लौटाई मुस्कान

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में नई उम्मीदें जगाई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह योजना न केवल महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता का स्रोत बनी है, बल्कि उनके चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास भी लौटाने में सफल रही है।

लाड़ली बहना योजना मध्यप्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने की 10 से 15 तारीख को 1,250 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। 2025 तक इस योजना के तहत 1.27 करोड़ से अधिक महिलाओं को 19,212 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

लाड़ली बहना योजना की शुरुआत मध्यप्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से की गई थी। हर महीने 1250 रुपये की राशि से न केवल उनकी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा हो रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है। डॉ. मोहन यादव ने इस योजना को सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव का माध्यम भी बनाया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में यह योजना अब तक सवा करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुकी है और इसके तहत 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। लाड़ली बहना योजना से मध्यप्रदेश की महिलाओं के जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं। योजना से प्रतिमाह मिलने वाली मासिक सहायता राशि ने जहां एक तरफ महिलाओं को छोटे-मोटे खर्चों के लिए आत्मनिर्भर बनाया है वहीँ इससे वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं। यहीं नहीं इस योजना ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। वे अब अपने परिवार और समाज में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

प्रदेश सरकार के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना को बंद करने की विपक्षी दलों द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए शुरू की गई थी और इसे हर हाल में जारी रखा जाएगा। विपक्ष के दावों को झूठा करार देते हुए सरकार ने कहा कि यह योजना न केवल निर्बाध रूप से जारी रहेगी, बल्कि भविष्य में इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा। डॉ. मोहन यादव ने इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए भविष्य में इसकी राशि को बढ़ाने का वादा भी प्रदेश की जनता से किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने हाल ही में घोषणा की कि भईया दूज के साथ लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उनके द्वारा पिछले दिनों कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में इस राशि को 3,000 रुपये तक बढ़ाने की बात भी कही है। यह निर्णय महिलाओं के लिए आर्थिक स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ. मोहन यादव ने सुनिश्चित किया कि योजना की राशि समय पर और पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों के खातों में पहुंचे।

डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता, जमीनी जुड़ाव और योजना को और बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता ने इसे और प्रभावी बनाया है। यह योजना निश्चित रूप से मध्य प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का एक नया अध्याय लिख रही है और इसके लिए डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता और नेतृत्व को श्रेय जाता है। इस योजना के पीछे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच और संकल्प है जिन्होंने न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है बल्कि उनके चेहरों पर मुस्कान भी लौटाई है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि यह योजना उनकी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता में है और इसे भविष्य में और सशक्त किया जाएगा। डॉ.मोहन यादव की प्रतिबद्धता ने महिलाओं के बीच भरोसा कायम रखा है। इसके अलावा योजना की राशि को समय पर हस्तांतरित करने से लाडली बहनाओं के बीच भरोसा बरकरार है। हर महीने की 10 से 15 तारीख के बीच राशि हस्तांतरण का उत्सव पूरे प्रदेश में देखा जा सकता है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार ने लाड़ली बहना योजना के अलावा भी महिलाओं के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। एक तरफ अब तक जहाँ 850 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई जिससे एक लाख से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं वहीँ 19 लाख से अधिक बालिकाओं को सेनिटेशन और हाइजीन योजना के तहत 57 करोड़ 18 लाख रुपये की राशि दी गई। आज सरकार द्वारा महिलाओं को छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रशिक्षण और ऋण सुविधाएं आसानी से प्रदान की जा रही हैं।

ये सभी प्रयास डॉ. मोहन यादव की उस सोच को दर्शाते हैं जिसमें महिलाएं न केवल परिवार की रीढ़ हैं, बल्कि राष्ट्र , समाज और अर्थव्यवस्था की प्रगति में भी बराबर की भागीदार हैं।

लाड़ली बहना से जुडी प्रदेश की महिलाओं के चेहरे इन दिनों ख़ुशी से खिले हुए हैं। इस बार उनके मोहन भैया 27 वीं किश्त के साथ रक्षाबंधन का शगुन भी देने वाले हैं। 7 अगस्त को लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए की अतिरिक्त राशि दी जायेगी, जो रक्षाबंधन पर भाई की तरफ से छोटा सा उपहार है। यह राशि प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपए से अतिरिक्त होगी। मोहन भैया रक्षाबंधन पर नरसिंहगढ़ से 250 रू का शगुन देकर लाड़ली बहनों का दिल जीतने की कोशिश कर रहे हैं। डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रक्षा-सूत्र केवल धागा नहीं लाड़ली बहनों की रक्षा, सहयोग और स्वप्नों को साकार करने का संकल्प भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के मिशन को विजन बनाते हुए डॉ. मोहन यादव का लक्ष्य मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करना और हर महिला को आत्मनिर्भर बनाना है। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की महिलाएं मेरी बहने हैं यह मेरा मान है, सम्मान है, बहनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि जैसे मोदी सरकार लोकसभा-विधानसभा में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है, उसी तरह हमारी सरकार भी महिलाओं के रोजगार और उनकी आर्थिक तरक्की के लिए संकल्पित है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश की महिलाओं के जीवन में एक नया अध्याय जोड़ा है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के आत्मसम्मान, स्वतंत्रता, और सपनों को पंख देने का माध्यम बनी है। डॉ.यादव की संवेदनशीलता, दृढ़संकल्प और समर्पण ने रक्षाबंधन पर प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के चेहरों पर मुस्कान लौटाई है।

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का ?

निर्मल रानी

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफ़ाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फ़ैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की कारगुज़ारियों पर सवाल उठने लगे हैं । सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आख़िर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की ज़िम्मेदारी आख़िर किस एजेंसी की है ? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने,कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने,इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई ? गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद,ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाया। इस फ़ैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। ग़ौर तलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे । यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोज़ाना लाखों यात्री सफ़र करते हैं।

इसी तरह का दूसरा फ़ैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन आई ए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फ़ोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फ़ैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाक़े में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फ़ोट में फ़रहीन उर्फ़ शगुफ्ता शेख़ लियाक़त, शेख़ मुश्ताक़ यूसुफ़, शेख़ रफ़ीक़ मुस्तफ़ा, इरफ़ान ज़ियाउल्लाह ख़ान , सैयद अज़हर सैयद निसार, और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमज़ान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फ़ोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था। । इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ़्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर ग़ैर क़ानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), भारतीय दंड संहिता (IPC), और विस्फ़ोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे । अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फ़ोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फ़ोटक सामग्री यानी आर डी एक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय ए टी एस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन अभिनव भारत की साज़िश के तहत किया गया था। इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के ख़िलाफ़ एक मामले में सी बी आई की क्लोज़र रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फ़ैसला सुनाते हुये कहा कि सी बी आई को लंबी जांच के बाद भी जैन के ख़िलाफ़ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले । अब आरोप लग रहा है कि ई डी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की। क्योंकि ED ने जैन के घर से नक़द या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ई डी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे । उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का ज़िक्र यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल है प्रोफ़ाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्ख़ियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीक़े से मिडिया ट्रायल भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फ़ैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों,साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाज़िमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सज़ा नहीं होनी चाहिये। ज़ाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है। परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सज़ा की दर केवल 1% होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं ? इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल क़ानूनी प्रक्रिया के चलते ATS द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सज़ा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे।

इसी तरह UAPA के तहत सज़ा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सज़ा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में जहां वर्षों बाद बरी होने वाले आरोपियों का जीवन बर्बाद हो जाता है और उनका पूरा परिवार गंभीर आरोपों के इस कलंक के साथ जीने के लिये अभिशप्त हो जाता है वहीं जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता भी संदेह के दायरे में आ जाती है।

खुदीराम बोस की शहादत से देश में भड़क उठे स्वतंत्रता संग्राम के शोले

कुमार कृष्णन

उनका बचपन बस बीता ही था, उनके साथी जब पढ़ाई और परीक्षा के बारे में सोच रहे थे, वह क्रांति की मशाल रौशन कर रहे थे, जिस उम्र में लोग जिंदगी के हसीन ख्वाब बुनते हैं, वह वतन पर निसार होने का जज्बा लिए हाथ में गीता लेकर फांसी के फंदे की तरफ बढ़ गए और देश की आजादी के रास्ते में अपनी शहादत का दीप जलाया। यह थे अमर शहीद खुदीराम बोस। खुदीराम के बगावती तेवरों से घबराई अंग्रेज सरकार ने मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्हें फांसी पर लटका दिया, लेकिन उनकी शहादत ऐसा कमाल कर गई कि देश में स्वतंत्रता संग्राम के शोले भड़क उठे। 11 अगस्त, 1908 को ब्रिटिश सरकार ने सिर्फ 18 साल की उम्र में उन्हें फांसी पर लटका दिया था।

खुदीराम बोस का वह उत्साह आज भारत में ब्रिटिश राज के खिलाफ आंदोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है, तो इसका मतलब यह है कि वह केवल उत्साह नहीं था, बल्कि गुलामी थोपने वाली किसी सत्ता की जड़ें हिला देने वाली भूमिका थी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महज उन्नीस साल से भी कम उम्र में उसी हौसले की वजह से खुदीराम बोस को फांसी की सजा दे दी गई। लेकिन यही से शुरू हुए सफर ने ब्रिटिश राज के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन की ऐसी नींव रखी कि आखिकार अंग्रेजों को इस देश पर जमे अपने कब्जे को छोड़ कर जाना ही पड़ा।

बंगाल के मिदनापुर जिले के हबीबपुर गांव में त्रैलोक्य नाथ बोस के घर 3 दिसंबर 1889 को खुदीराम बोस का जन्म हुआ था, लेकिन बहुत ही कम उम्र में उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। माता-पिता के निधन के बाद उनकी बड़ी बहन ने मां-पिता की भूमिका निभाई और खुदीराम का लालन-पालन किया था। इतना तय है कि उनके पलने-बढ़ने के दौरान ही उनमें प्रतिरोध की चेतना भी विकसित हो रही थी। दिलचस्प बात यह है कि खुदीराम ने अपनी स्कूली जिंदगी में ही राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। तब वे प्रतिरोध जुलूसों में शामिल होकर ब्रिटिश सत्ता के साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाते थे, अपने उत्साह से सबको चकित कर देते थे। यही वजह है कि किशोरावस्था में ही खुदीराम बोस ने अपने भीतर के हौसले को उड़ान देने के लिए सत्येन बोस को खोज लिया और उनके नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध मैदान में कूद पड़े थे। तब 1905 में बंगाल विभाजन के बाद उथल-पुथल का दौर चल रहा था। उनकी दीवानगी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने नौवीं कक्षा की पढ़ाई भी बीच में ही छोड़ दी और अंग्रेजों के खिलाफ मैदान में कूद पड़े। तब रिवोल्यूशनरी पार्टी अपना अभियान जोर-शोर से चला रही थी और खुदीराम को भी एक ठौर चाहिए था जहां से यह लड़ाई ठोस तरीके से लड़ी जाए।

खुदीराम बोस ने डर को कभी अपने पास फटकने नहीं दिया, 28 फरवरी 1906 को वे सोनार बांग्ला नाम का एक इश्तिहार बांटते हुए पकड़े गए। लेकिन उसके बाद वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। 16 मई 1906 को पुलिस ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया। लेकिन इस बार उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इसके पीछे

वजह शायद यह रही होगी कि इतनी कम उम्र का बच्चा किसी बहकावे में आकर ऐसा कर रहा होगा। लेकिन यह ब्रिटिश पुलिस के आकलन की चूक थी। खुदीराम उस उम्र में भी जानते थे कि उन्हें क्या करना है और क्यों करना है। अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ उनका जुनून बढ़ता गया और 6 दिसंबर 1907 को बंगाल के नारायणगढ़ रेलवे स्टेशन पर आंदोलनकारियों के जिस छोटे से समूह ने बम विस्फोट की घटना को अंजाम दिया, उसमें खुदीराम प्रमुख थे। इतिहास में दर्ज है कि तब कलकत्ता में किंग्सफोर्ड चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट को बहुत ही सख्त और बेरहम अधिकारी के तौर पर जाना जाता था। वह ब्रिटिश राज के खिलाफ खड़े होने वाले लोगों पर बहुत जुल्म ढाता था। उसके यातना देने के तरीके बेहद बर्बर थे, जो आखिरकार किसी क्रांतिकारी की जान लेने पर ही खत्म होते थे। बंगाल विभाजन के बाद उभरे जनाक्रोश के दौरान लाखों लोग सड़कों पर उतर गए और तब बहुत सारे भारतीयों को मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड ने क्रूर सजाएं सुनाईं। इसके बदले ब्रिटिश हुकूमत ने उसकी पदोन्नति कर दी और मुजफ्फरपुर जिले में सत्र न्यायाधीश बना दिया। उसके अत्याचारों से तंग जनता के बीच काफी आक्रोश फैल गया था। इसीलिए युगांतर क्रांतिकारी दल के नेता वीरेंद्र कुमार घोष ने किंग्सफोर्ड मुजफ्फरपुर में मार डालने की योजना बनाई और इस काम की जिम्मेदारी खुदीराम और प्रफुल्ल चाकी को दी गई।

तब तक बंगाल के इस वीर खुदीराम को लोग अपना आदर्श मानने लगे थे। बहरहाल, खुदीराम और प्रफुल्ल, दोनों ने किंग्सफोर्ड की समूची गतिविधियों, दिनचर्या, आने-जाने की जगहों की पहले रेकी की और अपनी योजना को पुख्ता आधार दिया। उस योजना के मुताबिक दोनों ने किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम से हमला भी किया। लेकिन उस बग्घी में किंग्सफोर्ड की पत्नी और बेटी बैठी थी और वही हमले का शिकार बनीं और मारी गईं। इधर खुदीराम और प्रफुल्ल हमले को सफल मान कर वहां से भाग निकले। लेकिन जब बाद में उन्हें पता चला कि उनके हमले में किंग्सफोर्ड नहीं, दो महिलाएं मारी गईं, तो दोनों को इसका बहुत अफसोस हुआ। लेकिन फिर भी उन्हें भागना था और वे बचते-बढ़ते चले जा रहे थे। प्यास लगने पर एक दुकान वाले से खुदीराम बोस ने पानी मांगा, जहां मौजूद पुलिस को उनपर शक हुआ और खुदीराम को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन प्रफुल्ल चाकी ने खुद को गोली मार ली।

बम विस्फोट और उसमें दो यूरोपीय महिलाओं के मारे जाने के बाद ब्रिटिश हुकूमत के भीतर जैसी हलचल मची थी, उसमें गिरफ्तारी के बाद फैसला भी लगभग तय था। खुदीराम ने अपने बचाव में साफ तौर पर कहा कि उन्होंने किंग्सफोर्ड को सजा देने के लिए ही बम फेंका था। जाहिर है, ब्रिटिश राज के खिलाफ ऐसे सिर उठाने वालों के प्रति अंग्रेजी राज का रुख स्पष्ट था, लिहाजा खुदीराम के लिए फांसी की सजा तय हुई। 11 अगस्त 1908 को जब खुदीराम को फांसी के तख्ते पर चढ़ाया गया, तब उनके माथे पर कोई शिकन नहीं थी, बल्कि चेहरे पर मुस्कुराहट थी। यह बेवजह नहीं है कि आज भी इतिहास में खुदीराम महज ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ नहीं, बल्कि किसी भी जन-विरोधी सत्ता के खिलाफ लड़ाई के सरोकार और लड़ने के हौसले के प्रतीक के रूप में ताकत देते हैं।

कॉमन एडमिशन टेस्ट के लिए 13 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

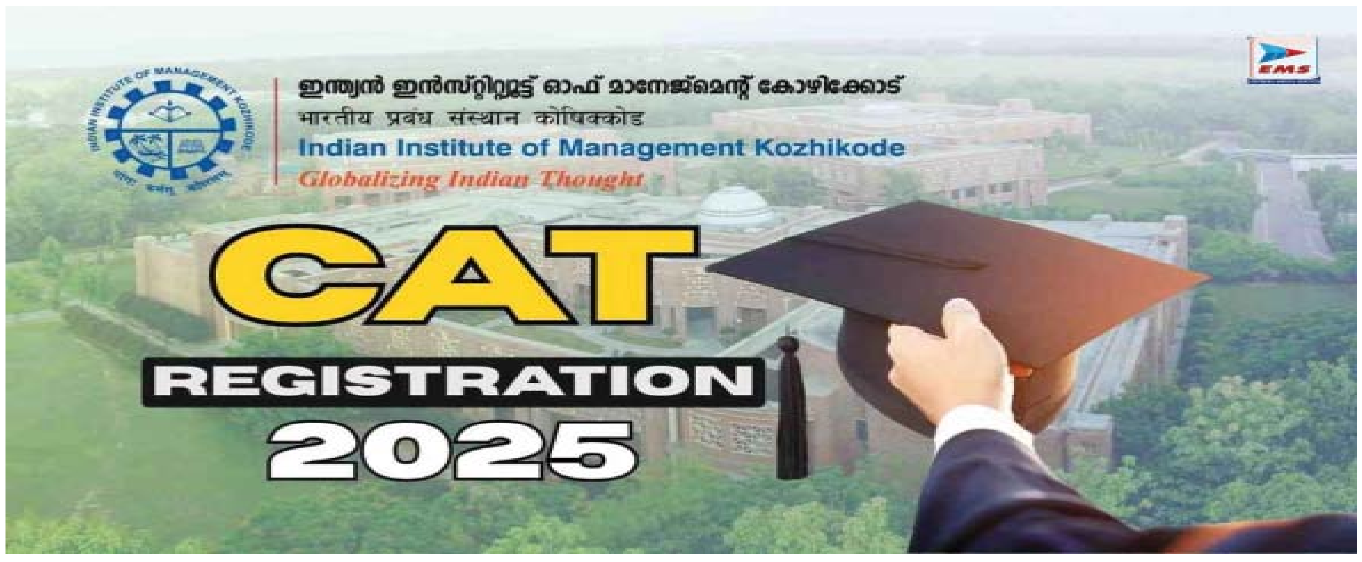

भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड की ओर से कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। कैंडिडेट्स को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। कैंडिडेट्स पोर्टल पर मांगी गई जानकारी दर्ज करके 13 सितंबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस साल आईआईएम कोझिकोड द्वारा कैट एग्जाम 2025 आयोजित करवाया जाएगा। कैट के लिए जरुरी डॉक्यूमेंट्स
कक्षा 10 की मार्कशीट
कक्षा 12 की मार्कशीट
ग्रेजुएशन अंकपत्र
पासपोर्ट आकार का फोटो
हस्ताक्षर
श्रेणी प्रमाणपत्र (यदि आवश्यक हो)

पहचान पत्र

डेट्स
कैट परीक्षा के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट 13 सितंबर 2025 है। वहीं एडमिट कार्ड 05 नवंबर 2025 तक जारी होगा और एग्जाम 30 नवंबर 2025 को आयोजित होगा। वहीं संभावना है कि जनवरी 2026 में रिजल्ट जारी किया जाएगा।
एडमिट कार्ड की डेट - 05 नवंबर 2025
एग्जाम डेट - 30 नवंबर 2025
एग्जाम सेंटर
करीब 170 परीक्षा केंद्रों पर कॉमन एडमिशन टेस्ट का एग्जाम आयोजित किया जाएगा। ऐसे में कैंडिडेट्स को अपनी पसंद के हिसाब से कोई भी पांच परीक्षा शहर चुनने की अनुमति होगी। कैंडिडेट्स को यह ध्यान रखना होगा कि कैट प्राधिकारियों के विवेक के आधार पर शहरों की सूची परिवर्तन के अधीन हो सकती है।
आवेदन फीस
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग वर्ग के कैंडिडेट्स को 1,300 रुपए का भुगतान करना होगा। वहीं अन्य श्रेणियों के कैंडिडेट्स को 2,600 रुपए आवेदन फीस देना होगा। वहीं रजिस्ट्रेशन फीस सिर्फ एक बार ही देनी होगी। फिर चाहे वह कितने ही संस्थानों में आवेदन कर रहे हों। इस बात का ध्यान रखें कि एक बार किया गया भुगतान शुल्क वापस नहीं होगा।
ऐसे में ऑनलाइन पंजीकरण
सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और नए उम्मीदवार पंजीकरण टैब तक पहुंचने के लिए नीचे स्क्रॉल करें।
अब रजिस्टर बटन पर क्लिक करें और अपना विवरण दर्ज करें। इसके बाद एक नया खाता बनाएं।
फिर अपने यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करने लॉगइन करें।
डैशबोर्ड में कैट 2025 पंजीकरण टैब पर जाएं।
इसके बाद अपना व्यक्तिगत विवरण डालें।
ऑनलाइन पंजीकरण फीस का भुगतान करें और सबमिट दबाएं।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, शुक्रोदय, पूर्वे तिथि, दोइज सोमवार, शतभिषा नक्षत्रे, अभय योगे, गर करणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा 42/32 अन्न प्रासन्न व्यापार धान्य छेदन, धान्य रोपण, औषधि सेवन, वाहन क्रय, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, दार्शनिक, सुन्दर-सुशील तथा कोमल हृदय वाला, सोने-चांदी का व्यापारी, चूना-छुई तथा दूध का व्यापारी, उत्तम वृत्ति वाला वक्ता होगा।
मेष :- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होता रहेगा।
वृष :- कलह, अभिष्ट सिद्धी, धन लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, मांगलिक कार्य अवश्य बनेंगे।
मिथुन :- भय, व्यापार लाभ, सुख, सामाजिक कार्यों में व्यवधान, परेशानी अवश्य बनेगी।
कर्क :- विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, चिन्ता, धार्मिक कार्यों में विरोध होगा।
सिंह :- स्त्री संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक सुधार होगा, प्रतिष्ठा अवश्य बढ़े।
कन्या :- भूमि लाभ, प्रवास कष्ट, व्ययभार बढ़ेगा, शुभ समाचार तथा प्रसन्नता का योग है।
तुला :- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, व्यर्थ धन का नाश होगा, खर्च से परेशानी बढ़ेगी।
वृश्चिक :- थोड़ा लाभ, खेती की चिंता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक रहेगी।
धनु :- घरु सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे, ध्यान दें।
मकर :- हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में लाभ व्यय बढ़ेगा।
कुम्भ :- भय, हानि, स्त्री सुख, कार्य सिद्धी, जमीन-जायजाद के कार्यों में सफलता अवश्य मिले।
मीन :- विद्या बाधा, विवाद, चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ, सफलता मिलेगी।

साक्षात्कार में भ्रामक जवाब न दें

सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में साक्षात्कार बेहद कठिन माना जाता है और इसकी तैयारी करते समय पूरी तरह गंभीर होना जरुरी है। साक्षात्कार द्वारा प्रतियोगी की आवेदित पद हेतु क्षमता का सही-सही आकलन किया जाता है। यह आकलन संबंधित विषयों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, इसलिए प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतही ज्ञान के बल पर भ्रामक उत्तर न दें। बेहतर तो यही होगा कि राज्य सेवा के अंतर्गत उपलब्ध पदों के लिए आवेदन करते समय ही उन पदों की प्रकृति तथा आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उसकी पूर्ति हेतु सभी संभावित क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करें।
अकसर देखा गया है कि साक्षात्कार के दौरान प्रत्याशी से पहला सवाल यही किया जाता है कि उसने सिविल सेवा का क्षेत्र ही क्यों चुना या आवेदित पद के लिए ही वह क्यों आवेदन कर रहा है।
प्रत्याशियों के पास इसका सौद्देश्यपूर्ण जवाब होना चाहिए। महज देशसेवा, समाजसेवा जैसे उत्तर पर्याप्त नहीं होते हैं। जब तक प्रत्याशियों को इस बात का ज्ञान न हो कि साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे या क्या किया जाएगा तब तक वे इसकी पूर्णरूपेण तैयारी भी नहीं कर पाएँगे। आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षाओं की मौखिक परीक्षाओं (वाइवा) जैसा नहीं होता है और न ही अन्य नौकरियों के लिए लिए जाने वाले साक्षात्कार की तरह प्रत्याशियों की खिंचाई वाला होता है। इसके बोर्ड में बैठने वाले सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होने के साथ ही साक्षात्कार लेने के प्रति अत्यंत गंभीर होते हैं। वे प्रत्याशियों को परेशान कर उलझाने के स्वाभाविक तरीके से बातचीत के लहजे में साक्षात्कार लेते हैं।
उनका उद्देश्य प्रत्याशियों की प्रतिक्रया, व्यवहार, आत्वविश्वास, दृढ़ निश्चयता, सकारात्मकता, नकारात्मकता, अभिरुचि, निर्णय लेने की क्षमता, उसकी पृष्ठभूमि आदि का आकलन होता है। वे टालमटोल कर भ्रामक जवाब के बजाय ईमानदारीपूर्वक प्रत्याशियों द्वारा प्रश्न के उत्तर न जानने के जवाब को ज्यादा तरजीह देते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञाता नहीं होता है।
साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास तथा निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएँ तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होता है। हाँ, इसके लिए ज्यादा ज्ञान बघारने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके ज्ञान के प्रमाण स्वरूप मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों की सूची उनके पास पहले ही उपलब्ध होती है। साक्षात्कार में बड़बोलेपन की बजाय मितभाषी प्रत्याशी के चयन की संभावना ज्यादा होती है, क्योंकि वह साक्षात्कार हेतु निर्धारित 15-20 मिनट में साक्षात्कार लेने वालों के ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकता है।
साक्षात्कार के समय केवल विषयगत ज्ञान की जानकारी नहीं ली जाती। अपने प्रदेश, उसके राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक स्थिति की जानकारी ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए तथा समसामयिक विषयों की जानकारी के साथ-साथ समस्याओं के समाधान की भी जानकारी यथेष्ठ मानी जाती है।
साक्षात्कार के लिए बौद्धिक ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है, क्योंकि सिविल सेवा से जुड़े सभी पद लोकहित तथा जनसंपर्क के अंतर्गत आते हैं।
लिहाजा इन पदों के प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उनका दृष्टिकोण लोकहित तथा कल्याणकारी भावनाओं के अनुरूप हो। बुद्धिमत्ता, व्यवहार के अलावा प्रत्याशी के हावभाव, वेशभूषा तथा प्रतिक्रिया का भी साक्षात्कार में आकलन किया जाता है। आकर्षक व्यक्तित्व तथा सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी माने जाते हैं।

अमीर और सफल होने के राज

अमीर और सफल लोग रोज क्याा करते हैं, इस पर हाल ही में एक शोध हुआ है। ऐसे लोगों की कुछ सामान्य आदतें आम लोगों से अलग हटकर होती हैं।

सहयोगी की सहायता करना

ऐसे लोग जानते हैं कि अगर सफलता पानी है तो साथी को सहयोग करना होगा और उसका समर्थन भी हासिल करना होगा। ऐसा कम ही देखा गया है कि जिन लोगों के जोड़ीदार के साथ खराब रिश्तेग हों और वे सफलता के किसी मुकाम पर हों। अगर आप मानसिक तौर पर परेशान हैं तो उसका असर आपके काम पर भी पड़ता है।
अधिकतर लोग कहते हैं कि वे कोई नया काम को करने से पहले उसकी वजह तलाशते हैं कि वे उसे आखिर क्यों कर रहे हैं।इन लोगों का कहना है कि वे कार्यस्थ्ल पर कम दोस्तय बनाते हैं। कभी दोस्तीक को काम के बीच नहीं आने देते। ऐसे लोग जोखिम लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं। आइडिया देने से पीछे नहीं हटते। इनमें से अधिकतर ने कहा कि उनका आइडिया काम का हो या नहीं, एक बार दिमाग में आने के बाद वो उसे दूसरे लोगों से जरूर साझा करते हैं। इन लोगों ने बताया कि वे कभी किसी टॉपिक पर सबकी सलाह ना लेते हैं और ना ही सुनते हैं। अपने विश्वोसपात्र लोगों से सलाह तो लेते हैं पर करते वही हैं जो उन्हेंय ठीक लगता है।

एयरलाइंस में नौकरी चाहते हैं तो करें आवेदन

अगर आप भी एयरलाइंस में काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए अवसर है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नोटिफिकेशन जारी किया है। इन पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 26 अगस्त 2025 तक है। इन पदों पर आवेदन के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरे जाएंगे। इसके लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। इससे कुल 32 पदों को भरा जाएगा।

योग्यता

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के इन पदों पर आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास सीनियर असिस्टेंट पद पर आवेदन के लिए किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु कम से कम 18 साल और अधिकतम आयु सीमा 30 साल तय की गई है। उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 जुलाई 2025 के आधार पर की जाएगी। वहीं सरकारी नियमों के मुताबिक आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को इसमें राहत दी जाएगी।

वैकेंसी डिटेल्स

सीनियर असिस्टेंट (ऑफिशियल लैंग्वेज) - 1 पद
सीनियर असिस्टेंट (अकाउंट्स) - 10 पद
सीनियर असिस्टेंट (इलेक्ट्रॉनिक्स) - 21 पद

वेतन

चयनित उम्मीदवारों को हर महीने 36,000 से 1,10,000 रुपए तक हर महीने मिलेंगे।

आवेदयन फीस

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को आवेदन के लिए 1000 रुपए भुगतान करना होगा। वहीं महिला, एससी, एसटी और एक्स सर्विसमैन को कोई भी आवेदन शुल्क जमा नहीं करना होगा।

फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट बनकर संवारें करियर

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।
जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम
जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

संक्षिप्त खबरें

पीवीआर आईनॉक्स को मिली दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया, घाटा घटाः एमडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर पीवीआर आईनॉक्स ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया पाई है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी के सिनेमाघरों में 3.4 करोड़ दर्शकों ने फिल्में देखीं, जो पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी अधिक है। कंपनी का शुद्ध घाटा 179 करोड़ रुपये से घटकर 54.5 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि परिचालन आय बढ़कर 1,469.1 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कहा कि बड़े पर्दे पर फिल्म देखना भारतीय दर्शकों के लिए मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बना रहेगा। जुलाई में रिलीज हुई फिल्मों को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और 14 अगस्त को रजनीकांत की 'कुली' और 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों के कारण दर्शकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के रुझान कम होने से सिनेमाघरों में भीड़ बढ़ेगी। कंपनी दर्शकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दे रही है।

19 अगस्त को खुलेगा श्रीजी शिपिंग और पटेल रिटेल का आईपीओ

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिपिंग समाधान कंपनी श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड और सुपरमार्केट श्रृंखला पटेल रिटेल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा और 21 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशक 18 अगस्त को बोली लगाएंगे। श्रीजी शिपिंग के आईपीओ में केवल नया निर्गम होगा, जिसमें 1.63 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी 251.2 करोड़ रुपये अधिग्रहण और 23 करोड़ रुपये कर्ज चुकाने में खर्च करेगी। पटेल रिटेल का आईपीओ 85.18 लाख नए शेयरों और 10.02 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसकी अनुमानित राशि 250–300 करोड़ है। यह कंपनी 59 करोड़ कर्ज चुकाने, 115 करोड़ कार्यशील पूंजी और शेष राशि सामान्य खर्चों में लगाएगी। दोनों कंपनियों के शेयर 26 अगस्त को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे। इससे पहले, 11 और 12 अगस्त को तीन अन्य कंपनियों के आईपीओ भी खुल रहे हैं।

संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में यह बिल पेश करेंगी, जिसमें सिलेक्ट कमेटी की सभी सिफारिशें और सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधन शामिल होंगे। पिछले शुक्रवार को लोकसभा से पुराने बिल को वापस लेने के बाद मीडिया में नए बिल को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। रिजिजू ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल पूरी तरह नया नहीं होगा, बल्कि पुराने बिल में सिलेक्ट कमेटी की अध्यक्षता में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा द्वारा सुझाए गए 285 संशोधन जोड़े जाएंगे। सरकार ने इन संशोधनों को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुराने बिल को वापस लेकर नया बिल पेश करना संसदीय परंपरा का हिस्सा है, खासकर जब सिलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर संशोधन सुझाए गए हों। इससे संसद के लिए बिल पर चर्चा करना और उसे पारित करना आसान हो जाता है। रिजिजू ने कहा कि पहले बिल पर काफी मेहनत की गई थी, इसलिए नया ड्राफ्ट उसी पर आधारित है, लेकिन सभी आवश्यक संशोधन इसमें शामिल किए गए हैं। नया इनकम टैक्स बिल पेश होने के बाद कर नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिनमें आयकर स्लैब, छूट, रियायतें और कर प्रशासन से जुड़ी प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हो सकता है। सरकार का मानना है कि यह कदम टैक्स व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और समयानुकूल बनाने में मदद करेगा, जिससे करदाता और प्रशासन दोनों को लाभ होगा।

रेलवे ने टिकट के डिजिटल पेमेंट पर लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को बताया सुविधा शुल्क

एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग पर डिजिटल पेमेंट के दौरान लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई टैक्स नहीं, बल्कि कंविनियंस फीस यानी सुविधा शुल्क है, जो आईआरसीटीसी के डिजिटल सिस्टम के संचालन और अपग्रेड के लिए लिया जाता है। रेल मंत्री के अनुसार एसी टिकट बुक करने पर 20 और नॉन-एसी टिकट पर 10 का शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क केवल ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से यात्रियों को रेलवे काउंटर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा था कि जब सरकार कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ावा दे रही है, तब डिजिटल पेमेंट पर एक्स्ट्रा चार्ज लेना तर्कसंगत नहीं है। इससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलने के बजाय बाधा आ सकती है। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि आज 87 फीसदी रिजर्वेशन टिकट ऑनलाइन बुक होते हैं, जो आईआरसीटीसी की डिजिटल सेवा की लोकप्रियता को दर्शाता है। इसके साथ ही रेलवे अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अत्याधुनिक बना रहा है। यह सिस्टम अब हर मिनट 1 लाख टिकट बुक करने की क्षमता रखेगा, जो फिलहाल 25,000 टिकट प्रति मिनट है। यह अपग्रेडेशन सेंट्रल फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स के जरिए किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह शुल्क डिजिटल पेमेंट को हतोत्साहित करने के लिए नहीं, बल्कि सिस्टम के रखरखाव की लागत निकालने के लिए है।

टैरिफ़ विवाद, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की दिशा

भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाएं हो सकती हैं जो बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ़ लगाने की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। यह कदम भारतीय जीडीपी वृद्धि को एक फीसदी तक घटा सकता है, जिससे निवेशकों में चिंता है। हालांकि, व्यापार वार्ता में संभावित सुधार से स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन घरेलू बाजार इस पर नज़र बनाए रखेगा। इसके अलावा भारतीय और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार में हलचल पैदा कर सकते हैं। 12 अगस्त को भारत और अमेरिका दोनों देशों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े जारी होंगे। भारत का सीपीआई 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका का सीपीआई 2.8 फीसदी तक बढ़ सकता है। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की संभावना को कम कर सकती है, जिससे विदेशी पूंजी प्रवाह प्रभावित हो

सकता है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते से भारत को भी असर हो सकता है। यदि यह समझौता होता है, तो विदेशी निवेश चीन की ओर रुख कर सकता है, जिससे भारतीय बाजार में गिरावट आ सकती है। वहीं भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। प्रमुख कंपनियों जैसे बजाज कंज्यूमर, अशोक लीलैंड और ओएनजीसी के परिणामों पर निवेशकों की नज़र रहेगी। इस हफ्ते के बाजार रुझान में वैश्विक और घरेलू संकेतकों का मिश्रित असर देखने को मिलेगा, जिससे भारतीय निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में भारी उतार-चढ़ाव रहा

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार छठे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। इस बीच टॉप 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1,36,151.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका मार्केट कैप 34,710.8 करोड़ रुपये घटकर 18,51,174.59 करोड़ रुपये रह गया।

इसके बाद एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 29,722.04 करोड़ रुपये गिरकर 15,14,303.58 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का 24,719.45 करोड़ रुपये घटकर 10,25,495.69 करोड़ रुपये, और इंफोसिस का 19,504.31 करोड़ रुपये घटकर 5,91,423.02 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में भी क्रमशः 15,053.55 करोड़ और 12,441.09 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखी गई। एलआईसी का मार्केट कैप 17,678.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,77,187.67 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का मार्केट कैप 11,360.8 करोड़ रुपये बढ़कर 10,97,908.66 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का 9,784.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,42,649.34 करोड़ रुपये, और बजाज फाइनेंस का 186.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,45,148.52 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बरकरार रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और निवेशकों की सतर्कता को दर्शाते हैं।

जियो फाइनेंशियल ने किया शेयरधारकों को 0.50 रुपए डिविडेंड का ऐलान

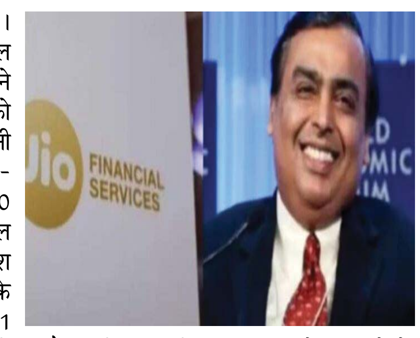

नई दिल्ली (ईएमएस)। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने निवेशकों को खुशखबरी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 0.50 प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 तय की गई है। यानी इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वे डिविडेंड के पात्र होंगे। कंपनी की दूसरी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त गुरुवार को होगी। एजीएम में डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद, इसका भुगतान एक हफ्ते के भीतर किया जाएगा। वहीं एजीएम में वोटिंग के लिए कंपनी ने 21 अगस्त को कट-ऑफ डेट घोषित की है। इसी तारीख के आधार पर यह तय होगा कि कौन-कौन शेयरधारक एजीएम में भाग लेकर प्रस्तावों पर मतदान कर सकेंगे। शेयर बाजार की बात करें तो 8 अगस्त को बीएसई पर जियो फाइनेंशियल का शेयर 321.55 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव 325.30 से 1.15 फीसदी कम है। कंपनी का पीई रेशियो पिछले चार तिमाहियों से 50 से ऊपर बना हुआ है, जो निवेशकों का भरोसा दर्शाता है। कंपनी बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है और इसका मार्केट कैप 2.04 लाख करोड़ रुपये है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिविडेंड घोषणा कंपनी की स्थिरता और मजबूत वित्तीय स्थिति का संकेत है। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे रिकॉर्ड और कट-ऑफ डेट का ध्यान रखें ताकि डिविडेंड और वोटिंग अधिकारों का लाभ मिल सके।

एयर इंडिया ने 7 साल और बढ़ाई पायलट और केबिन क्रू की रिटायरमेंट उम्र

नई दिल्ली (ईएमएस। एयर इंडिया ने अपने पायलटों, केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का बड़ा फैसला लिया है। अब पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 58 साल से बढ़ाकर 65 साल कर दी गई है। केबिन क्रू और अन्य कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र भी 58 साल से बढ़ाकर 60 साल कर दी गई है। इसके साथ ही माना जा रहा है कि केबिन क्रू की रिटायरमेंट उम्र भी 65 साल करने पर विचार चल रहा है ताकि पायलटों के बराबर किया जा सके। यह फैसला एयर इंडिया और विस्तारा के मर्जर के बाद लिया गया है। विस्तारा में पहले से पायलटों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल थी, जबकि एयर इंडिया में यह उम्र 58 साल थी। दोनों एयरलाइंस के विलय के बाद रिटायरमेंट उम्र को समान करने के लिए यह निर्णय लिया गया। एयर इंडिया के सीईओ कैम्बेल विल्सन ने बताया कि इस संबंध में डीजीसीए से अनुमति भी मिल गई है, जिससे पायलट 65 साल की उम्र तक वाणिज्यिक उड़ानें भर सकेंगे। एयर इंडिया में वर्तमान में लगभग 24 हजार कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 3,600 पायलट और 9,500 केबिन क्रू हैं। पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का यह कदम मर्जर से जुड़ी व्यवस्थाओं को सरल बनाने और कर्मचारी संतुष्टि बढ़ाने के लिए माना जा रहा है। हालांकि, यह कदम दो महीने पहले अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान दुर्घटना के बाद आया है, जिसमें 265 लोगों की जान गई थी। प्रारंभिक जांच में पायलट की गलती सामने आई है। ऐसे में पायलटों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाना कुछ के लिए चौंकाने वाला निर्णय माना जा रहा है। इसके बावजूद एयर इंडिया इस फैसले के पीछे कर्मचारियों के अनुभव और विशेषज्ञता को ध्यान में रख रही है। एयर इंडिया की यह नई नीति समूह में एकरूपता लाने के साथ ही पायलटों और क्रू के लिए बेहतर करियर अवसर प्रदान करेगी।

पेट्रोल पंप के लाइसेंस मानकों को संशोधित कर सकती है सरकार

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने पेट्रोल पंपों के लाइसेंस जारी करने के मानदंडों को शिथिल करने और नीति में सुधार करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह कदम बदलते वैश्विक ईंधन परिदृश्य और भारत में ऊर्जा सुरक्षा एवं कार्बन उत्सर्जन घटाने के राष्ट्रीय लक्ष्यों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2019 की नीति की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता बीपीसीएल के पूर्व निदेशक (विपणन) सुखमल जैन कर रहे हैं। समिति में पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक पी. मनोज कुमार, फिपी के सदस्य पीएस रवि और मंत्रालय के निदेशक (विपणन) अरुण कुमार भी शामिल हैं। समिति का उद्देश्य मौजूदा नीति का पुनर्मूल्यांकन, वैकल्पिक ईंधनों और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के सुझाव देना और नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना है। सरकार ने 6 अगस्त को आदेश जारी कर हितधारकों और जनता से 14 दिनों के भीतर सुझाव मांगे हैं। 2019 में संशोधित नियमों के तहत, गैर-पेट्रोलियम कंपनियों को शुद्ध संपत्ति के आधार पर पेट्रोल-डीजल बेचने की अनुमति दी गई थी। वर्तमान में देश में लगभग 97,804 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल जैसी सरकारी कंपनियों का बड़ा हिस्सा है। निजी क्षेत्र में रिलायंस-बीपी, नायरा एनर्जी और शेल के भी कई पंप संचालित हैं।

वैश्विक ऊर्जा कंपनियां जैसे टोटल एनर्जीज़, बीपी, ट्रैफिगुरा और सऊदी अरामको भी भारतीय खुदरा ईंधन बाजार में हिस्सेदारी की इच्छा रखती हैं। नई नीति के जरिए सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और वैकल्पिक ईंधनों को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रही है।

व्यापार तनाव और रुपये में गिरावट से अगस्त में एफपीआई ने 18,000 करोड़ निकाले

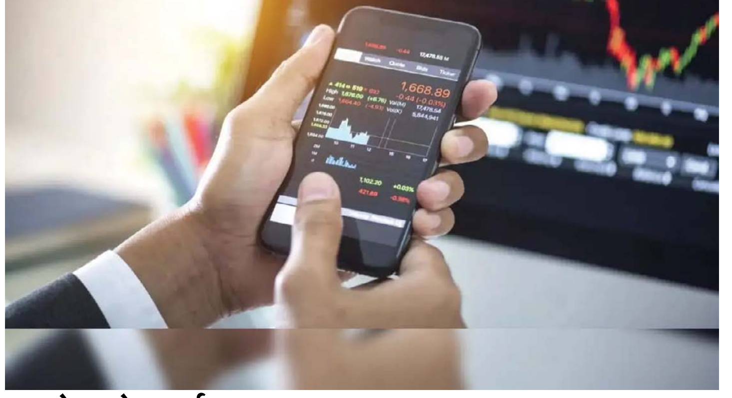

इससे पहले जुलाई 2025 में भी एफपीआई ने 17,741 करोड़ रुपये की निकासी की थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते व्यापार तनाव, कमजोर तिमाही नतीजों और रुपये की गिरती कीमत के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त 2025 की शुरुआत में भारतीय शेयर बाजार से भारी निकासी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, 1 से 8 अगस्त के बीच एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 17,924 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले जुलाई 2025 में भी उन्होंने 17,741 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस निकासी के साथ वर्ष 2025 में अब तक एफपीआई की कुल इक्विटी निकासी 1.13 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हालांकि मार्च से जून के बीच एफपीआई ने लगभग 38,673 करोड़ रुपये का निवेश किया था, लेकिन हालिया वैश्विक और घरेलू कारकों ने उनकी निवेश भावना को कमजोर कर दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने और उसके बाद अतिरिक्त शुल्क लगाने से बाजार में बेचैनी बढ़ गई है। वहीं रुपये की कमजोर स्थिति और कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने भी निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला है। एक वरिष्ठ विश्लेषक ने बताया कि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफलबढ़ने से निवेशकों का रुझान वहां की ओर गया है। हालांकि एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में 3,432 करोड़ सामान्य ऋण और 58 करोड़ स्वैच्छिक ऋण में भी निवेश किया। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक व्यापार विवाद सुलझ नहीं जाते और रुपये में स्थिरता नहीं आती, तब तक एफपीआई का रुझान कमजोर बना रह सकता है।

त्योहारी मांग के बावजूद सरसों-मूंगफली तेल के दाम गिरे, बाकी तेल-तिलहन में सुधार

उपभोक्ताओं का रुख अब सस्ते विकल्प जैसे सोयाबीन और पामोलीन की ओर

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। जहां सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, वहीं सोयाबीन और पाम तेल में सुधार दर्ज किया गया। बाजार सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल के दाम आयातित खाद्य तेलों की तुलना में 35-40 रुपये प्रति किलो अधिक हैं, जिससे इसकी मांग कमजोर पड़ी है।

उपभोक्ताओं का रुख अब सस्ते विकल्प जैसे सोयाबीन और पामोलीन की ओर है। मूंगफली की नई फसल में बरसात के कारण नमी होने से किसानों को मजबूरी में कम दाम पर बेचना पड़ा। इससे मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें भी गिरीं। मूंगफली तिलहन का भाव 75 रुपये गिरकर 5,700-6,075 रुपये क्विंटल रहा, जबकि मूंगफली तेल गुजरात का दाम 150 रुपये घटकर 13,500 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सरकार ने आगामी खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया है। सोयाबीन का एमएसपी 436 रुपये बढ़ाकर 5,328 रुपये और मूंगफली का 480 रुपये बढ़ाकर 7,263 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। लेकिन वर्तमान बाजार कीमतें एमएसपी से नीचे हैं, जिससे चिंता बनी हुई है। उधर, त्योहारी मांग और स्टॉक की सीमित उपलब्धता के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन में मजबूती रही। सोयाबीन दाने और लूज के भाव क्रमशः 4,875-4,925 रुपये और 4,575-4,675 रुपये क्विंटल रहे। सोयाबीन दिल्ली का तेल 200 रुपये चढ़कर 13,200 रुपये और डीगम तेल 200 रुपये की बढ़त के साथ 10,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पाम तेल में भी सुधार देखा गया। सीपीओ का भाव 280 रुपये बढ़कर 11,380 रुपये और पामोलीन दिल्ली 175 रुपये बढ़कर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसानों को बेहतर दाम दिए जाएं, तो इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़े अमेरिकी सैनिक को मरणोपरांत मिला रुसी सम्मान

माइकल अमेरिका की खुफिया एजेंसी की सीनियर अफसर जूलियन का बेटा था

मॉस्को,(ईएमएस)। यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस के लिए लड़ने वाले अमेरिकी सैनिक को राष्ट्रपति पुतिन ने मरणोपरांत ऑर्डर ऑफ लेनिन मेडल से नवाजा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी युवक का नाम माइकल ग्लॉस (21) था। वह पिछले साल यूक्रेन में रूस की तरफ से लड़ते हुए शहीद हो गया था। माइकल अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की सीनियर अधिकारी जूलियन गलीना का बेटा था। गलीना सीआईए में डिजिटल इनोवेशन की डिप्टी डायरेक्टर हैं।रिपोर्ट के मुताबिक माइकल 2023 की सर्दियों में रूस की सेना में भर्ती हुआ था। माइकल ने मॉस्को के रेड स्क्वायर से सेल्फी पोस्ट की थी और सोशल मीडिया पर यूक्रेन युद्ध को प्रॉक्सी वॉर बताते हुए पश्चिमी मीडिया को प्रोपगेंडा बताया था। रूसी मीडिया ने अप्रैल 2024 में उसकी मौत की खबर दी।सीआईए ने बयान कर जारी कहा कि माइकल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। एजेंसी ने उसकी मौत राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं माना है। माइकल के पिता लैरी ग्लॉस अमेरिका के लिए इराक युद्ध में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि हमें डर था कि रूस में कोई उसकी मां की पहचान न जान ले और उसे राजनीतिक मकसद के लिए इस्तेमाल करे।क्रेमलिन ने 'ऑर्डर ऑफ लेनिन' मेडल देने की बात आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं की है। यह सोवियत दौर का एक बड़ा नागरिक सम्मान है। अभी यह साफ नहीं है कि मेडल आखिर कहां गया। व्हाइट हाउस, सीआईए और विटकॉफ ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। माइकल की मां सीआईए की डिप्टी डायरेक्टर जूलियान गालिना डिजिटल इनोवेशन की चीफ हैं। उन्हें इस पद पर जनवरी 2024 में नियुक्त गया है। गालिना ने अपने करियर की शुरुआत यूएस नेवल एकेडमी से की थी। यहां 1992 में वे ब्रिगेड ऑफ मिडशिपमेन की पहली महिला लीडर बनीं। 1846 में एकेडमी की स्थापना के बाद ऐसा पहली बार हुआ था। गालिना को क्रिप्टोलॉजिक ऑफिसर के रूप में कमीशन किया गया और उन्होंने एक्टिव ड्यूटी और नेवी रिजर्व में सेवा दी। 2013 में वे कमांडर रैंक के साथ रिटायर हुईं।12 जून 2025 को पब्लिश हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा अमेरिकी नागरिक यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे हैं। इनमें रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से लड़ने वाले सैनिक हैं। इनमें ज्यादातर पुरुष हैं, जिनकी 32 साल है। इनमें से 60 फीसदी से ज्यादा के पास यूएस आर्मी, ग्रीन बेरे, या नेवी सील्स की सैन्य ट्रेनिंग का अनुभव हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये लड़ाके अलग-अलग वजहों से यूक्रेन पहुंचे, जो नशे की लत, कैंसर या अवसाद से जूझ हुए हैं।

फिलिस्तीनियों का बन रहा हमदर्द और बलूचों पर कर रहा इजराइल की तरह जुल्म

मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पीएम शहबाज शरीफ की आलोचना की

क्वेटा, (ईएमएस)। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि वे फिलिस्तीनी जनता की दुर्दशा पर तो दुनिया के सामने चिंता जता रहे हैं, लेकिन अपने ही देश में बलूचिस्तान के लोगों के खिलाफ जारी "क्रूर आतंकवाद" और दशकों से चल रहे युद्ध को छिपा रहे हैं।मीर यार बलूच ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान न्याय, मानवाधिकार और फिलिस्तीनियों के मुद्दे पर दुनिया को भाषण देता है, लेकिन बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर मानवाधिकार का उल्लंघन कर रहा है, उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब पीएम शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पर इजराइली कैबिनेट द्वारा गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को अवैध और गैरकानूनी करार देते हुए निंदा की। मीर ने एक्स पर लिखा- पाकिस्तान की कपटपूर्ण नीति साफ है। यह फिलिस्तीनियों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाता है, जबकि बलूच जनता की स्वतंत्रता की लड़ाई को बर्बरता से कुचल रहा है उन्होंने कहा कि अगर इस्लामाबाद को सच में स्वतंत्रता, न्याय और मानवाधिकारों पर यकीन है, तो उसे पहले बलूचिस्तान पर अपना अवैध कब्जा खत्म करना चाहिए और बलूच जनता को शांति से अपना भविष्य तय करने देना चाहिए। मीर यार ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की "कब्जे वाली सेनाएं" वही अपराध कर रही हैं, जिनका वह इजराइल पर आरोप लगाता है, जैसे पूरे गांवों का जबरन विस्थापन, सुनियोजित दमन, फर्जी मुठभेड़ों में हत्याएं, नागरिक इलाकों पर हवाई बमबारी, सांस्कृतिक पहचान का मिटाना और रोजगार के साधनों का नष्ट करना।उन्होंने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान गाजा में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की मांग करता है, उसी तरह उसने बलूचिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों, पत्रकारों और मानवाधिकार पर्यवेक्षकों से पूरी तरह अलग-थलग कर दिया है। यहां न विदेशी सहायता की अनुमति है, न संयुक्त राष्ट्र की जांच टीमों को आने दिया जाता है और न ही कोई स्वतंत्र मानवीय मदद पीड़ितों तक पहुंच रही है। मीर ने दावा किया कि बलूचिस्तान के लाखों लोगों को इंटरनेट सेवा से वंचित कर दिया गया है और पाक सेना ने इस पर अवैध आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया को पाकिस्तान के फिलिस्तीन मुद्दे पर नैतिक रुख को एक छलावे के रूप में पहचानना चाहिए, जो बलूचिस्तान में उसके अपने युद्ध अपराधों से ध्यान भटकाने का प्रयास है।

संक्षिप्त ख़बरें

रुस-यूक्रेन युद्ध रोकने में भारत करे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मददः ग्राहम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने भारत से कहा है कि वह यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मदद करे। सांसद ने यह बात पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करने के कुछ घंटों बाद कही। ग्राहम ने कहा कि यह वाशिंगटन और दिल्ली के बीच संबंधों को बेहतर बनाने में अहम होगा।ग्राहम ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- मैं भारत में अपने दोस्तों से कहता रहा हूं, भारत-अमेरिका संबंधों को बेहतर बनाने के लिए सबसे अहम काम जो वे कर सकते हैं, वह है राष्ट्रपति ट्रंप की यूक्रेन में इस खूनखराबे को खत्म करने में मदद करना। ग्राहम ने कहा कि भारत रूस से सस्ते तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है, जो पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन देता है। अमेरिकी सांसद ग्राहम ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ हालिया फोन कॉल के दौरान यूक्रेन में इस युद्ध को खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया होगा। मेरा मानना है कि इस मामले में भारत का प्रभाव है और मुझे उम्मीद है कि वे इसका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ।

ईरान ने 100 दिन में देश से निकाले 10 लाख अफगान शरणार्थी

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान अपने देश से अफगान शरणार्थियों को बिना कानूनी दर्जे की जांच किए बाहर कर रहा है। यह आरोप ईरान के सोशल वर्कर्स ने स्थानीय प्रशासन पर लगाया है। इससे कई मामलों में गलत पहचान, परिवार बिछड़ने और डिपोर्टेशन के दौरान दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं। तेहरान के गवर्नर ने बताया कि पिछले 100 दिनों में 10 लाख से ज्यादा अफगान नागरिकों को देश से निकाला गया है। इनमें से चार लाख सिर्फ तेहरान प्रांत से थे।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के सोशल वर्कर्स एसोसिएशन के प्रमुख ने बताया कि हाल के दिनों में अफगान शरणार्थियों को निकालते वक्त अधिकारियों ने कानूनी और गैरकानूनी प्रवासियों में कोई फर्क नहीं किया। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि ईरान में अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, नहीं तो उन्हें जबरन देश से निकला जाएगा। ईरानी अधिकारियों का दावा है कि अफगानी इजराइल और अमेरिका के लिए जासूसी और ड्रोन बनाने में शामिल हैं।मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगान शरणार्थियों के पास न तो पर्याप्त सामान है और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। एक अफगान शरणार्थी ने बताया कि वह 42 साल तक ईरान में काम करता रहा, उसके घुटने टूट गए और अब उसे क्या मिला ?वहीं एक और निर्वासित ने बताया कि ईरानी अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया और न ही पानी। अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर जेल में डाल दिया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया।वहीं एक अफगानी महिला ने बताया कि ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रुपए वसूले। बता दें इजराइल के साथ युद्ध के बाद ईरान में अफगानों के खिलाफ नस्लीय हमले बढ़ गए हैं। एक अन्य ने मीडिया को बताया कि वह तेहरान में एक कार्डबोर्ड फैक्ट्री में काम करता था वहां कुछ लोगों ने उन्हें गंदा अफगान कहकर पीटा और चाकू से घायल कर दिया।

भारतीय वायुसेना प्रमुख के 5 फाइटर जेट गिराने के बयान पर बौखलाया पाक

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा था कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पांच पाकिस्तानी फाइटर जेट और एक निगरानी विमान को मार गिराया था। जैसे ही ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सच्चाई सामने आई तो पाकिस्तान बौखला गया और एक बार फिर से झूठ बोला।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत ने पाकिस्तान का कोई भी फाइटर जेट विमान नहीं गिराया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने विमानों की सूची स्वतंत्र जांच के लिए सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि सच सामने आ सके। साथ ही आसिफ ने दावा किया कि एएलओ पर भारत को ज्यादा नुकसान हुआ है और पाकिस्तान हर हमले का तेज और सटीक जवाब देगा।बता दें भारतीय एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बताया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के अंदर और सीमा के पास आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई थी। उन्होंने कहा कि इस बार सबूत हमारे पास हैं, इसलिए बालाकोट एयरस्ट्राइक की तरह इस बार विवाद नहीं होगा। एयर चीफ मार्शल ने बताया कि एफ-400 डिफेंस सिस्टम गेम चेंजर साबित हुआ और कहा कि पाकिस्तान इसे भेद नहीं पाया।

ट्रंप के युद्ध खत्म कराने इलाकों की अदला-बदली के सुझाव को जेलेंस्की ने किया खारिज

कीव,(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में रूस को अपनी जमीन नहीं देगा। यह बात उन्होंने तब कही जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए इलाकों की अदला-बदली का सुझाव दिया। जेलेंस्की ने इस सुझाव को खारिज कर दिया है।जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन कभी भी कब्जा करने वाले को अपनी जमीन नहीं देगा। हम रूस को उसके किए का कोई इनाम नहीं देंगे। उन्होंने वास्तविक और स्थायी शांति की जरुरत पर बल देते हुए कहा कि लक्ष्य हत्याओं पर विराम नहीं, बल्कि तत्काल एक वास्तविक और स्थायी शांति है। यह बयान उस समय आया जब यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस से इंग्लैंड में मिले। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के कूटनीतिक रास्तों पर चर्चा हुई।इस बैठक में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फ़िनलैंड और पोलैंड समेत प्रमुख यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। जेलेंस्की ने बैठक को सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई कि पश्चिमी देशों का उन्हें समर्थन आगे भी मिलेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि फरवरी से अब तक ट्रंप प्रशासन की हर युद्धविराम पहल को यूक्रेन ने समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी सहयोगी को युद्ध समाप्त करने की अमेरिका की क्षमता पर संदेह व्यक्त करते नहीं सुना है।

इजरायली सेना द्वारा गाजा सिटी को अपने कब्जे में लेने की योजना पर चीन भड़का

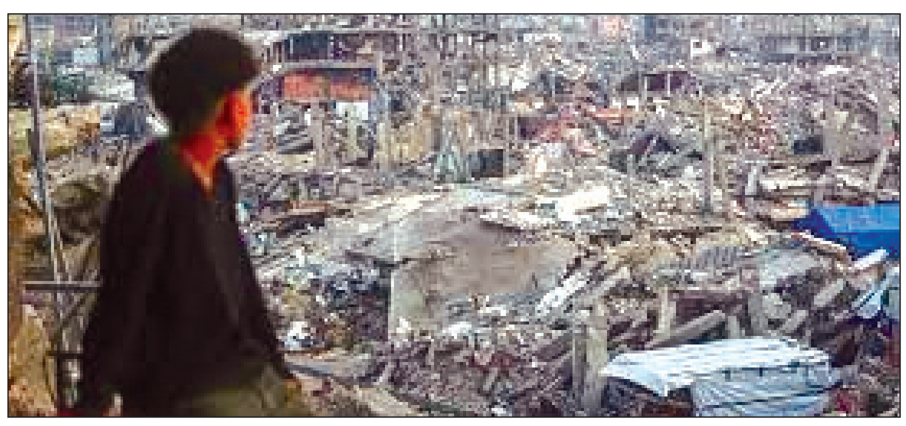

बीजिंग,(ईएमएस)। इजरायल की सुरक्षा कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गाजा शहर पर सैन्य नियंत्रण लेने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी उस पांच सूत्री लक्ष्य के तहत दी गई जिसका मुख्य उद्देश्य हमास को 'निरस्त्र' करना है। इस निर्णय ने इस क्षेत्र में लगभग दो साल से जारी युद्ध के और तीव्र होने की आशंका पैदा कर दी है। इस पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता क्वो च्याखुन ने कहा कि चीन इजरायली सेना द्वारा गाजा सिटी को अपने कब्जे में लेने की योजना पर बहुत चिंतित है और इजरायल से जल्द से जल्द खतरनाक कार्रवाई बंद करने का अनुरोध करता है।प्रवक्ता ने कहा कि गाजा फिलिस्तीनी जनता का है और फिलिस्तीनी भूमि का अभिन्न अंग है। गाजा में मानवीय संकट शिथिल करने और बंधकों की रिहाई पूरी करने का सही तरीका यथाशीघ्र ही युद्ध विराम करना है। गाजा संघर्ष का समाधान करने की कुंजी युद्ध विराम भी है। ऐसा करने से ही मुठभेड़ की समाप्ति के लिए रास्ता प्रशस्त होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गारंटी प्रदान की जा सकेगी।

प्रवक्ता ने कहा कि चीन अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ गाजा में युद्धविराम पूरा करने, मानवीय संकट शिथिल करने और दो राष्ट्र समाधान लागू करने के लिए समान कोशिश करने को तैयार है, ताकि फिलिस्तीन मुद्दे का पूरा, न्यायपूर्ण और स्थाई समाधान निकाला जा सके।दरअसल, इजरायल की सुरक्षा कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गाजा शहर पर सैन्य नियंत्रण लेने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी उस पांच सूत्री लक्ष्य के तहत दी गई जिसका मुख्य उद्देश्य हमास को 'निरस्त्र' करना है। इस निर्णय ने इस क्षेत्र में लगभग दो साल से जारी युद्ध के और तीव्र होने की आशंका पैदा कर दी है। गाजा शहर पर नियंत्रण करने का विवादास्पद निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पूरे इजरायल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें युद्ध को तत्काल समाप्त करने और हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की तत्काल वापसी सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, सुरक्षा कैबिनेट के मंत्रियों का बहुमत से यह मानना है कि सुरक्षा कैबिनेट को सौंपी गई वैकल्पिक योजना से न तो हमास की हार होगी और न ही बंधकों की वापसी होगी। सुरक्षा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत योजना में पांच सिद्धांत शामिल हैंः हमास को निरस्त्र करना, सभी बंधकों की वापसी, गाजा का विसैन्यीकरण, गाजा में इजरायली सुरक्षा नियंत्रण और एक ऐसे असैन्य प्रशासन की स्थापना जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण।

पाक आर्मी चीफ का दो महीने में दूसरा अमेरिका दौरा, शीर्ष जनरल्स से की मुलाकात

वाशिंगटन,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर दो महीने के भीतर दूसरी बार आधिकारिक अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां उन्होंने शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें कीं। पाकिस्तानी सेना के बयान के अनुसार, मुनीर ने टैम्पा में यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल ई. कुरिला के रिटायरमेंट समारोह और नए कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शिरकत की।जनरल कुरिला की "उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता" की सराहना करते हुए मुनीर ने कहा कि उनके कार्यकाल में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग मजबूत हुआ। उन्होंने एडमिरल कूपर को बधाई देते हुए साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर सहयोग की आशा जताई। फील्ड मार्शल मुनीर ने जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन से भी मुलाकात की, जिसमें आपसी पेशेवर हितों के मुद्दों पर चर्चा हुई और उन्हें पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया।

आर्मेनिया-अजरबैजान में शांति के मामले को लेकर ईरान ने अमेरिका पर निकाला गुस्सा

तेहरान(ईएमएस)।आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच शुक्रवार को अमेरिका में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते से दोनों देश खुश हैं। भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने भी इस समझौते की तारीफ की है। ईरान की सीमा अजरबैजान और आर्मेनिया दोनों से लगती है। ईरान ने इस शांति समझौते के महत्वपूर्ण हिस्से 'ट्रंप रूट फॉर इंटरनेशनल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी' को सिरे से खारिज कर दिया है।भारत के विदेश मंत्री डॉ जयशंकर ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच हुए शांति समझौते को बातचीत और कूटनीति की बड़ी जीत बताया है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर के सलाहकार अली अकबर वेलायती ने चेतावनी दी, 'यह रास्ता साउथ काकेशस की शांति को खतरे में डालेगा। यह ट्रंप का असंभव सपना है, जो उनके भाड़े के सैनिकों का कब्रिस्तान बनेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने शांति समझौते का स्वागत तो किया, लेकिन किसी भी तरह की 'विदेशी दखलअंदाजी' पर चिंता जताई, खासकर साझा सीमाओं के पास। उसका मानना है कि यह क्षेत्र की सुरक्षा और स्थायी स्थिरता को बिगाड़ सकता है।अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान ने शुक्रवार को हाथ मिलाया, और इस ऐतिहासिक लम्हे के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मौजूद थे। जैसे ही दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया, ट्रंप ने मुस्कुराते हुए उनके हाथ थाम लिए। दक्षिण काकेशस के इन पड़ोसी देशों ने एक-दूसरे और अमेरिका के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनसे प्रमुख परिवहन मार्ग फिर से खुलेंगे और अमेरिका को इस क्षेत्र में रूस के घटते प्रभाव का फायदा मिलेगा।व्हाइट हाउस के अनुसार, समझौते में एक प्रमुख पारगमन गलियारे के निर्माण पर सहमति बनी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शांति और समृद्धि के प्रतीक के रूप में 'ट्रंप रूट' नाम दिया गया है। इस मौके पर ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, 'यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है, लेकिन मैंने इसके लिए नहीं कहा था।' ट्रंप चाहते हैं कि उन्हें शांतिदूत के रूप में पहचाना जाए और उन्होंने यह भी नहीं छिपाया है कि उनकी नजर नोबेल शांति पुरस्कार पर है। आर्मेनिया और अजरबैजान, दोनों नेताओं ने इस सफलता का श्रेय ट्रंप और उनकी टीम को दिया।बता दें कि यह 'ट्रंप रूट' आर्मेनिया के जंगेजुर इलाके से होकर गुजरने वाला 43 किलोमीटर का रास्ता है, जो अजरबैजान को नखचिवान से जोड़ेगा। इसमें रेल, तेल-गैस पाइपलाइन और फाइबर ऑप्टिक लाइनें होंगी। अमेरिका को इसे बनाने का खास अधिकार मिला है, और प्राइवेट कंपनियां इसे डेवलप करेंगी। ट्रंप ने इसे अपनी बड़ी कामयाबी बताया, लेकिन ईरान को अपने पड़ोस में यह विदेशी दखलअंदाजी लग रही है। वेलायती ने कहा, 'हम अपनी सीमा पर कोई विदेशी ताकत बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

चीन में कोरोना जैसी दहशत, आधी रात को लिए जा रहे ब्लड सैंपल

बीजिंग(ईएमएस)। चीन में इस समय कोरोना जैसी दहशत फैली हुई है। सरकार भी बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आधी रात को गुपचुप तरीके से ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवा रही है। गोपनीयता और मानवाधिकारों को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चीन में इन दिनों कोरोना जैसी सख्ती बरती जा रही है। एक चौंकाने वाली घटना में, ज्हानजियांग शहर की एक अकेली मां ने खुलासा किया कि रात के समय अजनबी उनके घर में घुस आए और उनकी सहमति के बिना उनके सोते हुए बच्चों के खून के नमूने ले लिए। इनमें एक वर्दीधारी पुलिस अधिकारी भी शामिल था। इस घटना ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जहां लोग इसे बीमारी नियंत्रण के नाम पर बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन बता रहे हैं।जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई जब एक अकेली मां घर लौटी और उसे पता चला कि उसके दो बच्चों के ब्लड सैंपल लिए गए हैं। मां ने एक वीडियो में अपनी आपत्ति दर्ज की, जिसमें उन्होंने बताया कि बिना उनकी अनुमति के अधिकारियों ने उनके बच्चों के बेडरूम में प्रवेश किया और ब्लड सैंपल ले लिए। महिला रात की शिफ्ट में काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद, चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर इस घटना से जुड़ा हैशटैग करीब 9 करोड़ बार देखा गया। लोगों ने सवाल उठाया कि बीमारी नियंत्रण के नाम पर अधिकारी कितनी दूर तक जा सकते हैं।स्थानीय अधिकारियों ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि मां के बेटे को बुखार के लक्षण दिखाई दिए थे, जिसे एक स्थानीय फार्मेसी ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया था। अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने मां से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन वह उपलब्ध नहीं थीं। हालांकि, जनता का गुस्सा इस बात पर है कि बिना अभिभावक की सहमति के बच्चों के साथ ऐसी कार्रवाई कैसे की जा सकती है। वीबो पर एक यूजर ने लिखा, यह बीमारी नियंत्रण नहीं, बल्कि बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन है। अगर कामकाजी माता-पिता के बच्चों के साथ ऐसा हो सकता है, तो फिर कोई सुरक्षित नहीं है। इन सख्त उपायों ने जनता में असंतोष को जन्म दिया है। कई लोगों का मानना है कि चूंकि चिकनगुनिया इंसानों के बीच नहीं फैलता, इसलिए क्वारंटीन जैसे उपाय अनावश्यक हैं। वीबो पर एक यूजर ने लिखा, क्वारंटीन का क्या मतलब? मरीज तो दूसरों को काटने नहीं जा रहे! इसके अलावा, कुछ निवासियों ने शिकायत की है कि उनके घरों में बिना अनुमति के प्रवेश किया गया और उनके पौधों को नष्ट कर दिया गया।

बायोपिक माइकल 24 अप्रैल, 2026 को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स (ईएमएस)। मशहूर पॉप कलाकारों में शुमार माइकल जैक्सन की बायोपिक माइकल अब 24 अप्रैल, 2026 को दुनिया भर में रिलीज होगी। यह फिल्म महान कलाकार के जीवन, संघर्ष और शोहरत के शिखर तक पहुंचने की कहानी को दर्शाएगी। पहले यह फिल्म अक्टूबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन दोबारा शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के कारण इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई। फिल्म का निर्देशन एंटोनी फुक्वा कर रहे हैं और पटकथा जॉन लोगन ने लिखी है। जैक्सन की भूमिका उनके भतीजे जाफर जैक्सन निभा रहे हैं, जो खुद भी सिंगर और डांसर हैं। फिल्म के निर्माता ऑस्कर विजेता ग्राहम किंग हैं, जिन्होंने द डिपार्टेड जैसी सफल फिल्म दी थी। माइकल न केवल जैक्सन के करियर की कहानी है, बल्कि यह उनके व्यक्तिगत जीवन, उनके परिवार और पॉप म्यूजिक पर उनकी स्थायी विरासत को भी दिखाएगी।

बांग्लादेश में महिलाओं ने यूनुस से कहा, आप कौन होते हैं हमारा भविष्य तय करने वाले

ढाका(ईएमएस)। संसद में महिलाओं की सीटें और महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण विषय पर आयोजित गोलमेज बैठक हुई। इस मौके पर ढाका विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर समीना लुत्फा ने बांग्लादेश में पुरुष-प्रधान निर्णय प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की।उन्होंने कहा कि पार्टियां जब आयोग की बैठकों में जाती हैं, तो मैं देखती हूं कि पूरा का पूरा लड़कों का क्लब बैठा है। सभी पुरुष वहां बैठकर महिलाओं का भविष्य तय कर रहे हैं। खबरें आती हैं कि अगर आप 15 चाहते हैं, तो मैं 10 दे सकता हूं। क्या यह मछली बाजार में सौदेबाजी है? पुरुष तय करेंगे कि महिलाएं राजनीति में कैसे आएंगी।उन्होंने कहा, मानवाधिकार के नजरिये से देखें तो पार्टियां इसे समझने में पूरी तरह विफल रही हैं। मुझे लगता है कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों ने इससे बड़ी ऐतिहासिक गलती कभी नहीं की। सभी ने बेहद रूढ़िवादी रुख अपनाया है और इसकी जिम्मेदारी और कीमत उन्हें चुकानी होगी। लुत्फा ने यह भी आरोप लगाया कि महिला मामलों के आयोग की रिपोर्ट और उसके प्रस्तावों पर राष्ट्रीय सर्वसम्मति आयोग की दूसरी दौर की वार्ता में कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने इसे बेहद गैर-जिम्मेदाराना करार दिया।उन्होंने कहा, सरकार ने महिला आयोग को यह जिम्मेदारी दी थी और उन्होंने अपना काम किया, लेकिन उन पर जब भीषण हमला हुआ, तब सरकार की चुप्पी ने साबित कर दिया कि वे वास्तव में महिलाओं के साथ नहीं हैं, बल्कि उनके साथ हैं जो महिलाओं के आंदोलन और प्रगति रोकना चाहते हैं। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में, बांग्लादेश के कई प्रमुख राजनीतिक दलों ने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा आम चुनाव की तारीख को लेकर किए गए ऐलान पर अलग-अलग राय दी थी। जहां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने रमजान से पहले चुनाव कराने के फैसले का स्वागत किया, वहीं नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने निष्पक्ष और स्वीकार्य चुनाव कराने पर संदेह जताया।इस बीच, बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ए एम एम नसीरुद्दीन ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) "कई चुनौतियों" के बीच सीमित समय में आगामी आम चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। रंगपुर जिला क्षेत्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय चुनाव को लेकर आयोजित विचार-विनिमय बैठक में सीईसी ने कहा, चुनावी व्यवस्था में जनता का भरोसा बहाल करना अब सबसे बड़ी चुनौती है। लोग व्यवस्था पर से विश्वास खो चुके हैं। उन्हें फिर से मतदान केंद्रों तक लाना एक बड़ा काम होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव की तारीख शेड्यूल घोषित होने से दो महीने पहले सार्वजनिक की जाएगी।पिछले साल हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की लोकतांत्रिक सरकार को हटाए जाने के बाद से बांग्लादेश में अगले आम चुनाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यूनुस के साथ मिलकर हसीना को हटाने वाले दल अब सुधार प्रस्तावों और चुनाव के समय को लेकर आपस में टकरा रहे हैं।

रोहित और विराट के लिए अंतिम हो सकता है ऑस्ट्रेलिया दौरा

2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने का सपना टूटना तय

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज अंतिम सीरीज हो सकती है। ऐसे में दोने का 2027 एकदिवसीय विश्व कप खेलने का सपना टूटना तय है। इसका कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले संकेत बताये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो को ही बता दिया गया है कि इनके पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में संन्यास की घोषणा का अवसर है। इस दोनो को ही इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने थी पर ये दौरा रद्द हो गया। ऐसे में अब इनके लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा ही बचा है। इस दौरे में भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। टीम प्रबंधन की 2027 विश्वकप की योजनाओं में ये दोनो शामिल नहीं हैं। वहीं बीसीसीआई की शर्त के अनुसार अगर विराट और रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी एकदिवसीय टीम में बने रहना चाहते हैं तो अक्तूबर के बाद खेली जाने वाले लिस्ट ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में इन्हें भाग लेना होगा। अगर ये ऐसा नहीं करते तो इनके लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा अंतिम होगा। टीम प्रबंधन का मानना है कि अक्टूबर-नवंबर में 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा और उस समय तक रोहित और विराट की उम्र करीब 40 साल की हो जाएगी। ऐसे में इनकी जगह युवा क्रिकेटरों को जगह देना अधिक लाभप्रद रहेगा। विराट ने चार जबकि रोहित ने खेले तीन विश्वकप खेले हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया का एकदिवसीय कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय, पर्थ, 19 अक्टूबर

दूसरा एकदिवसीय, एडिलेड, 23 अक्टूबर

तीसरा एकदिवसीय, सिडनी, 25 अक्टूबर।

चीन में एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक में भाग लेती हुई अमेरकी टीम।

सैमसन ने टी20 में अपनी सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कारण ही वह टी20 क्रिकेट में सफल हो पाये हैं। सैमसन ने कहा कि गंभीर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं। सैमसन के अनुसार जब वह टीम में आये थे तब गंभीर ने उनसे कहा था कि उन्हें निडर होगर खेलना चाहिये क्योंकि टीम से बाहर होने से पहले 20 अवसर तो मिलेंगे ही। साथ ही कहा था कि जब वह 21 बार शून्य पर आउट होंगे तभी बाहर किया जाएगा। गंभीर के कोच बनने के बाद सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में तैयार टीम में सैमसन को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिली थी। सैमसन ने बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाकर अपने चयन को सही साबित किया। .

सैमसन ने कहा, 'यह बदलाव अचानक ही टी20 विश्व कप के बाद हुआ। गंभीर आये और सूर्यकुमार कप्तान बने। वहीं मुझे पारी की शुरुआत का अवर मिला। तभी सूर्यकुमार ने कहा कि आपके लिए एक अच्छा अवसर है। हमारे पास सात मैच हैं. मैं आपको सभी सात मैच सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाऊंगा।' सैमसन ने कहा, 'मैंने इससे पहले श्रीलंका में दो मैच खेले थे पर रन नहीं बना पाया। ड्रेसिंग रूम में थोड़ा निराश था। तब गंभीर मेरे पास आए और पूछा कि क्या हुआ है? मैंने कहा, 'काफी समय बाद मुझे अवसर मिला पर मैं इसका लाभ नहीं उठा पाया।' उन्होंने कहा, कि निराश होने की जरुरत नहीं है। अगर आप 21 बार जीरो पर आउट हो गए, तभी मैं आपको टीम से बाहर करूंगा।' कप्तान और कोच की इन बातों ने निश्चित रूप से मेरा मनोबल बढ़ा और इससे मुझे मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता मिली.' सैमसन अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सैमसन ने भारतीय टीम की ओर से 42 टी20 मैचों में 25.32 की औसत के साथ 861 रन बनाये हैं। उन्होंने इस प्रारुप में तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं।

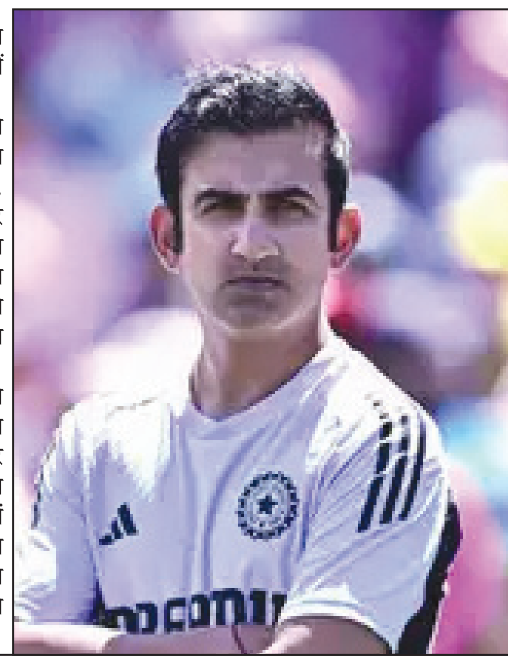

वैभव की बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं सैमसन

नई दिल्ली (ईएमएस)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सैमसन का कहना है कि वह वैभव की पारियों को देखकर हैरान हैं। वैभव ने आईपीएल और उसके बाद अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया है। इसी को लेकर ऑफ स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए सैमसन से अपनी पुरानी और वर्तमान समय की यादों के बारे में बताया है। उन्होंने पिछले समय की दो यादगार पारियों को याद किया। इनमें से एक साल 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की लंबी पारी और 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रायन लारा की नाबाद 400 रन की पारी। वहीं जब बात वर्तमान समय की की गयी तो सैमसन ने वैभव का नाम लेते हुए कहा, वह वैभव नाम का उभरता खिलाड़ी जो राजस्थान रॉयल्स के लिए मैदान पर हर तरफ धूम मचा रहा है। जब उसने पहली गेंद पर छक्का मारा, तो मुझे लगा, चलो, वो भाग्यशाली है पर फिर वह मारता ही गया और उसके शॉट्स को देखकर मुझे कुछ समझ ही नहीं आया।राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को 1.1 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। सत्र के पहले हाफ में तो उसे मौका नहीं मिला, मगर जैसे ही दूसरे हाफ में उन्हें मौका मिला तो उसने इसका पूरा लाभ उठाया। अपने आईपीएल करियर का की शुरुआत ही उसने पहली गेंद पर छक्का लगाकर की। इस उभरते क्रिकेटर ने 7 मैचों में 206.56 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ 252 रन बनाये।

सिनसिनाटी में रिटर्न शॉट लगाती हुई महिला टेनिस स्टार इगा स्वीटेक।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी में जुटा ऑस्ट्रेलिया

मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड होंगें ओपनर

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 विश्व कप 2026 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और टूर्नामेंट में अभी छह महीने से अधिक का समय बाकी है। यह महाकुंभ फरवरी में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस बड़े आईसीसी इवेंट को लेकर सभी टीमों ने तैयारी तेज कर दी है, वहीं ऑस्ट्रेलिया भी अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। टी20 विश्व कप इतिहास में सिर्फ एक बार खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार नए संयोजन के साथ उतरने की तैयारी में है।डेविड वॉर्नर के पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने के बाद से टीम ने कई खिलाड़ियों को ओपनिंग पोजीशन पर आजमाया है। मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क जैसे नामों ने मौका पाया, लेकिन कप्तान मिचेल मार्श ने अब स्पष्ट कर दिया है कि विश्व कप में वह खुद ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मार्श ने कहा, "आने वाले समय में मैं और हेडी शुरुआत करेंगे। हमने साथ में काफी खेला है और हमारा रिश्ता बेहतरीन है, इसलिए शुरुआत वहीं से होगी।" दिलचस्प बात यह है कि हेड ने पिछले 11 महीनों से कोई टी20 इंटरनेशनल नहीं खेला है, लेकिन वनडे और आईपीएल में उनका प्रदर्शन ओपनर के रूप में शानदार रहा है। इससे पहले वनडे में मार्श और हेड की जोड़ी पांच पारियों में 70.50 की औसत से 282 रन बना चुकी है। आईपीएल 2025 में मार्श ने ओपनिंग करते हुए 13 पारियों में 627 रन ठोके थे, जबकि हेड ने 162 की स्ट्राइक रेट से 374 रन बनाए थे। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि दोनों मिलकर पावरप्ले में विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बना सकते हैं।ऑस्ट्रेलिया की इस नई ओपनिंग जोड़ी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली बार आजमाया जाएगा। 10 अगस्त से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो चुका है। टीम में कप्तान मिचेल मार्श के अलावा सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा शामिल हैं। यह सीरीज विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है, जहां ऑस्ट्रेलिया अपनी अंतिम टीम संरचना को परखना चाहेगा।

जिम्बाब्वे का एक भी खिलाड़ी अर्धशतक नहीं लगा पाया

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठी बार हुआ ऐसा

हरारे (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मेजबान टीम जिम्बाब्वे के नाम एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया है जो वह भूलना चाहेगी। इस सिरीज में जिम्बाब्वे की टीम को दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा। उसका एक भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा पाया और ये 129 साल बाद हुआ है। मेजबान टीम को दोनो ही मुकाबलों में करारी हार झेलनी पड़ी। इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम चारों एक भी पारी में 150 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। दोनो ही मैच में जिम्बाब्वे की टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन भी नहीं बना पाया। पहले टेस्ट में सीन विलियम्स ने 49 रन बनाये और ये इस सीरीज में जिम्बाब्वे के किसी भी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर रहा। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ 6 छठा अवसर है। जब कम से कम दो मैच की टेस्ट सीरीज में किसी टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन का भी नहीं बना पाया। इससे पहले अंतिम बार साल 1895-96 सत्र में ऐसा हुआ था। उस सय जब दक्षिण अफ्रीका के बार्बरटन हॉलिवेल 41 के स्कोर के साथ इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। यहां दूसरे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 125 रन ही बना पायी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और हेनरी निकलोस के शतकों से 3 विकेट पर ही 601 रन बराकर पारी घोषित कर दी। इसके बाद जिम्बाब्वे की टीम दूसरी पारी में के 117 रन ही बना पाये और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

पेरिस में लोगन पॉल से भिड़ेंगे जॉन सीना, मुकाबला अक्टूबर में संभव

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा में हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन में जॉन सीना को दर्शकों से जबरदस्त स्वागत मिला। पिछली स्मैकडाउन में हील टर्न के बाद सीना ने समरस्लैम 2025 में पूरी तरह बेबीफेस का रूप ले लिया था। ब्रॉक लेसनर के हमले ने फैंस को उनके लिए और भी चिंतित कर दिया, लेकिन अब वे पहले से अधिक लोकप्रियता के साथ रिंग में लौट चुके हैं। लंबे समय से माना जा रहा था कि क्लैश इन पेरिस में सीना का मुकाबला लेसनर से होगा, हालांकि अब साफ हो गया है कि यह टक्कर अभी नहीं होगी। इस इवेंट में 31 अगस्त को सीना का सामना लोगन पॉल से होगा। स्मैकडाउन में शो के दौरान लोगन पॉल ने सीना को चुनौती दी थी, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि दोनों पहले टैग टीम पार्टनर रह चुके हैं और मनी इन द बैंक 2025 में कोडी रोड्स और जे उसो के खिलाफ एक साथ लड़े थे। अब सीना, कोडी रोड्स के साथ मिलकर लोगन पॉल और ड्रू मैकइंटायर का सामना स्मैकडाउन में करेंगे।

आशा भोसले की पोती ने सिराज को राखी बांधी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी रक्षाबंधन पर राखी बंधवाई। सिराज को ये राखी पार्श्व गायिका आशा भोसले की पोती जनाई भोसले ने बांधी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें जनाई सिराज को राखी बांधती दिख रही है। इसी के साथ ही सिराज और जनाई के अफेयर की जो अटकलें लगायी जा रहीं थी। वे भी समाप्त हो गयीं। जनाई ने इससे पहले भी कई बार सिराज को अपना भाई ही बताया था पर फिर भी कई प्रकार की चर्चाएं चल रही थीं। राखी के साथ-साथ जनाई ने सिराज को एक ब्रेसलेट भी उपहार में दिया। वीडियो में जनाई हरे रंग का सूट पहने दिख रही हैं, वहीं उनके साथ सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर सिराज बैठै थे। वीडियो में जनाई सिराज के हाथ में राखी बांधती नजर आ रही हैं। इसके बाद सिराज जनाई को रक्षाबंधन का तोहफा भी देते दिखाई दे रहे हैं।

नीरज और अरशद के बीच सिलेसिया डायमंड लीग में नहीं होगा मुकाबला

दोनो के नाम प्रवेश सूची में नहीं

मुम्बई (ईएमएस)। इस माह 16 अगस्त को पोलैंड में होने वाली सिलेसिया डायमंड लीग एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच अब मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा। इसका कारण है कि इस प्रतियोगित की प्रवेश सूची में इनके नाम नहीं हैं। वहीं इससे पहुले जुलाई में विश्व एथलेटिक्स ने जुलाई में कहा था कि दोनों प्रतिद्वंद्वी अगस्त 2024 में पेरिस ओलंपिक फाइनल के बाद सिलेसिया में पहले बार आमने-सामने आने वाले थे। अब संभावना है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम की अगली भिड़ंत सितंबर में टोक्यो में आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में होगी।

अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता। नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में भाग लिया था पर वहां अरशद नहीं आये थे। वहीं इससे पहले 24 मई को होने वाले एनसी क्लासिक में इन दोनो का मुकाबला होना था पर भारत-पाक के बीच तनाव के कारण अरशद को उससे बाहर कर दिया गया था। पिछले महीने लंदन में अरशद नदीम की काफ सर्जरी हुई थी। इस कारण भी व कई टूर्नामेंटों से बाहर थे। अरशद नदीम के कोच सलमान बट ने बताया नदीम अब सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। नीरज इस साल अच्छे फॉर्म में रहे है। उन्होंने मई 2025 में दोहा डायमंड लीग में पहली बार 90.23 मीटर का थ्रो किया था।

एशेज तक फिट होने के लिए कंधे की सर्जरी से बचना चाहेंगे क्रिस वोक्स

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज में खेलने के लिए कंधे की सर्जरी कराने के बजाय रिहैबिलिटेशन का रास्ता अपना सकते हैं। वोक्स को भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगी थी। 36 वर्षीय वोक्स का स्कैन हो चुका है और वे अब रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि अगर चोट बहुत गंभीर नहीं हुई, तो आठ सप्ताह का रिहैब कार्यक्रम उन्हें 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए तैयार कर सकता है।

बेंगलुरु में 80 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनेगा : सिद्धारमैया

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि बेंगलुरु में नया क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा। इस स्टेडियम की क्षमता 80 हजार दर्शकों होगी और ये अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। हाल में चिन्नास्वामी स्टेडिमय में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद हुए समारोह में जगह कम होने के बाद हुए हादसे के बाद नये स्टेडियम को बनाने की मांग उठी थी। जिससे सबक लेते हुए सिद्धारमैया ने नया स्टेडयम बनाने की घोषण कर दी। इस स्टेडियम को बनाने के लिए कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड की सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गयी है। इसमें 1650 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। ये स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा और इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें केवल क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। यह स्टेडियम बेंगलुरु में बीसीसीआई की नई राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जैसा ही होगा। वहीं आरसीबी के समारोह में हुए हादसे की जांच कर रहे जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग ने कहा था कि 32,000 दर्शकों की क्षमता वाले एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजन करना सही नहीं है। ऐसे में अधिक क्षमता वाले स्टेडियम की जरुरत है। जिसमें बेहतर सुविधाएं हों और किसी भी प्रकार का जोखितम भी न रहे।

चीन में पुरुषों के चार गुणा 400 मीटर मेडले रिले में भाग लेते हुए केविन लासेरी व आर्नोल्ड कारेबोडा।

चीन में जॉर्डन के मो फैग क्रोएशिया के इवान केविसिक के खिलाफ पुरुषों के कुमाइट 84किलो फाइनल में भाग लेते हुए।

आतंकियों की चौतरफा घेराबंदी: कुपवाड़ा में आतंकियों का ठिकाना ध्वस्त, किश्तवाड़ में मुठभेड़

जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में आतंकियों का सफाया करने में सुरक्षा बल पूरी ताकत से लगे हुए हैं। यहां चलाए जा रहे ऑपरेशन ओखल के तहत खुफिया सूचना के आधार पर आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने हफरूदा(कुपवाड़ा) में आतंकियों के एक ठिकाने से हथियार व अन्य साजो सामान बरामद किया है। जवानों ने आतंकी ठिकाने का भी नष्ट कर दिया है।वहीं किश्तवाड़ में सुरक्षा कई घंटों से आतंकियों के खिलाफ लोहा ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह आतंकी ठिकाना हफरुदा के द्रुड जंगल में बना हुआ था। यह इलाका गुलाम जम्मू-कश्मीर की तरफ से घुसपैठ करने

वाले आतंकियों द्वारा घाटी के भीतरी इलाकों में जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सेना की 02 राजपूत यूनिट के जवानों ने आज सुबह द्रुड में एक विशेष सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान उन्होंने जंगल में एक जगह बने भूमिगत आतंकी ठिकाने का पता लगाया। उन्होंने वहां से एक आरपीजी और आरपीजी ग्रेनेड के अलावा एक एसाल्ट राइफल, एक पिस्तौल व अन्य साजो सामान बरामद किया है। समझा जा रहा है कि आतंकियों ने सुरक्षाबलों को आते

देख लिया हो और वह वहां से भाग निकले हों। संबधित अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने बाद में आतंकी ठिकाने को नष्ट कर दिया। वहीं दूसरी तरफ किश्तवाड के दुल इलाके खुफिया जानकारी के आधार पर चल रहे एक अभियान के दौरान जवानों का इन आतंकियों से सामना हुआ। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा है कि गोलीबारी हुई है, फिलहाल अभियान जारी है। घाटी में चल रहा यह अभियान कुलगाम में जारी ऑपरेशन के बाद शुरू हुआ है। कुलगाम में आतंकियों से जारी मुठभेड़ लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को वीरगति प्राप्त हुई है। ऑपरेशन ओखल पिछले नौ दिनों से जारी है। चिनार कोर ने इस अभियान में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा। पोस्ट में लिखा, चिनार कोर राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है। उनका साहस और समर्पण हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। भारतीय सेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है।

पैसा कमाने परदेस गया था बेटा बॉक्स में लौटा, बूढ़ी मां के रुक नहीं रहे आंसू

नाइजर में 4 महीने में 8 भारतीय मजदूरों पर हुए हमले, 6 अगवा, दो की हत्या

गोरखपुर,(ईएमएस)। बेटे परदेस गया था पैसा कमाने, लेकिन बॉक्स में लौटा। मौत के 12 दिन बाद उसकी लाश देखी। उसके सीने पर गोली मारी। दो गोली कमर पर और एक सिर में लगी थी। बोलकर गया था कि दीवाली से पहले लौट आऊंगा, लेकिन वह हमें छोड़कर चला गया। यह कहना है 63 साल की ज्ञानती देवी का। वह बेटे कृष्ण की फोटो देखकर भावुक हो जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृष्ण कुमार गुप्ता पश्चिमी अफ्रीका के देश नाइजर में काम करने गया था। 15 जुलाई को उसकी साइट पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। कृष्ण को गोली मार दी। वे यूपी के कुशीनगर का रहने वाला था। आतंकियों ने कृष्ण के साथ काम करने वाले झारखंड के गणेश करमाली को भी गोली मार दी। जम्मू-कश्मीर के रंजीत को अगवा करके ले गए। उसका अभी तक पता नहीं चला है। बता दें नाइजर में बीते चार महीने में आठ भारतीय मजदूरों पर जानलेवा हमले हुए। इनमें छह को अगवा कर लिया गया, जबकि दो की हत्या कर दी गई। जो मजदूर बच गए, उन्हें सेना के शिविर में निगरानी में रखा गया है। ये लोग अब भारत लौटना चाहते हैं। इन हमलों के पीछे आतंकी संगठन बोको हराम का हाथ बताया जा रहा है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 15 जुलाई को डोसो में ट्रांसमिशन लाइन पर बिजली के खंभे लगाने का काम चल रहा था। इनमें जेसीबी ऑपरेटर कृष्ण गुप्ता, चीफ सेफ्टी अफसर रंजीत सिंह थे। रोज की तरह काम शुरू हुआ, लेकिन सुबह करीब 11 बजे बाइक से कुछ लोग आए। वह हथियारों से लैस थे। आते ही उन्होंने सिक्योरिटी में तैनात सेना के जवानों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले के बारे में कृष्ण गुप्ता के परिवार को सबसे पहले दिनेश कुमार ने बताया था। दिनेश बिहार के गोपालगंज के रहने वाला है।

15 को मिलेंगे विश्व के दो महान नेता, कैसे भी हो बस यह जंग रुके

भारत ने कहा- जरूरत पड़ी तो शांति बहाल करने में अपना योगदान देंगे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ वॉर छेड़ रखा है, लेकिन भारत अपने शांति संदेश के साथ खड़ा है। बता दें ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलास्का में मिलने वाले हैं। इसे लेकर भारत ने कहा कि यह मुलाकात यूक्रेन युद्ध खत्म करने और शांति स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकती है। भारत ने कहा कि कैसे भी हो, बस जंग रुकनी चाहिए। यह बयान पीएम मोदी के उस रुख से मेल खाता है, जिसमें उन्होंने कई बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। बता दें 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक न केवल अमेरिका और रूस के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए अहम है। चार साल से जारी यूक्रेन युद्ध में हजारों लोग मारे जा चुके हैं वहीं लाखों विस्थापित हुए हैं। ऐसे में भारत को उम्मीद है कि यह मुलाकात 'शांति की खिड़की' खोल सकती है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत, अमेरिका और रूसी संघ के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक का स्वागत करता है। यह बैठक यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने और शांति की संभावनाओं को खोलने का वादा करती है। बयान में कहा गया कि भारत किसी भी ऐसे प्रयास का समर्थन करेगा जो हिंसा रोकने और कूटनीति के जरिए हल खोजने में मदद करे। विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी का वह बयान दोहराया, जिसमें उन्होंने कहा है "यह युद्ध का युग नहीं है"। भारत ने साफ किया कि वह इस शिखर वार्ता का समर्थन करता है और अगर जरूरत पड़ी तो शांति बहाल करने की कोशिशों में अपना योगदान देने के लिए तैयार है।बता दें शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा- अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुप्रतीक्षित बैठक शुक्रवार 15 अगस्त को अमेरिका के ग्रेट स्टेट अलास्का में होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने अभी तक इस बैठक के एजेंडे या ट्रंप के साथ जाने वाले दल के बारे में जानकारी नहीं दी है, लेकिन माना जा रहा है कि चर्चा का केंद्र यूक्रेन संघर्ष ही रहेगा। भारत ने भले ही सीधे तौर पर मध्यस्थ की भूमिका का दावा नहीं किया, लेकिन उसके बयान से साफ है कि वह जरूरत पड़ने पर शांति की पहल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने को तैयार है। अब सबकी निगाहें 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली इस ऐतिहासिक मुलाकात पर टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या ट्रंप और पुतिन अपने मतभेदों को किनारे रखकर कोई ऐसा रास्ता निकालेंगे, जो युद्ध को खत्म करने की दिशा में निर्णायक हो।

सोनभद्र और वाराणसी में इस साल अच्छी तो जौनपुर-मऊ में कम हुई बारिश

पानी की कमी से फसल उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

वाराणसी,(ईएमएस)। पूर्वांचल में इस साल बारिश लंबे समय तक जारी रहने की उम्मीद है। इस बार बारिश की स्थिति पिछले सालों की तुलना में बेहतर है, जिससे लोगों में राहत की उम्मीद है। प्रदेश के कई हिस्सों में औसत बारिश सामान्य से 10 फीसदी ज्यादा हुई है, लेकिन पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जनपदों की धरती की प्यास पूरी तरह से नहीं बुझी है। सोनभद्र और वाराणसी क्षेत्रों में बारिश की अच्छी स्थिति है। इन दोनों जनपदों को छोड़कर अन्य आठ जनपदों में बारिश का औसत सामान्य से कुछ कम रहा है।

इस साल सबसे कम बारिश जौनपुर और मऊ में दर्ज की गई है। गाजीपुर, भदोही, चंदौली और आजमगढ़ में भी बारिश का औसत सामान्य से नीचे रहा है। मऊ में सामान्य से 47 फीसदी और जौनपुर में 52 फीसदी कम बारिश हुई। वहीं, वाराणसी और सोनभद्र में औसत से ज्यादा बारिश ने लोगों को राहत दी है और जल स्तर को बनाए रखने में मदद की है। पूर्वांचल के किसानों के लिए यह साल अहम है, क्योंकि बारिश की कमी से फसल उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जौनपुर और मऊ के किसानों ने बारिश की कमी के कारण चिंता व्यक्त की है। इस साल की बारिश ने कुछ क्षेत्रों में जल संकट को भी बढ़ा दिया है, जिससे स्थानीय निवासियों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्वांचल में बारिश की स्थिति सामान्य रही। जहां कुछ जनपदों में अच्छी बारिश हुई, वहीं अन्य क्षेत्रों में बारिश की कमी ने चिंता बढ़ा दी है। सभी को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा, जिससे कृषि और जल संकट की समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

दो दिवसीय दिवा-रात्रि नॉक आउट फुटबॉल टुर्नामेंट सम्पन्न

धनबाद, झारखण्ड मैदान हिरापुर में धनबाद फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय दिवारात्री विकाश रंजन उर्फ पप्पू सिंह नॉक आउट आमंत्रण फुटबॉल टुर्नामेंट का फाइनल मुकाबला. आकाश सपोर्टिंग कुमार बिंदास क्लब दिहुआ बीच हुआ। जिसमें आकाश सप्रोटी टीम विजेता बने। तृतीय एवं चतुर्थ स्थान के लिए भी मैच हुआ जिसमें मनदीप 11 3RD एवं DFC-Hirapok 45 वें स्थान प्राप्त किया। इस फाइनल खेल समापन समारोह में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टीम को नगद 20,000 रूपये द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15,000 रूपये तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 7,000 रूपये चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले को साथ-साथ ट्रॉफी और व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान की गयी। चारो टीमो को ट्रॉफी और साथ में पुरस्कार दी गई।टुर्नामेन्ट का उद्घाटन प्रभात कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद, धीरेन्द्र नारायण बंका पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-2, विकास रंजन, रूपा सिंह ने किया। इनलोगो को मोमेन्टों एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस फाइनल मैच एवं समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री लाल बाबु सिंह, कुम्भनाथ सिंह, विकास रंजन, रूपा सिंह, मिथिलेश पासवान, प्रमोद यादव, उर्मिला देवी को मोमेन्टों एवं पौधा देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर कुम्भ नाथ सिंह ने कहा कि धनबाद में फुटबॉल खेल की लोकप्रियता काफी अधिक है। इस खेल को और अधिक गति से बढ़ाने की जरूरत है। यहाँ के खिलाडियों में जोश और जुनुन को देखते हुए धनबाद में एक खेल अकादमी की स्थापना अत्यंत जरूरी हो गया हैं।

इस अवसर पर अज़ीर ने खिलाड़ियों का मनोबल बढाते हुए कहा कि जिला प्रशासन प्रशासन जिला में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए अपने स्तर से काफी प्रयासरत है। इस दिशा में जिला के खेल विभाग ने मेगा स्पोर्टस कम्पलेक्स को जिला के खिलाड़ियों के लिए सुपुर्द कर दिया है ताकि जिला के खिलाड़ी बेहतर तैयारी करके राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सके।

.विकाश रंजन ने कहा कि जिला में स्कूल स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने से जिला से अनेको प्रतिभावान खिलाड़ी निकलेंगे जो राज्य का भी नाम रोशन करेंगे। उन्होंने धनबाद में इस तरह के टुर्नामेन्ट के आयोजन की काफी सराहना की और आयोजकों की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य रूप से बबलु ठाकुर, बबलु मिश्रा, अजीत सिन्हा, विकास साव, विकास रंजन उर्फ पप्पु सिंह, श्रीमती रूपा सिंह, अनिल लाल, सतीश प्रसाद, संतोष यादव, अजय बास्की, छोटू, मोटू रोशन, विमलेश, नितिश, तारकनाथ दास, भोला साव, राकेश ठाकुर, मोटू ठाकुर, मुकेश, राजू, अक्षय, डिलडिल, प्रमोद यादव, उर्मिला देवी, विश्वनाथ यादव, पारस बनर्जी, तापस दा, पप्पु यादव, मिथुन साव, संजय साव, विकास ठाकुर, कमलेश यादव, कपिल यादव, चिकु, चंदन बास्की, रविलाल बास्की, मनीष, शनि आदि मौजूद थे।

बृजेंद्र प्रसाद सिंह ने जिले में विभिन्न ज्वलनंत समस्याओं को लेकर धनबाद परिसदन में आयोजित की बैठक

धनबाद, जिला बीस-सूत्री के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में धनबाद जिला के गया पुल एवं अंडरपास निर्माण के साथ-साथ जिला के विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर सर्किट हाउस में एक आवश्यक बैठक आयोजित की।

मौके पर धनबाद जिला बीस-सूत्री के उपाध्यक्ष, ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि गया पुल चौरीरण एवं अंडरपास हेतु झारखंड सरकार से पैसा हस्तांतरित कर दी गई है। इसके बावजूद कार्य में शिथिलता समझ से परे हैं, झारखंड सरकार किसी के दबाव में एवं डरने वाला नहीं है। जिला प्रशासन निजी संगत उक्त कार्य का निष्पादन करें, ताकि धनबाद की जनता को जाम की समस्याओं से निजात मिल सके।आगे उन्होंने कहा कि धनबाद के साथ-साथ गोविंदपुर में भी जाम से निजात दिलाया जाए, आगे उन्होंने कहा कि रेलवे के मुख्य जोनल ऑफिस हाजीपुर से शीला कंस्ट्रक्शन कंपनी को नो ऑब्जेक्शन दिया जाए।ताकि गया पुल अंडर पास का काम शुरू किया जा सके। आगे उन्होंने कहा कि गोविंदपुर में भी निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे आमजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।जिला के विभिन्न जगहों पर जाम

की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए इस पर जिला प्रशासन से संज्ञान लेने की मांग की। आगे उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कोयला चोरी के चलते कई मजदूर की मृत्यु दबकर हो गई थी। उसकी अविलंब जांच कराया जाए, कोलियारियों में आउटसोर्सिंग कंपनियां मजदूरों का शोषण करने के साथ-साथ उनसे पूरा कार्य कराती है पर मजदूरों के मजदूरी देने में कंपनियां आना-कानी करती है इन सभी समस्याओं को देखते हुए मजदूरों को पूरा पैसा अविलंब दिलाया जाए अन्यथा जरूरत पड़ने पर कोयला चोरी में संलिप्त लोगों का नाम उजागर की जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार कल्याणकारी कार्यों को धरातल पर उतारने के साथ साथ योजनाओं का लाभ लोगों को सुनिश्चित रूप से मिले जिसके लिए राज्य सरकार दृढ संकल्प है,धनबाद जिला के लगभग सभी अंचल कार्यालयों में दाखिल खारिज एवं अन्य कार्यों में शिथिलता बरती जा रही है। दाखिल खारिज से संबंधित सैकड़ो आवेदन विभिन्न अंचलों में लंबित है। उन्होंने उपायुक्त एवं सभी अंचल अधिकारियों से मांग किया है कि दाखिल खारिज से संबंधित सैकड़ो लंबित मामलों का निष्पादन अविलंब की जाए।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक ने कहा कि गया पुल एवं अंडरपास का निर्माण की मांग बहुत पुराना मांग है।उक्त कार्य को अविलंब दुरुस्त किया जाए। ताकि धनबाद जिला के लोगों को जाम की समस्याओं से निजात मिल सके।मौके पर मदन महतो एवं शमशेर आलम ने संयुक्त रूप से कहा कि बैंक मोड़ गया पुल का निर्माण होने से धनबाद के लोगों को जाम की समस्याओं से निजात मिल सकेगी। उक्त दोनों ने उक्त पुल का अविलंब निर्माण करने की मांग की।

ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग और सहमति पर सेना प्रमुख ने खोले कई राज

चेन्नई,(ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर तैयारी और सटीक हमलों को लेकर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर बयान दिया है। जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की योजना 23 अप्रैल को शुरू हुई। पहलगाम हमले के अगले दिन तीनों सेना प्रमुखों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर सहमति जताई कि निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है। इस समय पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, मुझे लगता है कि अब बहुत हो गया। और तीनों सेनाओं का रुख भी बिल्कुल स्पष्ट था कि कुछ तो करना ही होगा। इसके बाद फिर जाहिर है कि पूरी आजादी दी गई थी कि आप तय करें

कि क्या करना है।

आईआईटी मद्रास में सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में, हमने जो किया, वह शतरंज खेलना था। इसका क्या मतलब है! इसका मतलब है कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन क्या कदम उठाने वाला है और हम क्या करने वाले हैं। यह एक अनिश्चित क्षेत्र था। यह अनिश्चित क्षेत्र यह है कि हम पारंपरिक युद्ध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम कुछ ऐसा कर रहे हैं जो पारंपरिक युद्ध से बस थोड़ा कम है।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि पांच निशाने पाक अधिकृत कश्मीर वाल में थे, जबकि चार पाकिस्तानी पंजाब में थे। दो मिशन हमने भारतीय वायुसेना के समन्वय में किए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के साथ हमारा यह टेस्ट मैच चार दिन चला यह चौदह दिन भी चल सकता था, चालीस दिन या एक सौ चालीस दिन या फिर चौदह सो दिन... हमें नहीं पता था। इसलिए हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार थे।सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, उरी और बालाकोट जैसे पहले के अभियानों से अलग था। उन्होंने बताया कि उरी ऑपरेशन के दौरान, एक स्पष्ट संदेश देने के लिए लॉन्च पैड्स को निशाना बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। 2019 के बालाकोट हमलों का उद्देश्य जवाबी कार्रवाई के रूप में जम्मू-कश्मीर में घुसकर पाकिस्तान के अंदर प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाना था। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर गहरा और विस्तृत था। इसका मतलब यह कि हमें दुश्मन के इलाकों में और भी ज्यादा गहराई हार्टलैंड में हमला करना था। इस दौरान ही हमने नर्सरी और मास्टर्स जैसे कोडेनेम वाले महत्वपूर्ण ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतनी गहराई में हमला होना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका थी।बता दें कि सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब वायुसेना प्रमुख ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पांच पाकिस्तानी जेट्स को मार गिराने की बात कई है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी आतंकियों पर किए गए इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने सटीक और भीषण कार्रवाई की थी, जिसमें कई आतंकी मारे गए थे। बाद में पाकिस्तान ने नापाक हरकत करते हुए हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की तो हमारे एयर डिफेंस को नहीं भेद पाए।

स्कूल से लापता तीनों बच्चे मिले

शिमला(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के शिमला में फेमस बिशप कॉटन स्कूल के लापता तीनों बच्चों को पुलिस ने ढूंढ लिया है। तीनों शिमला के ही कोटखाई के चैथला में मिले। यहां से एक किडनैपर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक उसने फिरौती के लिए तीनों को किडनैप किया था। तीनों को गाड़ी में ले गया था। उस गाड़ी को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपी सुमित शिमला के लोअर बाजार का रहने वाला है। उसके खिलाफ मामला दर्ज करके पूछताछ की जा रही है। तीनों बच्चे छठीं क्लास के स्टूडेंट हैं। इनमें एक हिमाचल के कुल्लू, दूसरा पंजाब के मोहाली और तीसरा हरियाणा के करनाल का रहने वाला है। इन बच्चों के नाम अंगद, हितेंद्र और विदांश हैं। अंगद करनाल का रहने वाला। उसके चाचा पप्पू लाठर कांग्रेस नेता हैं।

आगरा में एसएन मेडिकल कॉलेज से कैदी फरार

आगरा (ईएमएस)। आगरा के थाना एमएम गेट क्षेत्र में एसएन मेडिकल कॉलेज से एक कैदी जेल वार्डनों को चकमा देकर फरार हो गया। यह कैदी संकेत यादव है, जो साइबर क्राइम के मामले में कासगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। संकेत यादव जबलपुर का रहने वाला है और पिछले कई दिनों से कासगंज जेल में बंद था।

पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के चलते उसे इलाज के लिए जेल वार्डन अजीत पांडे और जयंत कुमार के साथ एसएन अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में पहुंचने के बाद जेल वार्डन इलाज के दौरान थकावट के कारण सो गए। इसी मौका कैदी ने हथकड़ी से अपने हाथ निकालकर अस्पताल परिसर से फरार होने में सफल रहा। वार्डन के जागने तक वह अस्पताल के बाहर निकल चुका था। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और तत्काल खोजबीन शुरू कर दी गई। इस पूरे मामले ने जेल सुरक्षा व्यवस्था और वार्डनों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विज्ञान भारती झारखंड की आम सभा की सफल बैठक

विज्ञान भारती वैज्ञानिक समाज को एक भारतीय परिप्रेक्ष्य देने के लिए काम कर रही है,आईआईटी, आईएसएम, धनबाद के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा को विज्ञान भारती झारखंड के अध्यक्ष के रूप में चुना गया

सीएसआईआर,सीआईएमएफआर, धनबाद में की गई आयोजित

धनबाद, विज्ञान भारती झारखंड की आम सभा की सफल बैठक सीएसआईआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च सीआईएमएफआर, धनबाद में आयोजित की गई। इस सभा में प्रमुख व्यक्तियों और सदस्यों ने भाग लिया 1 जिसमें महत्वपूर्ण चर्चाएं, प्रस्तावों का अनुमोदन और भविष्य के लिए रोडमैप तैयार किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय संगठन मंत्री डॉ० शिव कुमार शर्मा , अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री, प्रवीण रामदास , विज्ञान भारती के राष्ट्रीय शासी परिषद के सदस्य और झारखंड प्रभारी डॉ. एन.पी. शुक्ला और शासी परिषद के सदस्य एवं वीवीएम के राष्ट्रीय समन्वयक पंजीकरण और आउटरीच, नरेश चाफेकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। आईआईटी, आईएसएम, धनबाद के निदेशक प्रो० सुकुमार मिश्रा , आईआईटी, आईएसएम के उप निदेशक डॉ० धीरज कुमार, सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ० जे.के. पांडे और विज्ञान भारती झारखंड के 50 से अधिक आजीवन सदस्य, जिनमें सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, आईआईटी, आईएसएम, बीसीसीएल, सीसीएल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड और उषा मार्टिन रांची के प्रतिनिधि शामिल थे, ने बैठक में भाग लिया। बैठक की शुरुआत विज्ञान भारती के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री, प्रवीण रामदास के उद्बोधन से हुई। इस सत्र का एक मुख्य आकर्षण विज्ञान भारती झारखंड की नई कार्यकारिणी का गठन था। आईआईटी, आईएसएम, धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा को अध्यक्ष के रूप में चुना गया, जबकि सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के डॉ० चंद्रशेखर द्विवेदी ने सचिव की भूमिका संभाली। उपाध्यक्षों में डॉ. जे.के. पांडे सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, प्रो. धीरज आईआईटी आईएसएम, और डॉ. एम.पी. रॉय सीएसआईआर-सीआईएमएफआर शामिल हैं। एस.के. कश्यप को संयुक्त सचिव और डॉ. रविंद्र शेट्टी बीसीसीएल.को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान, वर्ष के लिए निर्धारित प्रमुख कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें आईआईटी,आईएसएम, धनबाद और सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के सहयोग से आयोजित होने वाले पर्यावरण, खनन और ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम जमशेदपुर और रांची में प्रसिद्ध भूविज्ञानी प्रमथा नाथ बोस के विचारों और विरासत को उजागर करने के लिए एक समर्पित सम्मेलन होगा। इसके अलावा, विज्ञान भारती के स्थापना दिवस का उत्सव 21 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें कई जिलों में विभिन्न गतिविधियों और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सत्र का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) झारखंड ब्रोशर का औपचारिक शुभारंभ था। श्री नरेश चाफेकर जी ने वीवीएम की यात्रा, इसकी वर्तमान संरचना और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे यह पहल, शिक्षा मंत्रालय द्वारा समर्थित, छात्रों के बीच भारत की सबसे बड़ी विज्ञान प्रतिभा खोज के रूप में विकसित हो रही है। डॉ. एन.पी. शुक्ला ने भारतीय दृष्टिकोण से वैज्ञानिक सोच प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया और विज्ञान भारती की इस पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में भूमिका को रेखांकित किया।

मनईटांड़ में भगवान गणेश को 151 केजी लड्डू का भोग अर्पित किया जाएगा

धनबाद, मनईटांड़ श्रीश्री गणेश पूजा समिति के तत्वावधान में हरि मंदिर परिसर में गणपति उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति की ओर से रविवार को बैठक किया गया। अध्यक्षता पूजा समिति के कोषाध्यक्ष रवि सोनी ने किया। उन्होंने बताया कि इस बार धूमधाम से चार दिनों तक गणपति उत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रथम दिन 27 अगस्त की सुबह 10 बजे पुजारी प्रवीण मिश्रा के सानिध्य में पूजा का आयोजन किया जाएगा। संध्या के सात बजे आरती कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। दूसरे दिन 28 अगस्त को संध्या में श्याम भजन किया जाएगा। तीसरे दिन सुबह में पूजन कार्यक्रम के बाद भक्तों के लिए महाप्रसाद का व्यवस्था किया गया है। अंतिम दिन 30अगस्त को दोपहर दो बजे के बाद प्रतिमा का विशर्जन किया जाएगा। रवि सोनी ने बताया कि पूजा में भगवान गणेश को 151केजी लड्डू का भोग अर्पित किया जाएगा। पूजा आयोजन को लेकर पंडाल पूरी तरह थीम का काम किया जाएगा, इको फ्रेंडली होगा। बारिश के मौसम के कारण पंडाल को वाटर प्रूफ बनाया जाएगा। पंडाल के अंदर व बहार साज-सज्जा के लिए आकर्षक पुष्प व विद्युत सज्जा किया जाए गा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष, राकेश सिंह, उपाध्यक्ष, संजय सिंह, ब्रजेश सिंह, सचिव सप्पू महतो, पूजा इंचार्ज विकेश भगत, शुभम साव, सोनू, सिंह, दीपक प्रमाणिक, कुंदन कुमार, रंजीत रवानी आदि का सराहनीय योगदान रहा 1

मुरली कृष्ण रमैया निर्देशक मानव संसाधन ने स्पर्श 2025 कॉन्क्लेव का किया सफल आयोजन

धनबाद, बीसीसीएल का दो दिवसीय स्पर्श 2025 कॉन्क्लेव कार्यक्रम में कोयला उद्योग शैक्षणिक संस्थान और कॉर्पोरेट नेतृत्व से जुड़े एच आर विशेषज्ञ और शीर्ष प्रबंधन ने मिलकर टीमवर्क उद्देश्य की स्पष्ट और नेतृत्व आधारित प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर गहन विचार विमर्श किया जिसमें वक्ताओं ने बताया कि कैसे सहानुभूति पूर्वक सहयोग और साझा नेतृत्व के माध्यम से कार्य स्थल पर जुनून और प्रतिबद्धता विकसित की जा सकती है इस अवसर पर कॉल इंडिया के निदेशक मानव संसाधन डॉ विनय रंजन ने कहा कि आज के समय में एच आर केवल प्रतिक्रियाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठन की आत्मा बन गया हैं 1 खुश और प्रेरित कर्मचारी ही किसी संस्थान के असली ताकत होती है। उन्होंने कहा कि पहले आप खुद खुश रहें तभी आप दूसरों को खुश रख सकते हैं 1 इसी एल के सीएमडी सतीश झा ने कहा कि आज का कार्यस्थल केवल लक्ष्य की प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक संतोष का स्थान बनना चाहिए 1 निदेशक मानव संसाधन मुरली कृष्ण रमैया ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि स्पर्श कॉन्क्लेव सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि विचारों संवादों और एच आर की नई सोच की दिशा में एक पहल है, उन्होंने कहा कि अपने कर्मियों के साथ अच्छे व्यवहार और उनकी समस्याओं का निदान करने के लिए उन्हें समय दें एक बार हृदय स्पर्श हो गया तो समस्या का निदान तत्काल हो जाएगा मूसली कृष्णा रमैया ने एक बेहतरीन पहल कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया है। कॉन्क्लेव में कोल इंडिया है 1उसकी अनुसांगिक कंपनियों के शीर्ष अधिकारी निर्देशक केशव राव(एम सी एल) निदेशक हर्षनाथ मिश्रा, निदेशक गुंजन कुमार सिन्हा (इ सी एल) डॉ० हेमंत शरण पांडे, कई उन दूसरे कंपनियों से आए निर्देशक, शंकर नागाचारी सीएमपीडीआई, रेणुका वर्मा, इसके साथ ही डीवीसी के कार्यपालक निदेशक अखिलेश कुमार, मैथन परियोजना के पार्थो सारथी मुखर्जी, कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को एच आर क्षेत्र की नवीनतम प्रवृत्तियां प्रबंध कौशल और टिम भावना कुश सुधीर करने के उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कोयला भगवान के एच आर के पदाधिकारी एवं पी आर के पदाधिकारीयो ने अपना सहयोग दिया ।

जोहार! कलमकार मंच झारखंड के तत्वावधान में संगोष्ठी, स्मारिका और पुस्तक विमोचन, कवि सम्मेलन संपन्न

धनबाद। गोल्डन जुबली हॉल, आईआईटी-आईएसएम, धनबाद में जोहार! कलमकार मंच झारखंड के तत्वावधान में एक भव्य संगोष्ठी, स्मारिका एवं पुस्तक विमोचन एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के शुरुआत में झारखण्ड पुत्र दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. राममोहन पाठक, (सदस्य, राजभाषा- कारपोरेट अफेयर्स मंत्रालय,भारत सरकार,नई दिल्ली । पूर्व निदेशक महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। पूर्व कुलपति-दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा,चेन्नई वर्तमान में परामर्शी, राजभवन,असम-गुवाहाटी), अति विशिष्ट अतिथि श्रीराम दुबे (प्रख्यात साहित्यकार, अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि प्रख्यात कवयित्री निर्मला पुतुल ने मंच की शोभा बढ़ाई। मंच की संस्थापिका एवं अध्यक्ष श्रीमती ममता बनर्जी तथा मंच के कार्यकारिणी द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं स्मृतिचिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। संगोष्ठी का विषय था – "साहित्य से मिलती है समाज को दशा और दिशा"। मुख्य वक्ता डॉ. सुमनलता पूर्व प्राध्यापिका, मधुपुर कॉलेज, मधुपुर एवं डॉ. मुकुंद रविदास प्राध्यापक, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद, ने साहित्य की समाज-निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर मंच की स्मारिका तथा साहित्यकार दिनेश रविकर की तीन कृतियों – 'हिन्दू हृदय सम्राट महाराजा सुहेलदेव', ' बाबा बनदास' और 'धरती आबा'का भव्य विमोचन किया गया। झारखंड के विभिन्न जिलों से पधारे कवियों-कवयित्रियों द्वारा काव्य-पाठ की प्रस्तुति उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वीर, श्रृंगार, हास्य, व्यंग्य और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत काव्यपाठ ने वातावरण को भावपूर्ण और ऊर्जावान बना दिया। मंचासीन अतिथियों द्वारा सभी कवियों-कवयित्रियों को सम्मान-पत्र एवं स्मृतिचिह्न प्रदान किए गए। धनबाद शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में साहित्य-प्रेमियों एवं गणमान्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर के आयोजन में चार चाँद लगा दिया। कार्यक्रम का संचालन गरिमामय ढंग से हुआ और अंत में श्री दिनेश रविकर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। यह आयोजन अपनी साहित्यिक, सांस्कृतिक और सौहार्दपूर्ण गरिमा के लिए लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

लोयाबाद हटिया गोलाई की लगभग 500 की आबादी मंगलवार से अंधेरे में है

लोयाबाद।लोयाबाद हटिया गोलाई की लगभग 500 की आबादी मंगलवार से अंधेरे में है। विभाग द्वारा शनिवार को 163 केवीए की जगह 200 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया, लेकिन इसके बाद भी बिजली संकट खत्म नहीं हुआ।जानकारी के अनुसार,ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत के बाद विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाया।लाइन चार्ज करते समय जोरदार आवाज के साथ ट्रांसफार्मर में ब्लास्ट हो गया।जांच में पता चला कि टैंक में सुराख हो गया है और ऑयल रिसने लगा।मरम्मत के बाद रविवार को ऑयल भरकर दोबारा लाइन चार्ज की गई,लेकिन इस बार एचटी लाइन का फ्यूज उड़ गया ।दोबारा मरम्मत के बावजूद बिजली सप्लाई बहाल नहीं हो पाई। अब विभाग फिर से नया ट्रांसफार्मर लगाने की तैयारी कर रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर खराब होने से पहले ठेकेदार नई तार और पोल बदल रहा था। दिनभर लाइन काटने के बाद शाम में सप्लाई बहाल करने की कोशिश में फॉल्ट हुआ और ट्रांसफार्मर जल गया।लोगों ने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नाराज़गी जताई।उनका कहना है, गर्मी और अंधेरे में हमारा जीना मुश्किल हो गया है। बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे, घर के कामकाज ठप हैं और विभाग बार-बार सिर्फ मरम्मत का आश्वासन देकर समय बर्बाद कर रहा है।समस्या का समाधान विभागीय सूत्रों के अनुसार,नए ट्रांसफार्मर की आपूर्ति के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।यदि कोई तकनीकी बाधा नहीं आई,तो अगले एक-दो दिनों में नया ट्रांसफार्मर लगाकर सप्लाई बहाल करने का दावा किया गया है।

राष्ट्रीय बावरी संघर्ष मोर्चा का चिरकुंडा नगर क्षेत्र का किया गया गठन, साथ ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

चिरकुंडा, (धनबाद), चिरकुण्डा नगर अन्तर्गत नारायण भवन में राष्ट्रीय बाउरी संघर्ष मोर्चा की बैठक आयोजित की गई 1

बैठक की शुरुआत दिशोमगुरु शिबू सोरेन के फोटो पर माला पहना कर, दो मिनट का मौन रख कर सभा को आरम्भ किया गया।

जिसमें राष्ट्रीय बाउरी संघर्ष मोर्चा की चिरकुंडा इकाई की गठन की गई 1 जिसमें चिरकुंडा नगर के अध्यक्ष, राजू काउरी, सचीव, भोला बाउरी, कोषाध्यक्ष, साहेब बाउरी, एवं उपाध्यक्ष दिपक बाउरी को बनाया गया। जिसमे मुख्य रूप से उपस्थित राष्ट्रीय बाउरी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक सह केन्द्रिय अध्यक्ष, रंजित बाउरी के साथ धनबाद जिला अध्यक्ष, रंजित बाउरी, सचीव राम किशन बाउरी, केन्द्रिय सचीव वरुन चन्द्र बउरी, उपाध्यक्ष तारापदो बाउरी, कोषाध्यक्ष बुधन बाउरी, उप सचीव खोगेन बाउरी, सलाहकार मनोरंजन बाउरी, कार्यकारी अध्यक्ष, अजय बाउरी एवं अन्य समाजिक के वरीष्ट प्रदाधिकारी उपस्थित रहे 1 साथी ही अजय बाउरी, राजू बाउरी, दीपक बाउरी, बसंत बाउरी, प्रदीप बाउरी, जगदीश बाउरी, भोला बाउरी, साहब बाउरी, कैलाश बाउरी, मनोरंजन बाउरी के साथ-साथ राष्ट्रीय बाउरी संघर्ष मोर्चा के कर्मठ, जुझारू सदस्य भी मौजूद थे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे संतोष चौरसिया को समर्थन देने पहुंचे दिलीप सिंह

धनबाद। तीसरे दिन रविवार 9 अगस्त भी बरटांड पंडित किलनीक रोड में जर्जर एवं नारकीय स्थिति पर चल रहे समाजसेवी संतोष चौरसिया का अनिश्चितकालीन भुख हड़ताल की जा रही है 1 इसमें युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह समर्थन देने पहुंचे। दिलीप सिंह ने कहा संबंधित विभाग इस क्षेत्र की जर्जर रोड को तत्काल मरम्मत करें 1 साथ ही नालियों का निर्माण भो शीघ्र कराने की मांग की 1 जिससे क्षेत्र में बीमारी ना फैले 1 इससे यहां के निवासियों को काफी कष्ट झेलना पड़ रहा है। मौके पर आर के चौधरी, मनीष सिंह, रंजीत सिंह, कुमार मधुरेन्द्र सिंह,संजय मंडल, अनिल कुमार, मनोज कुमार, वकील दास, अनिल मल्लिक ,बमबम सिंह एवं अन्य क्षेत्र के निवासी धरना में उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर द्वारा निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

धनबाद, रविवार .को भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के सदर मंडल एवं बरटाड़ मंडल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा जिला परिषद मैदान से निकाला गया 1 जो गांधी चौक, सिटी सेंटर पर संपन्न हुई।

इस अवसर पर पार्टी के नेता, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम जन उत्साहपूर्वक शामिल हुए और पूरे मार्ग में 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय हिंद' के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। तिरंगे की शान और सम्मान देखते ही बनता था। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से.धनबाद के विधायक, राज सिन्हा, महानगर अध्यक्ष, श्रवण राय, प्रदेश समिति के सदस्य, चंद्रशेखर सिंह, संजीव अग्रवाल एवं रमेश राही उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सह जिला कार्यक्रम प्रभारी, मानस प्रसून ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा कि "तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। आज धनबाद ने जो उत्साह दिखाया, वह अद्वितीय है। यही एकजुटता भारत को विश्व में सबसे ऊँचा स्थान दिलाएगी। हमारा हर कदम देश की एकता और अखंडता को मजबूत करेगा। यह यात्रा हमारे युवाओं में नई ऊर्जा और जोश भरने का काम करेगी।

धनबाद का यह दृश्य हर भारतीय के दिल को गर्व से भर देने वाला है। श्रवण राय, महानगर अध्यक्ष ने कहा की यह धरती हमेशा राष्ट्रभक्ति की मिसाल रही है।

आज का दृश्य हर दिल में देशभक्ति की ज्वाला जाग चुका हैं 1 तिरंगे की यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।चंद्रशेखर सिंह , प्रदेश समिति सदस्य,

"यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि एक संकल्प है।भारत माता की जयकार से आज धनबाद गूंज उठा।हम सब तिरंगे की रक्षा और सम्मान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

मानस प्रसून, जिला महामंत्री सह जिला कार्यक्रम प्रभारी ने कहा कि "आज धनबाद ने तिरंगे को सबसे ऊँचा सम्मान दिया। नेता, कार्यकर्ता और जनता — सबने मिलकर एक इतिहास रचा। यह यात्रा हमारे देशप्रेम की सबसे सुंदर झलक है।"

तिरंगा यात्रा मे सैंकड़ो की संख्या मे महिलाएं भी उपस्थित थी.

अध्यक्षता सदर मंडल अध्यक्ष श्री राजाराम दत्ता ने की।

धन्यवाद ज्ञापन बरटाड़ मंडल अध्यक्ष श्री किशोर मंडल ने किया।

इस तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में वीरेंद्र हांसदा, नरेंद्र त्रिवेदी, रीता यादव, अभिमन्यु कुमार, रूपेश सिन्हा,नित्यानंद मंडल मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, किशोर मंडल, संजय कुशवाहा, अरुण राय, निर्मल प्रधान,संतोष सिंह, राजू मालाकार,सोनी सिंह, रौशनी पांडेय,पुष्पा राय, शोभा पांडेय, अमित सिंह, हुल्लास दास,डी के सिंह, जगबंधु मंडल, मनोज रिंकू सिन्हा,मौषम सिंह, अरुण सिंह,रितेश बहादुर सिंह, प्रमोद अग्रवाल, अखिलेश झा, श्यामल राय, सत्येंद्र मिश्रा, भीम दे सहित बड़ी संख्या मे पार्टी पदाधिकारी , कार्यकर्ता सहित आमलोग उपस्थित थे.1

फेडरेशन ऑफ वोलेन्ट्री ब्लड डोनर्स आर्गनाइजेशन ने की बैठक संपन्न

धनबाद, फेडरेशन ऑफ वोलेन्ट्री ब्लड डोनर्स आर्गनाइजेशन की एक बैठक शिवांश बेक्वेंट हाल, काडमाडा में सम्पन्न हुई। फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष सजल कुमार के अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि बहुत जल्द लोहरदगा में एक प्रांतीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा 1 जिसमे झारखंड के तमाम जिलों से प्रमुख प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। इस सम्मेलन से पूर्व जिन जिन जिलों में फेडरेशन का गठन नही हुआ है, वहां वहां गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तत्पश्चात सभी प्रमुखगण को बुला कर प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन होगा। फेडरेशन के अलाउद्दीन ने गिरीडीह में फेडरेशन गठन की पूरी जिम्मेवारी ली। साथ ही साथ पार्थ सारथी दत्ता को धनबाद का प्रभारी बनाया गया।मौके पर अध्यक्ष, शाजल कुमार, सचिव कमल कुमार घोष, उपसचिव, अनूप श्रीवास्तव, मुख्य मेंटर सुनील कुमार, प्रदीप घोसाल धनबाद से अलाउद्दीन, पार्थो, अमिताभ, असीम, खिरोध, तरुण, संजय, गणेश, बिस्वजीत, मृत्युंजय आदि मौजूद थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।